दैनिक
प्रतिदिन राजधानी
सुप्रभात रायपुर
आम आदमी का खास अखबार
संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी | प्रधान संपादक - शांति देवी नचरानी | वर्ष : 26 | अंक : 126 रायपुर, बुधवार, 27 मई 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य ` 2.00 | RNI NO. CHH HIN/2001/05596

3 मानसून पूर्व तैयारियां ...

E-mail pratidincg@gmail.com E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in WhatsApp +91 62629 04444

चेहरे पर झुर्रियां, बढ़ा हुआ... 8

जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नंबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...

स्क्रैप निस्तारण के लिए अनुबंध अवधि बढ़ाया ठेकेदारों को दी राहत, कैबिनेट में हुए अहम फैसले

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मंत्रिपरिषद ने राज्य के विभिन्न विभागों, सार्वजनिक उपक्रमों, निगमों, मंडलों और स्थानीय निकायों में जमा स्क्रैप और अनुपयोगी सामग्रियों के पारदर्शी एवं व्यवस्थित निस्तारण के लिए भारत सरकार के उपक्रम मेटल स्क्रैप ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (MSTC) के साथ सेलिंग एजेंसी अनुबंध की अवधि को आगामी तीन वर्षों के लिए बढ़ाने का निर्णय लिया है।

यह अनुबंध नवंबर 2019 से प्रभावी है तथा 31 मई 2026 को समाप्त हो रहा था। MSTC के अत्याधुनिक ई–नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से देशभर के खरीदार प्रतिस्पर्धी बोली लगाकर स्क्रैप सामग्री खरीद सकते हैं, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित होती है और राज्य को बेहतर मूल्य प्राप्त होता है।

इस व्यवस्था से राज्य में स्क्रैप निस्तारण की प्रक्रिया अधिक सुव्यवस्थित, तकनीक आधारित और राजस्वोन्मुख हुई है। इस निर्णय से विभागों को अलग–अलग निविदा और विज्ञापन प्रक्रिया की आवश्यकता नहीं होगी, प्रशासनिक समय और संसाधनों की बचत होगी, साथ ही कार्यालय परिसरों में स्वच्छता और स्थान प्रबंधन भी बेहतर होगा।

मंत्रिपरिषद की बैठक में छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मण्डल को सामान्य प्रशासन विभाग के अधीन लाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इसके लिए छत्तीसगढ़ शासन कार्य (आवंटन) नियम में संशोधन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मण्डल अधिनियम, 2026 लागू होने के बाद पूर्व के छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल का विलय नए कर्मचारी चयन मण्डल में हो चुका है। साथ ही उसकी सभी परिसंपत्तियां एवं देनदारियां भी नए मण्डल में शामिल हो गई हैं।

राज्य मंत्रिपरिषद ने सड़क निर्माण कार्यों में 01 अप्रैल 2026 के पश्चात बिटुमिन (डामर) की कीमतों में हुई असाधारण और अप्रत्याशित वृद्धि को देखते हुए, राज्य के हित और निर्माण कार्यों में निरंतरता बनाए रखने के उद्देश्य से 01 अप्रैल 2026 से 30 जून 2026 की अवधि के लिए अनुबंधित ठेकेदारों को सीमित एवं आंशिक मूल्य राहत (क्षतिपूर्ति) प्रदान करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।

यह राहत केवल बिटुमिन मूल्य में हुई असाधारण वृद्धि के प्रभाव को कम करने हेतु निर्धारित फार्मूले के आधार पर दी जाएगी तथा अन्य निर्माण घटकों पर अनुबंध में पूर्व से प्रावधानित एस्केलेशन नियम यथावत लागू रहेंगे। वैश्विक परिस्थितियों और पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में वृद्धि के कारण डामरीकरण कार्य प्रभावित होने लगे थे, जिससे सड़क निर्माण और संधारण कार्यों की गति बाधित होने की आशंका थी।

छग योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा का निधन, मुख्यमंत्री ने जताया शोक

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक, भारतीय जनता पार्टी के पूर्व संगठन मंत्री एवं वर्तमान में छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा के आज मंगलवार को आकस्मिक निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने उनके निधन को भाजपा परिवार, संगठन और प्रदेश के लिए अपूरणीय क्षति बताया है मुख्यमंत्री साय ने कहा कि रूपनारायण सिन्हा ने संगठन निर्माण, जनसेवा तथा भारतीय संस्कृति एवं योग के प्रसार में उल्लेखनीय योगदान दिया। उनका समर्पित, अनुशासित और सेवाभावी व्यक्तित्व सदैव प्रेरणास्रोत एवं स्मरणीय रहेगा मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशिक्षण महाअभियान जैसे महत्वपूर्ण संगठनात्मक कार्यक्रम में अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए उनका इस प्रकार अचानक हमें छोड़कर चले जाना अत्यंत पीड़ादायक है। सार्वजनिक जीवन, संगठन और समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता लंबे समय तक याद की जाएगी। मुख्यमंत्री साय ने ईश्वर से दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने तथा शोक संतप्त परिजनों, समर्थकों और शुभचिंतकों को यह गहन दुःख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है।

उल्लेखनीय है कि रुपनारायण सिन्हा बिलासपुर में आज भाजपा के प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। इसी दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। दिल का दौरा पड़ने पर उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। उनके निधन से भाजपा कार्यकर्ताओं में शोक की लहर है।

कांकेर से नक्सलियों का डंप किया हथियार और विस्फोटक बरामद

कांकेर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में सुरक्षाबलों के चलाए जा रहे अभियान में दो अलग–अलग क्षेत्रों से नक्सलियों की छिपाकर रखी गयी डंप सामग्री बरामद किया गया है। इसमें बड़ी मात्रा में हथियार, विस्फोटक और दैनिक उपयोग की वस्तुएं शामिल हैं। बरामद नक्सली डंप में गुमचूर क्षेत्र से 303 राइफल के 42 राउंड मिले। इसके अलावा 7.62 एसएलआर के 75 राउंड और 5.56 राइफल के 21 राउंड भी बरामद हुए। इसके साथ ही 7.62 एमएम एसएलआर मैगजीन फिलर के दो नग और एक स्टील कंटेनर भी मिला। छह इलेक्ट्रिक डेटोनेटर भी बरामद हुए, जिनमें से एक टूटा हुआ था।

मंगलवार को पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, जिला पुलिस, डीआरजी, बीएसएफ और बीडीएस टीम के द्वारा 25 मई कोसीमावर्ती क्षेत्रों में अतिरिक्त सतर्कता के साथ सघन तलाशी अभियान थाना कोयलीबेड़ा और जिला कांकेर–नारायणपुर सीमावर्ती क्षेत्र ग्राम गुमचूर के जंगल–पहाड़ी क्षेत्र में अभियान चला।

जलवायु परिवर्तन और माइक्रो प्लास्टिक की चुनौती से निपटने युवाओं को सहयोग करना होगा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज लोकभवन में दिल्ली के विभिन्न शिक्षा संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने संवाद किया। ये विद्यार्थी भारत सरकार के ''एक भारत–श्रेष्ठ भारत'' अभियान के ''युवा संगम'' कार्यक्रम के तहत छत्तीसगढ़ प्रवास पर हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की पहल पर यह अनूठा कार्यक्रम पूरे भारत में लागू किया गया है। जिसमें सभी प्रदेशों के युवा अन्य प्रदेशों में जाकर वहां की संस्कृति को समझते हैं, खान–पान का जायका लेते है और पर्यटन स्थलों का भ्रमण करते हैं। इस कड़ी में दिल्ली के विभिन्न महाविद्यालयों में अध्ययनरत युवा छात्र–छात्राओं को छत्तीसगढ़ का भ्रमण कराया जा रहा है। भ्रमण के दूसरे दिन ये विद्यार्थी लोकभवन पहुंचे थे।

राज्यपाल ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि डिग्री लेकर निकलने के पश्चात हमें देश व समाज के बारे में सोचना चाहिए। जलवायु परिवर्तन और माइक्रो प्लास्टिक आज की सबसे बड़ी चुनौती है इससे निपटने के लिए युवाओं को सहयोग करना होगा।

श्री डेका ने कहा कि हमारे जीवनशैली को आधुनिक बनाने में साइंस का महत्वपूर्ण योगदान है। इसका उपयोग मानवहित में होना चाहिए। आईआईटी जैसे संस्थान देश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हमारे शिक्षा संस्थानों पर हमारी समृद्ध संस्कृति और विरासत को सहेजने की जिम्मेदारी है। इस तरह के मेल–जोल के कार्यक्रम से व्यक्तित्व का विकास होता है।

श्री डेका ने सभी विद्यार्थियों के छत्तीसगढ़ आगमन पर हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि आप दिल्ली की हलचल भरी सड़कों से निकलकर छत्तीसगढ़ की हरी–भरी, वन–संपदा से समृद्ध, आदिवासी परंपराओं और लोक संस्कृति से सराबोर भूमि पर पधारे हैं।

ग्रेट निकोबार परियोजना को लेकर कांग्रेस का केंद्र पर निशाना

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस के आदिवासी विभाग के अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने ग्रेट निकोबार परियोजना को लेकर कहा कि बड़े पैमाने पर जंगलों की कटाई से आदिवासी समाज और पर्यावरण दोनों पर असर पड़ेगा। यदि जंगल समाप्त हो गए तो आदिवासी संस्कृति और पहचान भी संकट में पड़ जाएगी।

भूरिया ने मंगलवार को कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि सरकार एक ओर पेड़ लगाने वालों को सम्मानित करती है, जबकि दूसरी ओर बड़े स्तर पर जंगल काटे जा रहे हैं। आदिवासी संस्कृति को बचाने के लिए जंगल और जमीन को बचाना जरूरी है।

उन्होंने आरोप लगाया कि ग्रेट निकोबार परियोजना के तहत अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई की जाएगी। वहां रहने वाली शोम्पेन जनजाति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह समुदाय बेहद सीमित संख्या में बचा है और परियोजना का असर उन पर भी पड़ सकता है।

अपनापन के विमोचन समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

प्रधानमंत्री मोदी से जुड़े अनुभवों और सार्वजनिक जीवन की आत्मीय यात्रा पर आधारित है केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की पुस्तक

■ 'मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दी शुभकामनाएं, कहा – जनसेवा के अनुभव समाज के लिए प्रेरणा बनते हैं'

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज नई दिल्ली स्थित पूसा परिसर में आयोजित केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की पुस्तक 'अपनापन' के विमोचन समारोह में शामिल हुए। यह पुस्तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के साथ श्री चौहान के सार्वजनिक जीवन, आत्मीय संबंधों और कार्य अनुभवों पर आधारित है, जिसमें नेतृत्व, जनसेवा और व्यक्तिगत संवेदनाओं को प्रेरक एवं भावनात्मक शैली में प्रस्तुत किया गया है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शिवराज सिंह चौहान को पुस्तक के प्रकाशन पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सार्वजनिक जीवन के अनुभवों को पुस्तक के माध्यम से समाज तक पहुँचाना एक प्रेरणादायी पहल है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास जनप्रतिनिधियों के अनुभवों, कार्यशैली और जनसेवा के मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में जनसेवा, सुशासन और संवेदनशील नेतृत्व की नई कार्यसंस्कृति विकसित हुई है। इस पृष्ठभूमि में सार्वजनिक जीवन के अनुभवों पर आधारित यह पुस्तक निश्चित रूप से पाठकों को प्रेरित करेगी तथा नेतृत्व के विभिन्न आयामों को समझने का अवसर प्रदान करेगी। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्रीगण, देश के विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, जनप्रतिनिधि और अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सीबीएसई पेमेंट गेटवे सिस्टम में सुधार के लिए शिक्षा मंत्री ने बैंक अधिकारियों के साथ की चर्चा

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को चार प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की भुगतान प्रणाली को मजबूत बनाने पर चर्चा की। बैठक में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा बैंक और इंडियन बैंक के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि पुनर्मूल्यांकन, उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने और परीक्षा परिणाम के बाद की अन्य शुल्क आधारित सेवाओं के लिए छात्रों को एक मजबूत, भरोसेमंद और छात्र हितैषी भुगतान व्यवस्था उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने बैंकों को कहा कि वे सीबीएसई के साथ मिलकर ऐसी भुगतान प्रणाली विकसित करें, जिससे समय पर भुगतान सुनिश्चित हो सके, भुगतान संबंधी समस्याओं का तुरंत समाधान हो और अतिरिक्त या विफल भुगतान की स्थिति में स्वतः रिफंड की सुविधा उपलब्ध हो।

प्रधान ने कहा कि भुगतान गेटवे प्रणाली को उन्नत तकनीकी सुरक्षा, रियल टाइम निगरानी और तेज शिकायत निवारण तंत्र के जरिए मजबूत किया जाए, ताकि भविष्य में छात्रों को तकनीकी दिक्कतों या भुगतान विफलता जैसी समस्याओं का सामना न करना पड़े।

मप्र के पन्ना में खुदाई के दौरान कुआं धंसने से मलबे में दबे पांच मजदूरों की मौत

एजेंसी, मप्र / पन्ना

मध्य प्रदेश के पन्ना जिले के अजयगढ़ विकासखंड में ग्राम बीहरपुरवा के नयापुरवा में मंगलवार को एक खेत पर कुएं की खुदाई के दौरान अचानक मिट्टी धंस गई। इस हादसे में मलबे में दबे पांच मजदूरों की मौत हो गई। मृतकों में तीन मजदूर एक ही परिवार के हैं।

ग्राम बीहरपुरवा के नयापुरवा निवासी बिन्नू अहिरवार के खेत पर लगभग 10 दिनों से सात मजदूर कुएं की खुदाई का काम कर रहे थे। मंगलवार को सुबह करीब 10 बजे दो मजदूर पानी पीने के लिए कुएं से बाहर निकलकर ऊपर आए थे। उनके ऊपर पहुंचते ही कुएं की कमजोर और गीली मिट्टी अचानक भरभरा कर नीचे ढह गई। इससे कुएं के भीतर गहराई में काम कर रहे पांच मजदूर मलबे के नीचे पूरी तरह दब गए।

ग्रामीणों ने तुरंत प्रशासन को सूचना दी और जेसीबी मंगाकर मजदूरों को निकालने की कोशिश की। सूचना मिलने पर पुलिस प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। बचाव दल ने काफी मशक्कत के बाद पांचों मजदूरों के शव एक के बाद बाहर निकाल लिए और उन्हें पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिए।

मृतकों के नाम आशीष यादव, राजकुमार यादव, रामपाल यादव, चुन्नू यादव और चुनवाद पाल बताए गए हैं। इनमें आशीष, राजकुमार, रामपाल और चुन्नू यादव एक ही परिवार के सदस्य हैं।

क्वाड बैठक में दुर्लभ खनिज पहल की घोषणा, 20 अरब डॉलर जुटाये जाएंगे

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका के विदेश मंत्रियों की बैठक में चार प्रमुख क्षेत्रों हिन्द–प्रशांत क्षेत्र में समुद्री एवं अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक समृद्धि एवं सुरक्षा, महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकी को मजबूत करने तथा पूरे क्षेत्र में मानवीय सहायता एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया का समर्थन करने के लिए प्रमुख नई पहलों की घोषणा की गयी।

हैदराबाद हाउस में मंगलवार को भारत समेत इन चार देशों के चतुष्कोणीय रणनीतिक गठजोड़ क्वाड के विदेश मंत्रियों की 11वीं बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर, ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग, जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो शामिल हुए।

क्वाड देश विशेष रूप से दुर्लभ खनिज क्षेत्र में सहयोग करेंगे। सुरक्षित और विविधीकृत महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति शृंखला विकसित करने के लिए क्वाड दुर्लभ खनिज पहल शुरू करने की घोषणा की। इसका उद्देश्य उन्नत प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास और औद्योगिक मजबूती को समर्थन देना है। क्वाड साझेदार खनन, प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण क्षेत्रों में सरकारी तथा निजी निवेश के माध्यम से 20 अरब डॉलर तक की सहायता जुटाने का प्रयास करेंगे।

विदेश मंत्रालय के अनुसार इसके तहत रणनीतिक परियोजनाओं की पहचान, निजी पूंजी को प्रोत्साहन और निर्यात ऋण एजेंसियों के सहयोग पर बल दिया गया है। देशों ने लाइसेंसिंग, नियामकीय प्रक्रियाओं और भूवैज्ञानिक संसाधन आकलन में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति जताई। साथ ही ई–कचरे और स्क्रैप सामग्री से महत्वपूर्ण खनिजों की पुनप्राप्ति और पुनर्चक्रण तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त प्रयास किए जाएंगे, ताकि आपूर्ति शृंखला अधिक मजबूत और टिकाऊ बन सके।

क्वाड बैठक पर विदेश मंत्रालय की विशेष ब्रीफिंग में अतिरिक्त सचिव के. नागराज नायडू ने कहा कि विदेश मंत्रियों की बैठक में सहयोग के चार प्रमुख स्तंभों पर चर्चा हुई। इनमें समुद्री और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक समृद्धि और सुरक्षा, महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकियां तथा मानवीय सहायता और आपदा प्रतिक्रिया शामिल हैं। मंत्रियों ने हिंद–प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और सुरक्षित समुद्री मार्गों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि क्वाड ने इंडो–पैसिफिक पार्टनरशिप फॉर मैरिटाइम डोमेन अवेयरनेस के तहत सहयोग का विस्तार किया है।

सीमा से सटे 50 किमी क्षेत्र की हर गतिविधि पर रखनी होगी नजर : अमित शाह

सीमा सुरक्षा को मिलेगा हाईटेक कवच, छह माह में लगने शुरू होंगे ड्रोन रोधी संयंत्र

एजेंसी, बीकानेर

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को भारत–पाक सीमा पर स्थित बीएसएफ की ऐतिहासिक सांचू पोस्ट का दौरा किया। प्रहरी सम्मेलन में उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार अगले छह महीने में सीमावर्ती क्षेत्रों में ड्रोन रोधी संयंत्र लगाने की शुरुआत करेगी। उन्होंने कहा कि अब केवल सीमा पर निगरानी पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह भी देखना होगा कि ड्रोन को जमीन पर कौन रिसीव कर रहा है और उसके जरिए भेजे गए हथियार, नारकोटिक्स या अन्य सामग्री का उपयोग कौन कर रहा है। ऐसे नेटवर्क के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी होगी।

अमित शाह ने कहा कि बीएसएफ की परंपरागत ड्यूटी को अब नए आयाम से देखने की आवश्यकता है। अभी तक सीमाओं की सुरक्षा, घुसपैठ रोकने और तस्करी पर निगरानी प्रमुख जिम्मेदारी रही है, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में सीमावर्ती क्षेत्रों की आंतरिक सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो गई है। उन्होंने कहा कि सीमा से सटे 50 किलोमीटर क्षेत्र में यदि कोई अवैध निर्माण होता है या गांवों में असामान्य जनसंख्या परिवर्तन दिखाई देता है, तो इसकी जानकारी तत्काल जिला प्रशासन और सरकार को दी जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि बीएसएफ का अधिकार क्षेत्र 15 किलोमीटर से बढ़ाकर 50 किलोमीटर करने के निर्णय के पीछे भी यही सोच थी कि केवल सीमा चौकियों की सुरक्षा से देश सुरक्षित नहीं हो सकता। राज्य सरकारों, स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों को मिलकर क्षेत्रीय सुरक्षा की जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने कहा कि सीमांत क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर केंद्र और राज्य सरकारों के बीच लगातार समन्वय बढ़ाया जा रहा है।

आयुष विभाग द्वारा संचालित हो रहे चार राष्ट्रीय कार्यक्रम

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

आयुष विभाग द्वारा चार प्रमुख राष्ट्रीय आयुष कार्यक्रमों का सफल संचालन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से स्कूली बच्चों, गर्भवती माताओं, नवजात शिशुओं, असाध्य रोगों से ग्रसित रोगियों एवं जोड़ों व मांसपेशियों संबंधी विकारों से पीड़ित लोगों को आयुर्वेद पद्धति से चिकित्सा एवं देखभाल की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। राष्ट्रीय आयुष कार्यक्रम 'आयुर्विद्या' के तहत स्कूली बच्चों में आयुर्वेद के प्रति जागरूकता उत्पन्न करते हुए उनकी जीवनशैली में सुधार लाने का प्रयास किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों की स्वास्थ्य जांच, योग के प्रति प्रशिक्षण एवं आयुर्वेद विषयक जागरूकता व्याख्यान पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। साथ ही विद्यार्थियों को औषधीय उद्यान एवं आयुर्वेद चिकित्सालयों के भ्रमण की सुविधा भी दी जा रही है, जिससे उनमें आयुष पद्धति के प्रति रुचि उत्पन्न हो सके। इसी प्रकार राष्ट्रीय आयुष

कार्यक्रम सुप्रजा के अंतर्गत गर्भवती माताओं की देखभाल, उचित गर्भिणीचर्या, नवजात एवं शिशु की देखभाल के साथ–साथ ए.एन.सी., पी.एन.सी. एवं गर्भ संस्कार के माध्यम से सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आयुर्वेदिक पद्धति से माताओं एवं शिशुओं के स्वास्थ्य को स्वस्थ पीढ़ी का निर्माण हो संवेदनशील दृष्टिकोण है, जो जीवन–घातक बीमारियों से जूझ रहे रोगियों एवं उनके परिजनों की शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक समस्याओं की प्रारंभिक पहचान कर उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाता है। इस कार्यक्रम के तहत चिकित्सकों एवं कर्मचारियों की टीम द्वारा घर–घर जाकर असाध्य रोगियों का उपचार एवं देखभाल की जा रही है। यह कार्यक्रम मानवीय दृष्टिकोण से अत्यंत संवेदनशील एवं समाजोपयोगी सिद्ध हो रहा है तथा रोगियों के परिजनों के लिए भी एक बड़ा संबल बना है। वहीं ऑस्टियोआर्थराइटिस एवं मस्कुलोस्केलेटल डिसऑर्डर कार्यक्रम जोड़ों एवं मांसपेशियों संबंधी विकारों से पीड़ित लोगों के लिए संचालित एक विशेष पहल है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मरीजों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना तथा उन्हें जोड़ों व मांसपेशियों की समस्याओं के प्रभावी प्रबंधन में सहायता प्रदान करना है। उल्लेखनीय है कि आयुष विभाग द्वारा निरंतर शिविरों, जन–जागरूकता अभियानों एवं घर–घर पहुंच सेवाओं के माध्यम से इन कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार–प्रसार किया जा रहा है।

कार्यालय संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र राज. परि.

चतुर्थ तल, व्यावसायिक परिसर (दक्षिण-पूर्व कार्नर), सेक्टर-27, नवा रायपुर, अटल नगर
फोन नं.- 0771-4016094, E-mail Id: - em_zone2@yahoo.com

// आम–सूचना //

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा हितग्राहियों को लीज में भवन आबंटित है, उक्त भवन को फ्री–होल्ड के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत किया गया है, फ्री–होल्ड संपरिवर्तन निम्नानुसार किया जाना है :–

क्र.	आबंटी का नाम	पिता/पति का नाम	कॉलोनी का नाम	भू–खण्ड/भवन क्रमांक
1	श्री विवेक त्रिवेदी	स्व.श्री करूणा शंकर त्रिवेदी	सेक्टर–27 नवा रायपुर अटल नगर	P2A-464
2	श्री सौरभ कुमार	श्री शिव कुमार सिंह	––तदैव––	P2A-471
3	श्रीमती अनिता साहू	स्व.श्री एन.आर. साहू	––तदैव––	P2B-383
4	श्री राजिव कुमार जैन	श्री हेमन्त कुमार जैन	––तदैव––	P3A-196
5	श्री ताराचन्द वर्मा	श्री लखन लाल वर्मा	––तदैव––	P3C-122
6	श्री उमेश अग्रवाल एवं श्रीमती प्रीति अग्रवाल	श्री एच.एल. अग्रवाल श्री उमेश अग्रवाल	––तदैव––	P3D-709
7	श्री मो. वजीर अंसारी	श्री मो. अहमद अंसारी	––तदैव––	F3A-25/104
8	श्रीमती कुसुम सोनी	श्री तिलक राज सोनी	––तदैव––	F3C-21/506
9	श्रीमती माया वारियर	श्री पी.आर.के. वारियर	––तदैव––	F2A-34/501
10	श्रीमती कल्याणी सिंह	श्री अजय सिंह ठाकुर	––तदैव––	F2C-20/501
11	श्रीमती सरला वर्मा	स्व.श्री गणेश सहाय वर्मा	––तदैव––	F2C-28/104
12	श्रीमता करूणा वैद्य	स्व.श्री घनश्याम वैद्य	––तदैव––	F1B-02/503
13	श्री गोविन्द राम अग्रवाल	श्री हरि किशन अग्रवाल	––तदैव––	F1C-05/204
14	श्री अनिल कुमार अग्रवाल	श्री गोविन्द राम अग्रवाल	––तदैव––	F1C-05/205
15	श्रीमती सरोज वर्मा	श्री एम.एल. वर्मा	––तदैव––	F1C-10/306
16	श्रीमती सुमिता सिंह	श्री इन्द्रराज सिंह	सेक्टर–29 नवा रायपुर अटल नगर	HIG-1/727
17	श्री विलास कुमार स्थापक	श्री सुरेन्द्र कुमार स्थापक	––तदैव––	HIG-II/43
18	श्री मनोज कुमार चौरसिया	स्व. श्री रघुनन्दन प्रसाद चौरसिया	––तदैव––	HIG-II/85
19	श्री दिव्यकांत चन्द्राकर	श्री लेखराम चन्द्राकर	––तदैव––	HIG-II/475
20	श्रीमती बीना सिंह	स्व. श्री तीर्थेश्वर सिंह	––तदैव––	HIG-II/756
21	श्री विजयेन्द्र सिंह राणा	श्री जलेश्वर सिंह राणा	––तदैव––	SR.MIG-411
22	श्री प्रसुन कुमार शर्मा	श्री दुष्यंत शर्मा	––तदैव––	JR.MIG-I/140
23	श्रीमती पुष्पा बर्मन	श्री विजय कुमार बर्मन	––तदैव––	JR.MIG-I/268
24	श्रीमती सुनीता लाकरा	श्री सेराफिम लाकरा	––तदैव––	JR.MIG-II/100
25	श्रीमती रश्मिता प्रधान एवं श्री शशांक प्रधान	श्री शशांक प्रधान श्री लक्ष्मण प्रधान	––तदैव––	JR.MIG-II/172
26	श्रीमती गायत्री देवी	श्री ज्ञान गोविन्द शुक्ला	––तदैव––	JR.MIG-II/302
27	श्रीमती शीमान्ती बैनर्जी	स्व. श्री संजय बैनर्जी	––तदैव––	HIG Flat-50/204
28	श्री अजैन प्रकाश	स्व. श्री लालसाय	––तदैव––	MIG Flat-24/201
29	श्रीमती निशु कुमारी	श्री मनोज कुमार	––तदैव––	EWS Flat-10/002
30	श्रीमती अंशु शुक्ला	श्री मनीष शुक्ला	––तदैव––	MIG Flat-26/103
31	श्री शिव कुमार साहू	श्री महाबीर साहू	––तदैव––	MIG-1 Flat-01/108
32	श्री देवेन्द्र सिंह	स्व. श्री विजय सिंह	––तदैव––	LIG Flat-18/007
33	श्रीमती उमा देवी	स्व. श्री एल.वी. रमनाराव	––तदैव––	EWS Flat-16/103
34	श्रीमती निशु कुमारी	श्री मनोज कुमार	––तदैव––	EWS Flat-16/107
35	श्रीमती अंजू कुमारी	श्री दिनेश चन्द्रा	––तदैव––	EWS Flat-16/108
36	श्रीमती भानमती साहू	श्री फतीश कुमार साहू	दीन दयाल आवास गातापार अभनपुर	LIG-357
37	श्री राकेश साहू	श्री एस.सी. साहू	––तदैव––	LIG-50
38	श्री बसंत कुमार गुप्ता	श्री भगवानदीन गुप्ता	अटल आवास गातापार अभनपुर	EWS-170

अत: इस आम सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के अन्दर किसी भी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तिय संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेज के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में कार्यालयीन दिवस में प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि के पश्चात कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना
विकास मण्डल प्रक्षेत्र–नवा रायपुर अटल नगर

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला- रायपुर (छ.ग.)
ईश्तहार

राजस्व प्रकरण क्रमांक–....ब/121
ग्राम– भलेरा

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कोमल मानिकपुरी पिता श्री बलभद्र दास मानिकपुरी ग्राम भलेरा तहसील आरंग, द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर अपने पुत्र भावेश के जन्म दिनांक 04/02/2020 है, का पंजीयन कराने हेतु पंजीयक जन्म को आदेश जारी करने मांग किया है, ताकि जन्म का प्रमाण पत्र आवेदक को प्राप्त हो सके।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति का दावा/आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनांक 30.05.2026 तक आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 06/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर — तहसीलदार, आरंग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला- रायपुर (छ.ग.)
ईश्तहार

राजस्व प्रकरण क्रमांक–....ब/121
ग्राम– भलेरा

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कोमल मानिकपुरी पिता श्री बलभद्र दास मानिकपुरी ग्राम भिलाई तहसील आरंग, द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर अपने पुत्र शिवम के जन्म दिनांक 16/07/2018 है, का पंजीयन कराने हेतु पंजीयक जन्म को आदेश जारी करने मांग किया है, ताकि जन्म का प्रमाण पत्र आवेदक को प्राप्त हो सके।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति का दावा/आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनांक 30.05.2026 तक आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 06/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर — तहसीलदार, आरंग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला- रायपुर (छ.ग.)
ईश्तहार

राजस्व प्रकरण क्रमांक–....ब/121
ग्राम– बोरीद

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मालिकराम यादव पिता श्री नरेश यादव ग्राम बोरीद तहसील आरंग, द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर अपने पुत्री सुमन यादव के जन्म दिनांक 26/05/2007 है, का पंजीयन कराने हेतु पंजीयक जन्म को आदेश जारी करने मांग किया है, ताकि जन्म का प्रमाण पत्र आवेदक को प्राप्त हो सके।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति का दावा/आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनांक 28.05.2026 तक आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 13/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर — तहसीलदार, आरंग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला- रायपुर (छ.ग.)
ईश्तहार

राजस्व प्रकरण क्रमांक–....ब/121
ग्राम– बोरीद

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मालिकराम ध्रुव पिता श्री दुलारू ध्रुव ग्राम बोरीद तहसील आरंग, द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर अपने पुत्र कृष्ण कुमार ध्रुव के जन्म दिनांक 10/02/2019 है, का पंजीयन कराने हेतु पंजीयक जन्म को आदेश जारी करने मांग किया है, ताकि जन्म का प्रमाण पत्र आवेदक को प्राप्त हो सके।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति का दावा/आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनांक 05.06.2026 तक आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 20/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर — तहसीलदार, आरंग (छ.ग.)

नाम परिवर्तन की सूचना

मै शकुन्तला साहु (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) पति संतोष कुमार साहू निवासी–हटवा पारा, ग्राम– मांढर, तहसील– धरसींवा, जिला–रायपुर, छ.ग. ने अपना नाम शकुन्तला साहू (पुराना नाम) से बदलकर शकुन साहू (नया नाम) रख लिया है।

शकुन्तला साहू

शपथ पत्र

मैं प्रभजीत कौर पिता श्री बलबीर सिंग निवासी– हाउस नं.– 31/362 कटोरा तालाब रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. का हूँ जो कि निम्न लिखित कथन शपथ पूर्वक प्रस्तुत करती हूँ कि :–

1. यह कि मै शपथकर्ता उपर बताये गये नाम व पते के अनुसार निवास करती हूँ।

(2) यह कि मेरा का नाम (**BALJEET KAUR SINGH**) बलजीत कौर सिंग / पिता श्री बलबीर सिंग है तथा स्कूल रिकार्ड में एवं शाला प्रमाण पत्र (अंक सूची) में भी यही नाम दर्ज है एवं जो कि सही है ।

(3) यह कि मेरा नाम भूलवश 10वी के मार्कसिट (रिजल्ट) में (**BALJEET KAUR**) दर्ज हो गया है जो कि गलत है उसका सही नाम (**BALJEET KAUR SINGH**) बलजीत कौर सिंग पिता श्री बलबीर सिंग है।

(4) यह कि भूलवश 10 वी के मार्कसिट (रिजल्ट) में मेरे पिता का नाम भी (**BALVEER SINGH**) दर्ज हो गया है जो कि गलत है उसका सही नाम (**BALBIR SINGH**) बलबीर सिंग है। जो कि सही है।

(5) यह कि उपरोक्त शपथ पत्र अपने 10 वी कि मार्कसिट में मेरा एवं मेरे पिता का नाम सूधार हेतू श्रीमान् जी के समक्ष प्रस्तुत है।

सत्यापन :–

मैं शपथकर्ती प्रभजीत कौर पिता श्री बलबीर सिंग यह सत्यापित करती हूँ कि उक्त शपथ पत्र की कंडिका क्रमांक 01 से 05 तक में दी गई समस्त जानकारी मेरे स्वयं के ज्ञान से सही व सत्य है इसलिये आज दिनांक 26.05.2026 को स्थान रायपुर छ.ग. में अपने स्वयं के हस्ताक्षर एवं सत्यापित कि।

शपथकर्ती

शपथ पत्र

मै शपथकर्ता देवेन्द्र कुमार यदु पिता उमेन्द यदु, निवासी म.नं. 3883, रावतपुरा, फेस–2, सांई विहार मठपुरैना, रायपुर (छ.ग.) निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करता हूं :–

1. यह कि, मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार सत्य एवं सही है।

2. यह कि, मेरे पुत्र कुशाग्र यदु, का जन्म दिनांक – 05/05/2022 को हुआ, जिसका जन्म प्रमाण पत्र पंजीकरण संख्या बी–2022: 22–90434–004849 एवं पंजीकरण दिनांक– 09/05/2022 है।

3. यह कि, उक्त जन्म प्रमाण पत्र में मेरे पुत्र की माता का नाम – पायल यदु (**PAYAL YADU**) दर्ज है, जो कि त्रुटिवश गलत हैं

4. यह कि, मेरे पुत्र की माता का सही नाम– बीटा यदु (**BITA YADU**) है, जो कि सत्य एवं सही है।

5. यह कि उक्त जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज मेरे पुत्र की माता का गलत नाम –पायल यदु (**PAYAL YADU**) को सुधारकर सही नाम– बीटा यदु (**BITA YADU**) दर्ज किया जावें, जिस हेतु यह शपथपत्र सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत है।

सत्यापन :–

मैं शपथकर्ता यह सत्यापित करता हूँ कि उपरोक्त शपथपत्र की कंडिका क्रमांक 1 से 5 तक में वर्णित सभी तथ्य सही एवं सत्य है अत: मैने आज दिनांक को स्वयं के हस्ताक्षर कर स्थान रायपुर में सत्यापित कर दिया।

दिनांक : 25.05.2026

शपथकर्ता
देवेन्द्र कुमार यदु

शपथ पत्र

मैं शपथकर्ती श्रीमती राम बाई धुर्वे पति श्री तेतराम धुर्वे निवासी– राजातालाब रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. की रहने वाली हूं, जो कि नीचे लिखे अनुसार हलफिया ब्यान आपके समक्ष प्रस्तुत करती हूँ कि :–

01 यह कि मेरा नाम एवं पता उपरोक्तानुसार सत्य एवं सही हैं।

02. यह कि मेरे नाम की सम्पत्ति वाके मौजा ग्राम जरवाय उर्फ हीरापुर रायपुर में स्थित भूमि आवासीय एवं मिश्रित भूमि जिसका खसरा नंबर 239/30 का मूल बैनामा पंजीयन रजिस्ट्री भूमि की मालिक व स्वामी हूं।

03– यह कि मेरी उक्त सम्पत्ति का मूल बनामा पंजीयन रजिस्ट्री पेपर दिनांक 17.04.2026 को कबीर नगर से आटो से उतरते समय मूल रजिस्ट्री पेपर गुम हो गया है। जिसे मैंने काफी खोजी लेकिन प्राप्त नहीं हुई है।

04. यह कि मेरी उक्त सम्पत्ति का मूल बैनामा पंजीयन रजिस्ट्री पेपर किसी भी व्यक्ति को दस्तावेज प्राप्त होने पर मेरे मोबाईल नंबर 6268466955 पर मुझे सूचित करने हेतु मेरे द्वारा आम सूचना प्रकाशन हेतु शपथ पत्र प्रस्तुत कर रही हूँ।

सत्यापन :–

मैं शपथकर्ती आज सत्यापित करती हूँ कि उक्त शपथ पत्र में उल्लेखित सभी तथ्य मेरे स्वयं के ज्ञान तथा विश्वास के अनुसार सत्य एवं सही हैं आज मुकाम रायपुर छ.ग. में अपना हस्ताक्षर कर सत्यापित कर दिया।

दिनांक:– 25.05.2026

शपथकर्ती
राम बाई धुर्वे

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला- रायपुर (छ.ग.)
ईश्तहार

राजस्व प्रकरण क्रमांक–....ब/121
ग्राम– बोरिद

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक हरखराम ध्रुव पिता श्री अशोक ध्रुव ग्राम बोरिद तहसील आरंग, द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर अपने पुत्र जयप्रकाश ध्रुव के जन्म दिनांक 09/06/2020 है, का पंजीयन कराने हेतु पंजीयक जन्म को आदेश जारी करने मांग किया है, ताकि जन्म का प्रमाण पत्र आवेदक को प्राप्त हो सके।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति का दावा/आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनांक 28.05.2026 तक आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 13/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर — तहसीलदार, आरंग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला- रायपुर (छ.ग.)
ईश्तहार

राजस्व प्रकरण क्रमांक–....ब/121
ग्राम– बोरिद

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक हरखराम ध्रुव पिता श्री अशोक ध्रुव ग्राम बोरिद तहसील आरंग, द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर अपने पुत्री वंशिका ध्रुव के जन्म दिनांक 31/10/2023 है, का पंजीयन कराने हेतु पंजीयक जन्म को आदेश जारी करने मांग किया है, ताकि जन्म का प्रमाण पत्र आवेदक को प्राप्त हो सके।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति का दावा/आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनांक 28.05.2026 तक आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 13/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर — तहसीलदार, आरंग (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)
–: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर :–
ई–मेल:– rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 31312/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 26/05/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 31312
वार्ड का नाम - 49 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 49 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR445Q00116** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **Suwarna koltey** पिता/पति श्री/श्रीमती **Sunil koltey** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **Anita Pandey** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/o late. sudhakar pandey** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)
–: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर :–
ई–मेल:– rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 31439/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 26/05/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 31439
वार्ड का नाम - 49 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 49 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR445L00160** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KULANJAN TANDI** पिता/पति श्री/श्रीमती **NANKI TANDI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती श्री परमानंद नायक पिता/पति श्री/श्रीमती पिता श्री नरहरी नायक ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ शपथ पत्र, आधार टैक्स, शपथ पत्र, सहमति पत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)
–: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर :–
ई–मेल:– rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 31317/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 26/05/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 31317
वार्ड का नाम - 49 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 49 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR445R00236** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **Heitesh kumar yadav** पिता/पति श्री/श्रीमती **Sukhu prasad** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती श्रीमती रश्मी सिन्हा पिता/पति श्री/श्रीमती पति श्री रंजन सिन्हा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)
–: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर :–
ई–मेल:– rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 31019/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 26/05/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 31019
वार्ड का नाम - 49 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 49 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR445R00235** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **HRITESH KUMAR YADAV** पिता/पति श्री/श्रीमती **SUKHU PRASAD YADAV** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **MR. SANJAY AGRAWAL** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O RAMPHAL AGRAWAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)
–: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर :–
ई–मेल:– rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 31315/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 26/05/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 31315
वार्ड का नाम - 49 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 49 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR445R0236A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **Heitesh kumar yadav** पिता/पति श्री/श्रीमती **Sukhu prasad** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती श्रीमती स्मृति शर्मा पिता/पति श्री/श्रीमती सज्जन शर्मा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र –01, सिरपुर भवन व्यवसायिक परिसर कबीर नगर रायपुर (छ.ग.)
ई–मेल–eocghbzone1@gmail.com

आम–सूचना

छत्तीसगढ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कबीर नगर रायपुर में निर्मित दीनदयाल आवास योजना के अतंर्गत, भवनों में से फ्लैट/भवन क्रमांक एल.आई.जी.–23/268 भूतल में श्री विजय शंकर यादव पिता श्री राम विलास यादव को स्ववित्तीय / एकमुश्त आधार पर आबंटित / नामांतरित किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक 14.01.2010 को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी के द्वारा उक्त फ्लैट/भवन के विक्रय हेतु दिनांक 10.02.2026 को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर उक्त फ्लैट / भवन 1. सुश्री खुशी कुमारी पिता श्री मिथिलेश कुमार सिंह 2. श्री मिथिलेश कुमार सिंह पिता श्री झुलन सिंह सिंह के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की हैं।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जावेंगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र–01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र –02, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.)
फोन नं.– 0771–4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com
GST No. 22AAECA9783D2ZP

आम–सूचना

सर्व–साधारण को सूचित किया जाता है कि सामान्य आवास योजनांतर्गत शंकर नगर सरहद फेस–II, रायपुर में स्थित जुनियर एम.आई.जी. फ्लैट क्रमांक–203, ब्लॉक–01, द्वितीय तल, श्री बिरंची नारायण मिश्रा पिता श्री बैकुण्ठनाथ मिश्रा के नाम से आबंटित है, आबंटी द्वारा उक्त फ्लैट की लीजडीड दिनांक 28/10/2016 पंजीकृत कराने के उपरांत फ्लैट की पूर्ण राशि जमा कर आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है, वर्तमान में आबंटी श्री बिरंची नारायण मिश्रा पिता श्री बैकुण्ठनाथ मिश्रा निवासी ए–3/302, फार्चुन सिग्नेचर बवाडिकला भोपाल (छ.ग.) के द्वारा उक्त फ्लैट को क्रेता श्रीमती कविता नायक पति श्री किशोर चंद नायक, निवासी– विजय नगर गली नं.–01, नियर अंवति विहार रायपुर (छ.ग.) के नाम से विक्रय करने के लिये इस कार्यालय में अपना आवेदन एवं विक्रय इकरारनामा, शपथ पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर अनापत्ति प्रमाण पत्र (**NOC**) की मांग की गई है।

अत: उक्त फ्लैट के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छ.ग. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र–2,
शंकर नगर रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला- रायपुर (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202605112500011 / अ–6/ वर्ष 2025–26
ग्राम गोइंदा प.ह.नं.– 36

एतद् द्वारा ग्रामवासी एवं सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, आवेदक सुदर्शन निषाद पिता स्व. राजाराम निषाद निवासी ग्राम गोइंदा तहसील आरंग जिला रायपुर छ.ग. द्वारा (क्र. 02) ग्राम गोइंदा प.ह.नं. 36 रा.नि.मं. भिलाई तहसील आरंग स्थित भूमि खसरा नंबर 543/1 रकबा 0.0700 हे. भूमि खातेदार सुदर्शन निषाद पिता स्व. राजाराम निषाद के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज भूमि लेखनं निषाद– पिता स्व. राजाराम के नाम पर पंजीकृत बैनामा निष्पादित किया गया है।

(क्र. 01) ग्राम गोइंदा प.ह.नं. 36 रा.नि.मं. भिलाई तहसील आरंग स्थित भूमि खसरा नंबर 560 का भाग रकबा 0.0600 हे. भूमि खातेदार लेखन निषाद पिता स्व. राजाराम निषाद के नाम पर राजस्व अभिलेख मे दर्ज भूमि सुदर्शन निषाद पिता स्व. राजाराम निषाद के नाम पर पंजीकृत बैनामा निष्पादित किया गया है। आवेदक द्वारा तबादला नामा के आधार पर आवेदित भूमि पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किये जाने पर प्रकरण भूईया से दर्ज होकर इस न्यायालय में प्रकरण प्रारंभ किया गया।

अत: एव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनाँक 08.06.2026 तक स्वंय या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनाँक 20.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर — तहसीलदार, आरंग (छ.ग.)

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, बुधवार, 27 मई 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

मानसून पूर्व तैयारियां तेज, मुख्य सचिव ने ली बाढ़ नियंत्रण हाई पावर कमेटी की बैठक

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

आगामी मानसून के दौरान प्राकृतिक आपदाओं, विशेषकर बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए राज्य शासन के विभिन्न विभागों द्वारा की गई तैयारियों की गहन समीक्षा की गई। राहत शिविरों के प्रबंधन से लेकर आपदा प्रबंधन से जुड़े सभी आवश्यक पहलुओं पर व्यापक रणनीति तैयार की गई। छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में आज मंत्रालय (महानदी भवन) में राज्य स्तरीय उच्च स्तरीय बाढ़ नियंत्रण समिति की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई।

मुख्य सचिव ने राज्य के सभी जिला कलेक्टर्स एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्षों को मानसून 2026 के मद्देनजर सुरक्षा और राहत व्यवस्था चुस्त–दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं। सभी कलेक्टर्स को आगामी 1 जून से प्रतिदिन वर्षा की स्थिति और उससे होने वाली संभावित क्षति की जानकारी अनिवार्य रूप से शासन को भेजनी होगी। प्रत्येक जिले में बाढ़ नियंत्रण के लिए विशेष नोडल अधिकारियों की नियुक्ति तत्काल पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

राज्य और जिला स्तर पर बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित

बैठक में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में जून माह में मानसून के सक्रिय होने की संभावना है। आपदा के समय त्वरित सहायता और समन्वय के लिए राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) क्रियाशील कर दिया गया है। महत्वपूर्ण संपर्क सूत्र (स्टेट कंट्रोल रूम) राज्य स्तर पर दूरभाष क्रमांक 0771–2223471, 0771–2221242 ओर फैक्स क्रमांक 0771–2223472 इसके साथ ही सभी जिला मुख्यालयों में भी जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किए जा चुके हैं। बैठक में मुख्य सचिव ने बाढ़ और अतिवृष्टि की स्थिति में जनहानि को शून्य रखने के लिए विभागों को उनकी जिम्मेदारी दी है।

खाद्य, स्वास्थ्य एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग

पहुंचविहीन और संवेदनशील क्षेत्रों में राशन, नमक, केरोसिन और जीवन रक्षक दवाओं का अग्रिम भंडारण अभी से सुनिश्चित किया जाए। बाढ़ संभावित क्षेत्रों के लिए विशेष चिकित्सा दलों का गठन किया जाए। ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में पेयजल स्त्रोतों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने और ब्लीचिंग पाउडर की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

सड़क दुर्घटनाएं नहीं हों, इसके लिए हर जरूरी कदम उठाएं - मुख्य सचिव विकासशील

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्य सचिव श्री विकासशील ने विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि प्रदेश में सड़क दुर्घटनाएं रोकने के लिए सभी समुचित और ठोस कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। मुख्य सचिव आज मंत्रालय में सड़क सुरक्षा को लेकर आयोजित बैठक में अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। मुख्य सचिव ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं के लिए चिन्हित ब्लैक स्पॉट की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और वहां आवश्यक सुधार कार्य तत्काल किए जाएं। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय से सड़कों की स्थिति सुधारने के निर्देश दिए ताकि हादसों की आशंका खत्म हो सके। बैठक में राज्य सड़क सुरक्षा कोष, माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा फलोदी एवं रंगा रेड्डी सड़क दुर्घटना मामलों में दिए गए दिशा–निर्देशों के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। साथ ही पीएम राहत योजना और पीएम ई–ड्राईव योजना की प्रगति की जानकारी ली गई। मुख्य सचिव ने सर्वोच्च न्यायालय की कमेटी ऑन रोड सेफ्टी के निर्देशों का शत–प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने को कहा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी सड़क दुर्घटना रेस्क्यू से संबंधित एसओपी के क्रियान्वयन की भी समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने पीएम ई–ड्राइव योजना के अंतर्गत ई–वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन की स्थापना में तेजी लाने को कहा। उन्होंने परिवहन विभाग को निर्धारित स्थलों पर तत्काल ई–चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने बताया कि प्रदेश में अब तक 150 स्थानों पर ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जा चुके हैं। इन स्टेशनों पर पीएम ई–ड्राइव योजना के तहत सब्सिडी भी दी जाती है।

मानव सेवा को समर्पित दंपति को पद्मश्री मिलने पर वित्त मंत्री चौधरी ने दी शुभकामनाएं

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने बस्तर के दूरस्थ और नक्सल प्रभावित आदिवासी अंचलों में चार दशकों से अधिक समय तक नि:स्वार्थ भाव से सेवा कार्य करने वाले डॉ. रामचंद्र गोडबोले एवं श्रीमती सुनीता गोडबोले को पद्मश्री 2026 सम्मान से अलंकृत होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि यह सम्मान केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि मानव सेवा, समर्पण और करुणा की उस भावना का सम्मान है, जिसने हजारों आदिवासी परिवारों के जीवन में आशा की नई किरण जगाई है। उन्होंने कहा कि डॉ. रामचंद्र गोडबोले और श्रीमती सुनीता गोडबोले ने बस्तर जैसे दुर्गम और चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने का कार्य किया, जहां वर्षों तक मूलभूत चिकित्सा सेवाएं भी कुपोषण से लड़ाई और बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए इस दंपति ने अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया।

सीएम साय के नेतृत्व में बन रहा हाई-टेक उद्योगों का नया केंद्र

छत्तीसगढ़ में सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण के नए दौर की शुरुआत

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ ने औद्योगिक विकास की दिशा में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। नवा रायपुर में दूसरे विशेष आर्थिक क्षेत्र को मंजूरी मिल गई है। पॉलीमेटेक इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड को नवा रायपुर में 10.13 हेक्टेयर क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इंजीनियरिंग आधारित एसईजेड स्थापित करने की स्वीकृति मिली है, जहां सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों का निर्माण किया जाएगा। यह परियोजना इसलिए खास है क्योंकि इसके जरिए छत्तीसगढ़ में पहला सेमीकंडक्टर निर्माण संयंत्र स्थापित होगा। इसके साथ ही राज्य तकनीक आधारित और उच्च मूल्य वाले उद्योगों की नई दुनिया में कदम रखेगा। इससे न केवल औद्योगिक विकास को गति मिलेगी, बल्कि छत्तीसगढ़ तकनीक आधारित निवेश और आधुनिक विनिर्माण का नया केंद्र बनकर उभरेगा। नवा रायपुर में बनने वाला यह विशेष आर्थिक क्षेत्र राज्य के निर्यात को बढ़ावा देने, नए निवेश आकर्षित करने और छत्तीसगढ़ को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स आपूर्ति श्रृंखला से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके साथ ही कौशल विकास, नवाचार और तकनीकी क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर भी बढ़ेंगे।

अनुमान है कि इस परियोजना से अगले पांच वर्षों में 1300 से अधिक रोजगार के अवसर पैदा होंगे। साथ ही राज्य में कुशल युवाओं के लिए हाई–टेक उद्योगों में काम करने के नए रास्ते खुलेंगे और तकनीकी कौशल विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि यह स्वीकृति छत्तीसगढ़ में निवेश और उद्योगों के लिए बन रहे सकारात्मक माहौल का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बेहतर आधारभूत सुविधाएं, पारदर्शी व्यवस्था और निवेश अनुकूल नीतियों के जरिए भविष्य के उद्योगों के लिए मजबूत वातावरण तैयार कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा, ‘‘सेमीकंडक्टर तकनीक भविष्य की जरूरत है। नवा रायपुर में राज्य का पहला सेमीकंडक्टर निर्माण संयंत्र स्थापित होना केवल उद्योग की शुरुआत नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के तकनीकी भविष्य की मजबूत नींव है। इससे युवाओं को बेहतर रोजगार मिलेगा, तकनीकी कौशल बढ़ेगा और राज्य नई औद्योगिक पहचान के साथ आगे बढ़ेगा।’’

छत्तीसगढ़ की औद्योगिक क्षमता को राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिल रही है। भारत सरकार के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) की रैंकिंग 2025 रैंकिंग में छत्तीसगढ़ को स्थलरुद्ध राज्यों की श्रेणी में ‘‘हाई परफॉर्मर’’ माना गया है। यह राज्य की बेहतर लॉजिस्टिक्स व्यवस्था, औद्योगिक संपर्क और निर्यात क्षमता को दर्शाता है। नवा रायपुर का यह नया एसईजेड छत्तीसगढ़ को इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

पद्मश्री सम्मान से अलंकृत गोडबोले दंपति की निस्वार्थ सेवा को सीएम साय ने बताया छत्तीसगढ़ का गौरव

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बस्तर के सुदूर जनजातीय अंचलों में दशकों से नि:स्वार्थ चिकित्सा सेवा और मानवता की मिसाल प्रस्तुत करने वाले डॉ. रामचंद्र गोडबोले एवं श्रीमती सुनीता गोडबोले को पद्मश्री सम्मान से अलंकृत किए जाने पर हर्ष व्यक्त करते हुए इसे समूचे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव और प्रेरणा का विषय बताया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने दी बधाई, कहा – सेवा, समर्पण और संवेदनशीलता राष्ट्र निर्माण का श्रेष्ठ उदाहरण बस्तर के सुदूर वनांचलों में दशकों से स्वास्थ्य सेवा, जागरूकता और मानवता की अलख जगा रहे हैं डॉ. रामचंद्र गोडबोले एवं श्रीमती सुनीता गोडबोले मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी द्वारा गोडबोले दंपति को यह सम्मान प्रदान किया जाना जनसेवा, समर्पण और संवेदनशीलता के मूल्यों को राष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गोडबोले दंपति ने वनवासी कल्याण आश्रम से जुड़कर अपना संपूर्ण जीवन जनजातीय समाज की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। बस्तर के बारसूर जैसे दूरस्थ एवं दुर्गम वनांचल में रहकर उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित लोगों तक नि:शुल्क उपचार, स्वास्थ्य जागरूकता और जनविश्वास का प्रकाश पहुँचाया। कुपोषण मुक्ति, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और ग्रामीण–जनजातीय समाज में स्वास्थ्य के प्रति चेतना विकसित करने में उनका योगदान अत्यंत अनुकरणीय और प्रेरणादायी रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने जिस प्रतिबद्धता के साथ समाज के सबसे दूरस्थ और जरूरतमंद लोगों के बीच कार्य किया, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर डॉ. रामचंद्र गोडबोले एवं श्रीमती सुनीता गोडबोले को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी सेवा भावना समाज में करुणा, दायित्वबोध और राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा को और मजबूत करेगी।

रायपुर नगर पालिक निगम

महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकान्त राठौड़, निगम आयुक्त संबित मिश्रा, वार्ड पार्षदों सहित सभी विभाग के स्टॉल का किया निरीक्षण

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

आज रायपुर नगर पालिक निगम जोन कमांक 8 के अंतर्गत वीर सावरकर नगर वार्ड कमांक 1. पंडित जवाहर लाल नेहरू वार्ड क्रमांक 2, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम वार्ड कमांक 19, रामकृष्ण परमहंस वार्ड कमांक 20. शहीद भगत सिंह वार्ड कमांक 21, माधव राव सप्रे वार्ड क्रमांक 69, संत रविदास वार्ड क्रमांक 70 के लिए सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर जोन क्रमांक 8 क्षेत्र अंतर्गत अगसेन भवन टाटीबंध में लगाया गया।

शिविर की व्यवस्था का प्रत्यक्ष निरीक्षण रायपुर पश्चिम विधायक एवं प्रदेश के पूर्व केबिनेट मन्त्री राजेश मूणत, नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौड, आयुक्त संबित मिश्रा, जोन 8 जोन अध्यक्ष प्रीतम सिंह ठाकुर, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर, पार्षद भगत राम हरवंश, अमन सिंह ठाकुर, महेन्द्र औसर, अर्जुन यादव, पूर्व पार्षद श्रीमती कमलेश वर्मा, वीरेन्द्र देवांगन, अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठौर, रायपुर पश्चिम पुलिस कमीश्नरी एसएसपी राहुल देव शर्मा, नगर निगम रायपुर के अपर आयुक्त विनोद पाण्डेय, जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल, कार्यपालन अभियंता अतुल चोपडा, सहायक अभियंता अमन चंद्राकर, उपअभियंता अबरार खान, लोचन चौहान जोन स्वास्थ्य अधिकारी गोवीं चंद देवांगन सहित विभिन्न 15 से अधिक रायपुर जिले के शासकीय विभागों के सम्बंधित शासकीय कर्मचारियों एवं आमजनों की उपस्थिति में किया। रायपुर पश्चिम विधायक एवं प्रदेश के पूर्व केबिनेट मन्त्री राजेश मूणत ने भीषण गर्मी की तपिश के मध्य महापौर श्रीमती मीनल चौबे, सभापति सूर्यकान्त राठौड़, नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा सहित सुशासन तिहार अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर स्थल पर रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 8 सहित विभिन्न शासकीय विभागो द्वारा लगाये गये स्टॉलो की व्यवस्थाओं का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया एवं वहाँ आमजनो से उनकी समस्याओं और मांगों को लेकर चर्चा कर जानकारी ली। रायपुर पश्चिम विधायक ने समीक्षा कर सम्बंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को सख्त निर्देश स्टालों में दिये। रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने अधिकारियों को सुशासन तिहार के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की राज्य सरकार के निर्देश पर प्रशासनिक आयोगन में जनहित में अपने प्रशासनिक दायित्वो का अच्छी तरह निर्वहन करने का संकल्प लेने की सभी नगर निगम एवं शासकीय अधिकारियों से अपील की। पश्चिम विधायक ने कहा कि नगर निगम के जोन कमिश्नरो को संकल्प लेना चाहिए कि जोन क्षेत्र में अब कोई भी अतिक्रमण नहीं होने दिया है। इसी प्रकार का संकल्प अपने प्रशासनिक दायित्व को अच्छी तरह पूर्ण करने शासकीय अधिकारी लेवे।

विधायक ने केवल भूमिपूजन किया, कहीं भी कोई विकास कार्य नहीं किया, जबकि मोतीलाल साहू रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के विकास पुरुष हैं- महापौर मीनल चौबे

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

आज रात्रि नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीबल चौबे ने रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 9 अंतर्गत कुशभाऊ ठाकरे वार्ड क्रमांक 7, डॉ भीम राव अम्बेडकर वार्ड क्रमांक 11 और महर्षि वाल्मीकि वार्ड क्रमांक 32 के क्षेत्र में लगभग 2 करोड़ रूपये से अधिक की लागत से नए विकास कार्यों का भूमिपूजन रायपुर ग्रामीण विधायक प्रतिनिधि श्री मैकमिलन साहू सहित ,लोक कर्म विभाग अध्यक्ष श्री दीपक जायसवाल, एमआईसी सदस्य वार्ड 7 के पार्षद श्री खेम कुमार सेन, वार्ड 32 पार्षद श्रीमती प्रभा मनोज विश्वकर्मा, वार्ड 11 पार्षद श्री मोहन साहू, सामाजिक कार्यकर्त्ता श्री रविन्द्र सिंह ठाकुर, कालीबाड़ी समिति अध्यक्ष श्री अशोक घोष, नगर निगम जोन 9 जोन कमिश्नर श्री राकेश शर्मा, कार्यपालन अभियंता श्री शरद ध्रुव, सहायक अभियंता श्री सैयद जोहेब सहित वार्डवासी गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं,वरिष्ठ नागरिकों महिलाओं, नवयुवकों, आमजनों की बड़ी संख्या में उपस्थिति के मध्य जोन 9 अंतर्गत वार्ड 7 में 1 करोड़ 16 लाख रूपये (मोवा से दलदलसिवनी मुख्य मार्ग में नई स्ट्रीट लाईट व्यवस्था देने इनमें से 71 लाख रूपये की स्वीकृति से प्रकाश व्यवस्था कायम कर अंधकार की समस्या को दूर करने, 32 के क्षेत्र में श्रीफल फोड़कर और कुदाल चलाकर भूमिपूजन करते हुए नागरिकों को एकमुश्त 2 करोड़ रूपये से अधिक की स्वीकृत लागत से नए विकास कार्य शीघ्र करवाने अनुपम सौगात दी है.

नगर निगम जोन 8 क्षेत्र में उद्यान परिसर में आरआरआर सेंटर नये स्वरूप में प्रारंभ

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

आज से स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान 2025–26 अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम जोन कमांक 8 क्षेत्र के अंतर्गत शहीद भगत सिंह वार्ड क्रमांक 21 अंतर्गत एम्स अस्पताल टाटीबंध के सामने नगर निगम उद्यान परिसर में आरआरआर सेंटर नये स्वरूप में प्रारंभ हो गया। वहां पहुंचकर नगर निगम के जोन 8 के आरआरआर सेंटर का नये स्वरूप में लोकार्पण कर शुभारंभ रायपुर पश्चिम विधायक एवं प्रदेश के पूर्व केबिनेट मंत्री राजेश मूणत ने नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे सहित नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष एवं शहीद भगत सिंह वार्ड पार्षद श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर, नगर निगम अपर आयुक्त स्वास्थ्य विनोद पाण्डेय, जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल, कार्यपालन अभियंता अतुल चोपडा, स्वच्छ भारत मिशन नोडल अधिकारी कार्यपालन अभियंता योगेश कडु, सहायक अभियंता अनुराग पाटकर, अमन चंद्राकर, उपअभियंता लोचन चौहान, श्रीमती कृष्णा राठी, संस्कार शर्मा, मां शीतला महिला स्वसहायता समूह की पदाधिकारी महिलाओं, आमजनों की उपस्थिति में करते हुए शानदार वाले आरआरआर सेंटर में नगर निगम रायपुर द्वारा एक वाहन निगम जोन 8 के अंतर्गत आने वाले सभी 7 वार्डो में जाकर वहां से लोगो के घरो, दुकानों से अनुपयोगी वस्तुएं संग्रह करके लाने का कार्य करेगा(।

वित्त आयोग मद अंतर्गत स्वीकृत नाली एवं सड़क चौड़ीकरण विकास कार्य मे 17 बाधित संरचनाएँ हटाई

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

आज रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर नगर निगम जोन 1 जोन कमिश्नर अंशुल शर्मा सीनियर के मार्गनिर्देशन में कार्यपालन अभियंता द्रोनी कुमार पैकरा, सहायक अभियंता शरद देशमुख, शैलेन्द्र पटेल, उप अभियंता श्रीमती अर्जिता दीवान, श्रीमती अंकिता सोनवर्षा, इम्तियाज अहमद एवं अन्य सम्बंधित निगम जोन 1 नगर निवेश विभाग के सम्बंधित कर्मचारियों की उपस्थिति में नगर निवेश विभाग की टीम द्वारा जोन 1 क्षेत्र अंतर्गत गोगांव अंडरब्रिज से गोगांव पानी टंकी तक 15वें वित्त आयोग मद अंतर्गत स्वीकृत नाली और सड़क चौडीकरण के विकास कार्य में बाधित लगभग 17 बाधित संरचनाएँ दीवार, पाटा, सीढ़ी, ठेला, गुमटी आदि को हटाया गया और विकास कार्य की बाधा दूर की गयी.

लेख समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित हेतु संपर्क करे : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, बुधवार, 27 मई 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

सम्पादकीय

एक और मिल्खा सिंह

एक प्रेरक कहावत है कि सुबह जिसकी हुई, सचमुच वो सारी रात नहीं सोया होगा। आज जब हम पंजाब के पुत्र गुरिंदरवीर सिंह की रिकॉर्ड तोड़ कामयाबी की बात कर रहे हैं तो हमें इस मुकाम तक पहुंचने के उसके संघर्ष को भी याद करना चाहिए। कोई भी कामयाबी रातों-रात नहीं मिलती। महज 10.09 सेकंड में सौ मीटर की रेस पूरी करने वाले गुरिंदरवीर सिंह ने, निस्संदेह नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर देशवासियों को गर्व करने का मौका दिया है। निर्विवाद रूप से उनके भारत के सबसे तेज धावक बनने की कहानी महज चंद घड़ियों की बदौलत नहीं नापी जा सकती। गांव की धूल से भरी सड़कों में उनका अभ्यास, प्रशिक्षण मैदानों में पसीने के साथ थका देने वाला सफर और संसाधन के अभावों से जूझकर ही वे इस मुकाम तक पहुंचे हैं। वहीं इस कामयाबी में उनके परिवार का खामोश त्याग भी शामिल है, जो उनकी कामयाबी के बाद ही सुर्खियों में नजर आ पाया है। जालंधर के निकट स्थित पटियाल गांव के स्प्रिंट किंग गुरिंदरवीर सिंह ने रांची में फेडरेशन कप में जब सौ मीटर की दौड़ 10.09 सेकेंड में पूरी की तो इस मुकाम तक पहुंचने वाले वे पहले भारतीय थे। एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बना। इस इतिहास को रचकर गुरिंदरवीर सिंह देश के सर्वश्रेष्ठ एथलीटों में शामिल हो गए हैं। इस सफलता का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि इस कामयाबी के बाद वे स्वत: ही राष्ट्रमंडल खेलों में खेलने के हकदार हो गए हैं। उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में एक और पदक जीतने की उम्मीद फिर से जगा दी है। उल्लेखनीय है कि स्प्रिंट किंग गुरिंदरवीर का सौ मीटर की दौड़ पूरी करने का यह समय इस सीजन में एशिया का दूसरा सबसे तेज समय है। वे जापान के फुकुतो कोमुरो से महज .01 सेकेंड ही पीछे रहे हैं। विश्वास करना चाहिए कि भविष्य में गुरिंदरवीर सिंह नये मुकाम हासिल करेंगे।

यह विरोधाभास ही है कि जब कोई खिलाड़ी रिकॉर्ड कामयाबी हासिल करता है तो हम उसे पलक-पावड़ों पर बैठा देते हैं। मान-सम्मान और पुरस्कार देते हैं। लेकिन यदि छोटी उम्र में ही प्रतिभा को पहचान करके उसे पर्याप्त संसाधन व प्रशिक्षण प्रदान करें तो देश में कई गुरिंदरवीर तैयार हो सकते हैं। गुरिंदरवीर सिंह की इस कामयाबी के पीछे कई प्रेरणादायक कहानियां भी निहित हैं। उनका मानवीय पहलू हमारे समाज की सकारात्मक ऊर्जा को दर्शाता है। उनके पिता ने अपने बेटे को दौड़ के अभ्यास हेतु भेजने के लिये किश्तों में एक पुराना स्कूटर खरीदा था। जो बताता है कि एक तरफ क्रिकेट खिलाड़ियों पर लाखों-करोड़ों वारे जाते हैं तो दूसरी ओर परंपरागत खेलों से जुड़े खिलाड़ियों का संघर्ष कितना बड़ा है। वहीं गुरिंदरवीर सिंह को तराशने-निखारने की यात्रा में भारतीय नौसेना के योगदान को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। जिसने गुरिंदरवीर सिंह को ट्रैक पर उत्कृष्ट सफलता हासिल करने हेतु संबल दिया। निस्संदेह, गांव-कस्बों से निकलने वाली प्रतिभाओं की कामयाबी के पीछे सीमित संसाधनों वाले माता-पिता के दृढ़ संकल्प और त्याग की कहानी छिपी रहती है। गुरिंदरवीर सिंह जैसे राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने वाले खिलाड़ी के पीछे एक परिवार शिद्दत के साथ खड़ा होता है, जो उसके सुनहरे भविष्य के लिये अपनी सुख-सुविधा, बचत व आर्थिक सुरक्षा तक त्याग कर देता है। गुरिंदरवीर सिंह के दिल में गांव और साधारण परिवारों में पले-बढ़े बच्चों के संघर्ष के प्रति खासा सम्मान है।

एआई का जनजातीय भाषाओं में संवाद : समावेशी विकास का द्योतक

रंजना चोपड़ा
(भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय की सचिव)

हमारे देश भर में फैले जंगलों, पहाड़ियों और दूरदराज की बस्तियों में, एक शांत लेकिन सफल परिवर्तन चल रहा है। जनजातीय समुदाय लंबे समय से भारत की विकास गाथा के केंद्र में अपने उचित स्थान का इंतजार कर रहे थे। आज वे राष्ट्र की प्रगति के सक्रिय वास्तुकार के रूप में उभर रहे हैं। जनजातीय गरिमा उत्सव की यही भावना है: विकसित भारत की यात्रा का एक राष्ट्रीय उत्सव, जहां प्रगति भूगोल या परिस्थिति का विशेषाधिकार नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का समान रूप से अधिकार है।

महत्वाकांक्षा का पैमाना

यह समझने के लिए कि प्रौद्योगिकी जनजातीय विकास के लिए अपरिहार्य क्यों हो गई है, किसी को पहले चुनौती की व्यापकता को समझना चाहिए। प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन), धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीएजेजीयूए), राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन और संबंधित पहलों में 549 जिलों और 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 2,911 ब्लॉकों के 63,000 से अधिक गांवों को शामिल किया गया है, जिससे 5.5 करोड़ से अधिक आदिवासी नागरिक लाभान्वित हुए हैं। विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) पर विशेष ध्यान देने के साथ, इन प्रयासों का उद्देश्य आवास, पेयजल, स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, कनेक्टिविटी और आजीविका जैसी आवश्यक सेवाओं का सम्पूर्ण कवरेज सुनिश्चित करना है। इस तरह के विविध और विस्तृत इलाके में हर परिवार तक पहुंचने के लिए ऐसी प्रणाली की आवश्यकता होती है जो डेटा-संचालित, कनेक्टेड और उत्तरदायी होती है और यही हम तैयार कर रहे हैं। इस वर्ष जनजातीय गरिमा उत्सव का आयोजन लगभग चार विषयगत सप्ताह के आसपास किया जा रहा है, जो एक साथ जनजातीय विकास के पूर्ण आयाम को दर्शाते हैं। उद्घाटन का विषय, 'विकास के एक वाहक के रूप में प्रौद्योगिकी', इस बात को दर्शाता है कि कैसे डिजिटल सिस्टम, विज्ञान और नवाचार भारत के कुछ दूरस्थ समुदायों तक शासन और अवसर का विस्तार करने में मदद कर रहे हैं। इस दृष्टिकोण के केंद्र में एक सरल सिद्धांत निहित है: जनजातीय भाषाओं, संस्कृतियों, विरासत और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों का पर्याप्त सम्मान करते हुए विकास को अंतिम दूरी तक पहुंचना चाहिए।

प्रौद्योगिकी द्वारा जनजातीय गरिमा को बढ़ावा : उद्देश्य के साथ निर्देशित होने पर प्रौद्योगिकी क्या हासिल कर सकती है, इसका सबसे ज्वलंत उदाहरण बिरसा 101 यानी सिकल सेल रोग के लिए भारत की पहली स्वदेशी सीआरआईएसपीआर-आधारित जीन थेरेपी है। सिकल सेल रोग लंबे समय से जनजातीय आबादी के लिए स्वास्थ्य की एक बड़ी चुनौती पेश कर रहा है और भारत अब समानता और पहुंच में निहित उन्नत विज्ञान के साथ उस चुनौती का जवाब दे रहा है। जनजातीय कार्य मंत्रालय ने वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), सीएसआईआर-इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी (आईजीआईबी) और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से अनुसंधान, नैदानिक परीक्षण इंफ्रास्ट्रक्चर और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण का समर्थन करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है। सीएसआईआर-आईजीआईबी में हाल ही में एक संगोष्ठी में वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं और सिकल सेल योद्धाओं को एक साथ लाया गया, जो वैज्ञानिक प्रगति और प्रयासों के पीछे की मानवीय तात्कालिकता दोनों को दर्शाता है।

साझा लक्ष्य स्पष्ट है : एक किफायती, एकमुश्त उपचारात्मक उपचार विकसित करना जो जरूरतमंद हर आदिवासी परिवार तक पहुंच सके। बीआईआरएसए 101 केवल चिकित्सा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि से भी बढ़कर है। यह एक घोषणा है कि भारत का सबसे उन्नत विज्ञान अपने सबसे पात्र समुदायों की सेवा करेगा। यह दृढ़ विश्वास एक पहल से कहीं अधिक गहरा है। ट्रेडिशनल नॉलेज डिजिटल लाइब्रेरी (टीकेडीएल) और आयुर्जेनोमिक्स जैसे प्रयास दर्शाते हैं कि कैसे आधुनिक तकनीक आदिवासी समुदायों द्वारा लंबे समय से संरक्षित समृद्ध औषधीय और पारिस्थितिक ज्ञान के दस्तावेजीकरण, मान्यीकरण और संरक्षण में मदद कर सकती है। समावेशन की यही भावना इस बात को आकार दे रही है कि कैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता को जनजातीय विकास के साथ जोड़ा जा रहा है। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में, मंत्रालय ने एक सरल लेकिन दृढ विश्वास पर आधारित एआई-सक्षम प्लेटफार्मों की श्रृंखला प्रस्तुत की, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया कि भाषा एक बाधा नहीं है जिसे दूर किया जाना है, बल्कि एक पहचान है जिसका उत्सव मनाया जाना चाहिए। आदि वाणी, जनजातीय भाषाओं के लिए एआई-संचालित अनुवादक, टेक्स्ट-टू-टेक्स्ट और टेक्स्ट-टू-स्पीच अनुवाद, ओसीआर और आदिवासी भाषाओं में सरकारी योजना की जानकारी के वितरण का समर्थन करता है, जिससे नागरिकों को घर पर बोलने वाली भाषा में सार्वजनिक सेवाओं से जुड़ने में सक्षम बनाया जाता है। ट्राइबॉट एक बहुभाषी संवादी एआई सहायक है, जो दूरदराज के क्षेत्रों में नागरिकों को तत्क्षण मार्गदर्शन और शिकायत निपटारे में सहायता प्रदान करके इस प्रयास को और मजबूत करता है। भगवान बिरसा मुंडा सेल और आईआईटी दिल्ली के साथ आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान भी इन प्रयासों पर चर्चा की गई, जो जनजातीय भाषाओं के दीर्घकालिक संरक्षण और सुदृढ़ीकरण सहित एआई के सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील और समुदाय-केंद्रित इस्तेमाल पर केंद्रित थी। प्रौद्योगिकी सांस्कृतिक अभिकथन और आर्थिक सशक्तिकरण का एक शक्तिशाली माध्यम भी बन रही है। आगामी ट्राइबएक्स प्लेटफॉर्म का उद्देश्य जनजातीय कलाओं, भाषाओं, पारंपरिक ज्ञान, संगीत, शिल्प और सांस्कृतिक अनुभवों को बढ़ावा देने के लिए एक डिजिटल इकोसिस्टम बनाना है। इस प्रयास को पूरा करते हुए, जनजातीय भारत का प्रस्तावित जीआई संभावित कला और शिल्प एटलस भौगोलिक संकेत क्षमता के साथ जनजातीय हस्तशिल्प, वन उत्पादों और पारंपरिक कला रूपों का डिजिटल रूप से मानचित्रण करेगा, जिससे ब्रांडिंग, बाजार पहुंच और जनजातीय बौद्धिक विरासत की पहचान को मजबूत करने में मदद मिलेगी। पायलट आधार पर पांच राज्यों के जनजातीय अनुसंधान संस्थानों में इनोवेशन हब की योजना बनाई गई है, जो नवाचार के नेतृत्व वाले आदिवासी उद्यमियों और स्टार्टअप के लिए डिजाइन और उत्पाद विकास सहायता, जीआईएस-आधारित योजना डैशबोर्ड और इनक्यूबेशन इंफ्रास्ट्रक्चर को जोड़कर और आगे बढ़ेंगे।

प्रौद्योगिकी जनजातीय समुदायों तक शासन के तरीके को समान रूप से बदल रही है। पीवीटीजी घरेलू सर्वेक्षणों के लिए पीएम-जनमन के तहत सर्वेक्षण सेतु दूरदराज के क्षेत्रों में कल्याण वितरण की तत्क्षण, जियो-टैग निगरानी को सक्षम बनाता है। 18 राज्यों और 1 केंद्र शासित प्रदेश में संचालित, इस प्लेटफॉर्म ने 8,552 सर्वेक्षणकर्ताओं के समर्थन के साथ पहले ही 3.43 लाख घरेलू प्रस्तुतियां दर्ज की हैं। इस तरह की डेटा-संचालित प्रणालियां यह सुनिश्चित करने में मदद करती हैं कि प्रत्येक पात्र परिवार की पहचान की जाए और उसे आवश्यक सेवाओं से जोड़ा जाए। इसके साथ ही मंत्रालय दावा प्रस्तुतीकरण, जीआईएस-आधारित मानचित्रण, वर्कफ्लो की निगरानी और शिकायत निवारण को सुव्यवस्थित करने के लिए एक एआई-सक्षम वन अधिकार अधिनियम शासन मंच विकसित कर रहा है। साथ में, ये पहल आदिवासी नागरिकों के लिए शासन को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और सुलभ बना रही हैं।

जनजातीय समुदाय: विकसित भारत के वाहक : एक क्षण ऐसा होता है, जो उस सार को पकड़ लेता है, जिसके लिए हम काम कर रहे होते हैं। यह किसी नीतिगत दस्तावेज या मंत्रिस्तरीय समीक्षा में नहीं पाया जाता है। यह तब पाया जाता है जब दूरदराज की बस्ती की एक आदिवासी महिला, तकनीक से, भाषा से सशक्त होती है और उसे इस बात का अहसास होता हो कि उसकी बात को राष्ट्र सुन रहा है। ऐसे में वह अपनी शर्तों पर सरकारी सेवाओं से जुड़ती है और पूरी गरिमा के साथ जवाब प्राप्त करती है। वह क्षण किसी यात्रा का अंत नहीं है। यह भारत की राष्ट्रीय गाथा में एक नए अध्याय की शुरुआत है। जनजातीय गरिमा उत्सव इस संदेश को गर्व के साथ ले जाता है। जनजातीय समुदाय, अपनी दृढता, अपने पारिस्थितिक ज्ञान, अपनी कलात्मक परंपराओं और इस भूमि में अपनी गहरी जड़ों के साथ, विकसित भारत की दहलीज पर इंतजार नहीं कर रहे हैं, बल्कि वे इसके सबसे शक्तिशाली और प्रेरक वाहकों में शामिल हैं। जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी दूरियों को पाटती है, जैसे-जैसे विज्ञान उपचार प्रदान करता है, जैसा कि एआई जंगलों और पहाड़ियों की भाषाओं में बोलता है, और जैसे-जैसे शासन सबसे दूर के गांव के अंतिम परिवार तक पहुंचता है, हम हर दिन भारत के करीब आते हैं जो न केवल व्यापकता के रूप में विकसित है, बल्कि अपनी मानवता में परिपूर्ण है। यह वह विकसित भारत है जिसे हम माननीय प्रधानमंत्री के विजन से प्रेरित होकर एक साथ मिलकर निर्मित कर रहे हैं।

बस्तर यात्रा संस्मरण...छत्तीसगढ़ का सिरमौर पर्यटन स्थल, धूप में छांव जैसा है बस्तर

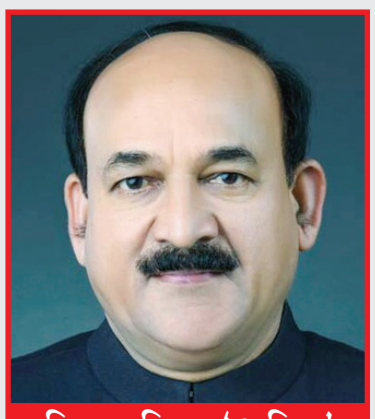

विजय मिश्रा 'अमित'
पूर्व अति.महाप्रबंधक (जनसंपर्क)

जन-जन को भाती है, यह छत्तीसगढ़ की माटी है। छत्तीसगढ़िया सबसे बढ़िया। इस तरह की बातें छत्तीसगढ़ और भारत के बाहर विदेशों में भी अब गूंज रही हैं। छत्तीसगढ़ के लिए यह सिर उठाकर कहने लायक बात है। नवंबर 2001 के पूर्व भारत के मानचित्र पर छत्तीसगढ़ को ढूंढना पड़ता था।आज वही छत्तीसगढ़ अपने युवावस्था को छूते छूते भारत के सिरमौर राज्यों में सुमार हो गया है। दरअसल न्यूनतम समय में अधिकतम काम को छत्तीसगढ़ की सरकार ने साकार कर दिखाया है। छत्तीसगढ़ की धरा में समाहित-सुवासित धर्म-कर्म, प्रकृति-संस्कृति, रीति-रिवाज,परब-परम्पराओं को सहेजने-संवारने का कार्य छत्तीसगढ़ सरकार ने सर्वोच्च प्राथमिकता से किया है,फलस्वरूप भारत का हदयस्थल छत्तीसगढ़ पर्यटकों का गढ़ बनने की ओर तेजी से अग्रसर है। छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों में 'बस्तर' को सिरमौर कह सकते हैं।

आदिवासी बाहुल्य सघन वनांचल

बस्तर बारहों महीना पर्यटकों का स्वागत करने को आतुर दिखता है। प्रकृति से वरदान प्राप्त बस्तर की धरा ग्रीष्म, वर्षा और शीतकाल में अलग-अलग मनमोहक रूपों से अलंकृत होती है। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से बस्तर अंचल की यात्रा को छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन विभाग ने समय- श्रम- और अर्थ की दृष्टि से 'न्यूनतम लगाव अधिकतम पाओ' के स्वरूप में विकसित किया है। इसकी प्रत्यक्ष अनुभूति माह अप्रैल के तीन दिवसीय बस्तर भ्रमण के दौरान हुई।

रोमांच और सौंदर्य का संगम केशकाल घाटी

रायपुर से आरंभ हुई हमारी यात्रा के दौरान केशकाल घाटी के करीब दर्जन भर खतरनाक घुमावदार चढ़ाई वाले रास्ते को पार करना बेहद रोमांचक रहा। वहां पहाड़ियों पर चित्ताकर्षक पेंटिंग की गई है। जिसके कारण सैलानियों का मन भयभीत होने के बजाय आनंद सागर में गोता लगाते रहता है। केशकाल पहाड़ी को पार करने के उपरांत हमने उंची पहाड़ी पर स्थित इको टूरिज्म स्थल 'टाटामारी' का भ्रमण किया। यहां से लगभग पंद्रह किलोमीटर आगे जाने पर ग्राम गढ़ धनोरा के प्राचीन 'गोबरहिन शिव मंदिर' का दर्शन हमने किया। उंचे टीला में ईंटों से निर्मित गर्भगृह में यहां बृहदाकार शिवलिंग स्थापित हैं। धार्मिक -पुरातात्विक दृष्टि से यह अत्यंत ही महत्वपूर्ण स्थल है।

मोहक पड़ाव नथिया नवागांव

यात्रा में हमारा पहला पड़ाव 117 किलोमीटर की दूरी पर जाकर कांकेर -चारामा के मध्य स्थित 'नथिया नवागांव' रहा। वहां राम वन गमन पथ के अंतर्गत पर्यटन विभाग द्वारा खुबसूरत श्रीराम वाटिका निर्मित की गई है। जहां कि घने वृक्षों के बीच प्रभु श्री राम की जीवन गाथा को आकर्षक मूर्तियों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। इसके निकट ही त्रिपुर सुंदरी मंदिर स्थित है। मंदिर के परिसर में सुव्यवस्थित बाग, विविध देवी- देवताओं की प्रतिमाएं मन मस्तिष्क को धार्मिक और प्राकृतिक सुख का आनंद देती हैं। इनका दर्शन लाभ लेकर आंशिक विश्राम और शुद्ध स्वच्छ खानपान हेतु पर्यटन विभाग के हिल मैना हाईवे ट्रीट में हमने उम्दा खान पान का स्वाद लिया।

चित्रकोट जलप्रपात की बात निराली

कोंडागांव धनकुल रिसॉर्ट से हम चित्रकोट जगदलपुर के लिए निकल पड़े। लगभग 75 किलो मीटर का सफर पूर्ण करके चित्रकोट में पर्यटन विभाग के दंडामी रिसॉर्ट पर पावं धरते ही हमारे भीतर नवऊर्जा का संचार हुआ। अपनी गाड़ी खड़ी करके निकट ही बहती इंद्रावती नदी के तट पर हम जा पहुंचे। ग्रीष्म काल में चित्रकोट जलप्रपात की धार पतली हो चली थी,पर पर्यटकों को अविस्मरणीय नौकायन का सुख सहज ही मिल रहा था। नाव पर सवार बच्चे से लेकर बूढ़े तक शीतल फुहारों का स्पर्श और उससे निर्मित इंद्रधनुष का दर्शन पाकर झूम रहे थे। नौकायन के दौरान वहां सभी पर्यटकों को लाईफ जैकेट पहनने की अनिवार्यता होती है,जो कि नि:शुल्क उपलब्ध होती है। ग्रीष्म काल में कम जल भराव वाले सुरक्षित क्षेत्रों में प्रात: एवं संध्या काल स्नान का आनंद भी पर्यटक लेते हुए दिखे। इंद्रावती नदी की तट पर झोपड़ीनुमा दुकान सजाए स्थानीय लोग गरमा गरम पकोड़े,आलु बड़ा, लाल मिर्च, टमाटर की चटनी के साथ बेच रहे थे। जिसका स्वाद हमें भी लाजवाब लगा। विदित हो कि प्राकृतिक रूप से निर्मित जलप्रपात चित्रकोट वर्षा काल में अपने सबाब पर होता है। वहां से सूर्योदय-सूर्यास्त को देखते समय प्रतीत होता है, मानो कोई दक्ष चित्रकार धीरे-धीरे कैनवास पर उसे उकेर रहा है।

कोंडागांव का शिल्प-भीमकाय बरगद से अभिभूत मन : नथिया नवागांव से आगे जाने पर रास्ते में आए शिल्प ग्राम कोंडागांव को भी हम देखते चले। वहां की काष्ठ,धातु,मिट्टी की कलाकारी विश्व प्रसिद्ध है। वर्कशाप में कारीगिरों के द्वारा मेटल को विविध ढांचे में ढालते हुए हमने देखा। यहीं राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे बसे बनिया गांव की धरा पर पैर जमाए छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा, दो सौ वर्ष पुराना विशालकाय बरगद वृक्ष है। उसकी लटकती हुई जटाओं (जड़ों) को पकड़कर झूलते हुए अपने बालपन की मीठी यादों में हम खो गये थे। पूर्व निर्धारित योजना के मुताबिक हमें कोंडागांव में पर्यटन विभाग के 'धनकुल एथनिक रिसॉर्ट' में रात्रि विश्राम करना था। रिसॉर्ट का प्रवेश द्वार बस्तर राजमहल के स्वरूप में भव्य बना हुआ है। यहां रात्रि विश्राम,सहित आहार -विहार बेहद सुकून दाई रहा।आदिवासी संस्कृति को दर्शाता एक संग्रहालय, बस्तर दशहरा के रथ के स्वरूप में बना रेस्टोरेंट यहां आकर्षण का केंद्र है।

लुप्त होते पक्षियों के सुलभ दर्शन : चित्रकोट का दंडामी रिसॉर्ट विविध किस्म के पेड़- पौधों-पक्षियों से भरा-पूरा हुआ है। भोर भय पर्यटकों को मीठी नींद से यहां गौरैया,कोयल,बुलबुल फूलचूहकी (हमिंग बर्ड) कौवा,फाख्ता, कठफोड़वा, दूधराज,आदि अनेक पक्षी अपने कलरव से जगाते हैं। बिस्तर छोड़कर जब पर्यटक कॉटेज से निकल कर सैर करते हुए बगिया में पहुंचते हैं तो वहां फैली हुई हरी कोमल घास पर्यटकों को नंगे पैर चलने -दौड़ने को ललचाती है। आसपास भ्रमण हेतु वहां सायकल भी उपलब्ध है।

दंतेश्वरी देवी-गरूड़ स्तम्भ से मांगे मन्नत : अगली सुबह हम दंडामी रिसॉर्ट से स्वादिष्ट स्वल्पाहार लेकर करीब 84 किलोमीटर की दूरी पर स्थित दंतेवाड़ा पहुंचे। वहां इक्कीस काष्ठ स्तंम्भों पर निर्मित मां दंतेश्वरी देवी के मंदिर को देखते ही लगा जैसे कि केदारनाथ बद्रीनाथ के मंदिर में आ पहुंचे हैं।अत्यंत प्राचीन मंदिर के द्वार पर बने दो विशालकाय सिंह सैलानियों का स्वागत करते हैं। मंदिर प्रांगण में गरुड़ स्तंभ बना हुआ है। ऐसी मान्यता है की स्तम्भ की ओर पीठ करके दोनों हाथों से स्तंभ को जो श्रद्धालु जकड़ लेता है। उसकी मनोकामना पूरी होती है। मंदिर के निकट बहती शंखनी-डंकनी नदियों का संगम, विशालकाय रामभक्त हनुमान की मूर्ति मनमोहक है। मंदिर परिसर में आए जनजाति समुदाय के नर्तकों का दल भी हमने देखा। उनमें पुरुषों के सिर पर गौर का सींग, कंधे पर बड़ा ढोल और महिलाएं पारम्परिक वेशभूषा- आभूषणों से सुसज्जित थीं।

बत्तीसा शिव मंदिर की घूमती जिलहरी : यात्रा का एक खुबसूरत पड़ाव बारसूर भी था। वहां बत्तीस पाषाण स्तंभों पर बने शिवालय 'बत्तीसा मंदिर' के दो गर्भगृह में स्थापित शिवलिंग दर्शन का लाभ मिला। चौंकाने वाली बात यह है कि गर्भ गृह में निर्मित जिलहरी जिस पर भारी-भरकम प्रस्तर निर्मित शिवलिंग विराजमान हैं, उसे गोल गोल घुमाया जा सकता है। इसी मंदिर के आगे जाने पर जुड़वा गणेश मंदिर है,जिसमें से एक प्रतिमा को विश्व में विशालता और वास्तुकला की दृष्टि से बड़ा होने का गौरव प्राप्त है।

धुड़मारास गांव की धमक विश्व पटल पर : यहां से निकल कर हमारी सवारी राष्ट्रीय कांगेर घाटी उद्यान के निकट घने जंगलों के बीच बसे 'धुड़मारास गांव' पहुंची। जिसे कि संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन ने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव की सूची में शामिल किया है। स्थानीय ग्रामीणों की समिति यहां बहती हुई नदी में बांस निर्मित नाव से 'बेम्बू राफ्टिंग, कयाकिंग,के अलावा ट्रेकिंग का

मजा दिलाते हैं। यहां होमस्टे 'धुरवा डेरा' में रुकना अकल्पनीय सुख दे गया। स्थानीय खान-पान का आनंद हमारे सैर सपाटा को द्विगुणीत कर गया। डेरा का बसेरा बोध करा रहा था कि शहर की हवा और सुदूर वनांचल की हवा में कितना फर्क है। स्वच्छ परिवेश ही निरोगी काया को साकार करते हैं। यह बात भी वहां के निवासियों की निरोगी काया आश्वस्त कर रही थी। अगले दिन धुरवाडेरा की सुबह टमाटर की चटनी संग चिला रोटी और गुड़ की चाय का मजा लेकर जब विदा हुए तो मन भावुक हो चला था।डेरा के संचालक मनीष बघेल का छोटा बच्चा गोद से उतरने के लिए तैयार ही नहीं हो रहा था।

कुटुमसर गुफा का घुप्प अंधेरा और अंधी मछली

धुड़मारास गांव से हम कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान प्रवेश द्वार पर पहुंचे। उद्यान के भीतर भ्रमण हेतु पर्यटकों के वाहन प्रवेश की अनुमति नहीं है। गाईड सहित जिप्सी वाहन वहां उपलब्ध होती है। जिसे लेकर सबसे पहले हम कुटुमसर गुफा पहुंचे। बेहद लम्बे गहरे घुप्प अंधकार में डूबे 'कुटुमसर गुफा' के प्रवेश द्वार पर लगी,केवल एक व्यक्ति के चढ़ने उतरने लायक संकरी सीढ़ी के बूते हम एक एक करके भीतर उतरे। बैटरी चलित टॉर्च के माध्यम से गाइड हमें गुफा के अंदर सुरक्षित ले चल रहा था। वातावरण में शीतलता थी। आक्सीजन की कमी अथवा अन्य किसी भी प्रकार परेशानी नहीं हो रही थी। गुफा अंदर से इतनी अधिक चौड़ी है कि बड़ी आसानी रेलगाड़ी के अनेक डिब्बे खड़े हो सकते हैं। गुफा के बारे हमारी जिज्ञासा को शांत करते हुए गाइड ने डॉ. शंकर तिवारी जी ने स्थानीय निवासियों के सहयोग से गुफा की खोज की थी। गुफा की पथरीली छत से रिसते पानी के साथ कैल्शियम से स्वनिर्मित विविध मनोहरी आकृतियां,गुफा के अंदर शिवलिंग तथा जल कुंड में तैरती मछलियों की अद्भुत प्रजाति 'अंधी मछलियों' की जानकारी भी गाइड ने दी।यह सब देखकर आश्चर्य से हमारी आंखें फटी की फटी रह गईं थीं। गाईड के मुताबिक जुलाई से अक्टूबर तक अर्थात वर्षाकाल में कांगेर उद्यान एवं गुफा को बंद रखा जाता है।

उल्लास की धार बहाता तीरथगढ़ जलप्रपात : अंधेरी गुफा से वापस उजाली

महुए की चाय- उदारमना संस्कृति सबको भाए

बस्तर यात्रा के दौरान रास्ते भर महुए की मादक महक से मन मदमस्त बना रहा। बताते चलें कि बस्तर महुए की चाय की चर्चा विश्व पटल पर होने लगी है। रास्ते में गांव के साप्ताहिक बाजार की रौनकता ने भी गजब मोहित किया। वहां विविध सामाग्रियां बेचने बैठी आदिवासी महिलाओं का पारम्परिक साज- श्रृंगार और शालिन व्यवहार बरबस ही वाह वाह कहने को प्रेरित करता है। जर्मन धातु से बने बड़े बड़े मटकों में रखे बस्तर बीयर 'सल्फी' सहित अन्य आदिवासी पारंपरिक खान-पान की चीजों को चखने का अनुभव भी लाजवाब रहा। पर्यटकों ,ग्राहकों को चखने के लिए 'फ्री ऑफ़ कॉस्ट' पलाश, महुवा,के पतों से निर्मित कटोरानुमा दोने में वे पेय पदार्थों यथा-तीखुर, ताड़ी,लंदा,सल्फी को प्रदान करती हैं। देश दुनिया में ऐसी उदारमना संस्कृति शायद कहीं और देखने को नहीं मिलेगी।

दुनिया में लौटकर हमने निकट ही बहती हुई कांगेर नदी की धारा से बने जलप्रपात और फिर कांगेर नदी तथा उसकी सहायक मुनगाबहार नदी से निर्मित तीरथगढ़ जलप्रपात को देखा। लगभग पचास मीटर की उंचाई से झर झर की आवाज करती हुई जलधाराएं यहां नीचे गिरती हैं।जहां कि एक गहरा जलकुंड भी है। वहां तक पहुंचने के लिए काफी सीढ़ियां उतरनी पड़ी, किन्तु थके हुए कदमों और भारी मन को वहां की अनगढ़ पथरीली चट्टानें ,सुरम्य वादियों और शीतल जल के स्पर्श ने पुन: ऊर्जित कर दिया। सैलानियों की भीड़ में ज्यादा उत्साहित,सेल्फी प्रेमियों को सतर्कता बरतने के लिए वहां बारम्बाबार चेतावनी दी जा रही थी। लाल- काले मुंह के बंदर बड़ी संख्या में वहां उछल कूद मचाते हुए सैलानियों के हाथ से खाने पीने चीजें झपटते दिखे।

कांगेर घाटी की जैव विविधता : कांगेर घाटी उद्यान में विविध किस्म के पेड़- पौधे और जीव-जंतुओं को देखने का व्यापक अवसर मिला। गाईड ने मजेदार जानकारी दी कि हाल ही में सबसे छोटे आकार के मेंढक की प्रजाति 'चिरिक्सेलस साईमस' घाटी में पाई गई है।जीव-विज्ञानियों के मुताबिक इक्कीस किस्मों के मेंढक बस्तर की धरा पर मिलें हैं। मेंढक समुदाय टर ...टों टर.. टों की आवाज निकलाते हुए सैलानियों का स्वागत करते हैं।

कलाधानी जगदलपुर का मोहक संसार : कांगेर घाटी से निकल कर हम आदिवासी संस्कृति की कलाधानी जगदलपुर पहुंचे। वहां हमें महाराजा प्रवीर चंद्र भंजदेव के राजमहल में महाराजा के वंशजों के चित्र,सिंहासन और वन्य जीवों के संरक्षित स्वरूप देखने को मिले। हमने जगदलपुर के खुबसूरत दलपत सागर को देखा,जो कि लगभग चार सौ एकड़ में फैला हुआ है। इसके मध्य में टापू पर भूपालेश्वर महादेव का मंदिर है। प्राचीन मुखौटे, वाद्ययंत्र, वस्त्र, शस्त्र दुर्लभ पेंटिंग देखने का सुअवसर मानवशास्त्रीय संग्रहालय में मिला।शहीद उद्यान,जिला पुरातत्व संग्रहालय सहित विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरे का प्रारंभिक संचालन स्थल सीरासार भवन को भी देखे।

बस्तरिया फलों का स्वाद है निराला : अनेक जगहों पर आदिवासी महिलाएं वन फलों- सब्जियों को बेचती हुई दिखी। बस्तर के वन्य फल बारहों महीना अलग-अलग शुद्धता भरा स्वाद देते हैं। शहरों में बिकने वाले ज्यादातर फलों और सब्जियों के बारे में कहा जाता है कि वे रासायनिक खादों और केमिकल द्रव्य इंजेक्ट किए हुए होते हैं। ऐसे दौर में प्राकृतिक रूप से पले- बढ़े- पके बड़े आकार के स्वादिष्ट सीताफल तेंदू, जामुन, कोसम, केला, पपीता,आम,चार आदि मौसमी फलों का आनंद पर्यटकों को अवश्य ही लेना चाहिए। केला, तेंदू ,इमली और खीरा खाने का आनंद हमने भी लिया। विदित हो कि आकार प्रकार में सर्वश्रेष्ठ गुणवत्ता युक्त इमली की जगदलपुर मंडी एशिया की सबसे बड़ी इमली मंडी है नयनाभिराम दृश्यों, अविस्मरणीय स्थलों और अपनेपन के आनंद सागर में डूबा मन लिए हम अपने शहर रायपुर की ओर लौट चले। तीन दिवसीय यात्रा में पता ही नहीं चला कि समय कैसे बीत गया। न तन थका न ही मन थका। बस्तर से विदा लेते हुए अंतस से आवाज आ रही थी-

चले तो हवा रूके,
तो चांद जैसा है।
कड़क धूप भी में देखो
बस्तर छांव जैसा है।

विशेष पिछड़ी जनजातियों के जीवन स्तर में सुधार लाने योजनाओं का लाभ प्राथमिकता से पहुंचे

राज्यपाल डेका ने की पीएम जनमन योजना की समीक्षा

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

राज्यपाल रमेन डेका ने आज लोक भवन में प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन योजना) की समीक्षा बैठक ली। बैठक में राज्य शासन के विभिन्न विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव स्तर के अधिकारी उपस्थित रहे। राज्यपाल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विशेष पिछड़ी जनजातियों के जीवन स्तर मे सुधार लाने योजनाओं का लाभ उन तक प्राथमिकता से पहुंचाना सुनिश्चित करें।

बैठक में पीएम जनमन योजना के तहत 11 महत्वपूर्ण बिंदुओं की समीक्षा की गई। राज्यपाल ने विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए स्वीकृत प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यों की प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में प्राथमिकता तय कर तेजी से कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि विशेष पिछड़ी जनजातियों के जीवन स्तर, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

राज्यपाल ने जनजातीय क्षेत्रों की सड़कों की खराब स्थिति पर भी नाराजगी जताई और अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ सड़क निर्माण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी नियमित रूप से क्षेत्र का भ्रमण करें और यह जानें कि पीएम जनमन योजना के तहत उनके विभाग अंतर्गत सबसे बेहतर कार्य कहां हो रहे हैं। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करते हुए राज्यपाल ने मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से विशेष पिछड़ी जनजाति क्षेत्रों में टीबी उन्मूलन अभियान चलाने तथा लोगों को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से जनजातीय समुदायों की जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव लाकर उनके स्वास्थ्य में सुधार किया जा सकता है। राज्यपाल ने बताया कि जनजातीय बच्चों के नेत्र परीक्षण और मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए एम्स के साथ एमओयू किया गया है। उन्होंने तक पहुंचाई जानी चाहिए। उन्होंने जनजातीय क्षेत्रों में शौचालय निर्माण के लिए राइस मिल एसोसिएशन, जनप्रतिनिधियों का सहयोग लेने और डीएमएफ निधि के उपयोग का सुझाव दिया।

मनरेगा की जल क्रांति से बदली तकदीर

प्रदेश में मनरेगा के तहत किए जा रहे जल संरक्षण एवं सिंचाई विकास कार्य ग्रामीण क्षेत्रों में बदलाव की नई इबारत लिख रहे हैं। बलरामपुर जिले के ग्राम पंचायत चेरा स्थित खैरदामर पारा में निर्मित सामुदायिक सिंचाई कूप किसानों के लिए नई उम्मीद और समृद्धि का माध्यम बनकर उभरा है। इस योजना ने खेती को वर्षा आधारित व्यवस्था से निकालकर स्थायी सिंचाई व्यवस्था से जोड़ दिया है, जिससे किसानों की आय और उत्पादन क्षमता दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पहले गांव के किसान बारिश पर निर्भर होकर सीमित खेती कर पाते थे। सिंचाई सुविधा के अभाव में रबी फसलों का उत्पादन प्रभावित होता था और गर्मी के मौसम में अधिकांश खेत खाली पड़े रहते थे। लेकिन मनरेगा अंतर्गत निर्मित सामुदायिक सिंचाई कूप ने खेती की तस्वीर बदल दी है। अब किसान खरीफ के साथ-साथ रबी एवं सब्जी फसलों की भी खेती कर रहे हैं। धान, मक्का, सावां और अरहर के अलावा गेहूं, चना, सरसों तथा विभिन्न सब्जियों का उत्पादन बढ़ने से किसानों को बेहतर आमदनी मिल रही है। गांव के किसानों का कहना है कि सिंचाई सुविधा मिलने से जल संरक्षण के महत्व को समझने का अवसर मिला है। पानी के बेहतर उपयोग से खेती का रकबा बढ़ा है और अब पूरे वर्ष कृषि कार्य संभव हो सका है।

सुशासन तिहार 2026 : लोगों की सुविधा और विकास पर फोकस

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

सुशासन तिहार 2026 के तहत साय सरकार ने लोगों की सुविधा और विकास को प्राथमिकता देते हुए कई जनहितकारी कार्यक्रमों को आगे बढ़ाया है। इस अभियान के दौरान प्रशासनिक व्यवस्थाओं को अधिक पारदर्शी और तेज बनाने पर जोर दिया जा रहा है। आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए विभिन्न विभागों को सक्रिय किया गया है। गांव और शहर दोनों क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं जैसे सड़क, पानी, बिजली और स्वास्थ्य सेवाओं के सुधार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे सीधे जनता से जुड़कर उनकी शिकायतों का समाधान समय पर करें। इस अभियान का उद्देश्य सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना और विकास कार्यों में तेजी लाना बताया गया है। कई स्थानों पर जनसुनवाई कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं, जहां लोग अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के सामने रख रहे हैं।

जिला चिकित्सालय सूरजपुर में स्वास्थ्य सेवाओं की बड़ी सौगात

ष्टरू विष्णुदेव साय ने सुशासन तिहार के अवसर पर जिला चिकित्सालय सूरजपुर में 32 स्लाइस अत्याधुनिक सीटी स्कैन मशीन का वर्चुअल शुभारंभ किया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ शासन, सीजीएमएससी तथा मुख्यमंत्री शासकीय अस्पताल रूपांतरण कोष के माध्यम से लगभग 449.99 लाख रुपये

की लागत से यह सुविधा स्थापित की गई है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह पहल जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती प्रदान करेगी और आम नागरिकों को बेहतर एवं समयबद्ध उपचार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह अत्याधुनिक सीटी स्कैन सुविधा सूरजपुर जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित होगी।

सीटी स्कैन सुविधा प्रारंभ होने से सूरजपुर जिले की लगभग 9 लाख 11 हजार आबादी के साथ-साथ पड़ोसी जिलों के मरीजों को भी सीधा लाभ मिलेगा। अब सड़क दुर्घटनाओं में हेड इंजरी, मस्तिष्क में रक्तस्राव या खून का थक्का जमना, कैंसर, ट्यूमर, स्ट्रोक (पैरालिसिस), छाती संबंधी संक्रमण, पेट की गंभीर बीमारियां तथा मिर्गी जैसी जटिल बीमारियों की जांच जिला चिकित्सालय में ही संभव हो सकेगी। अब तक इन जांचों के लिए मरीजों को अंबिकापुर रेफर किया जाता था, जिससे समय और आर्थिक दोनों प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता था। नई सुविधा शुरू होने से मरीजों को बाहर जाने की आवश्यकता नहीं होगी तथा निजी केंद्रों की तुलना में काफी कम दर पर सीटी स्कैन की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

जिला चिकित्सालय में रेडियोलॉजिस्ट और प्रशिक्षित टेक्नीशियनों की 24म7 टीम भी तैनात की गई है, जिससे मरीजों को निरंतर और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं मिल सकेंगी। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार इस सुविधा से मरीजों और उनके परिजनों पर आर्थिक बोझ कम होगा तथा जिले में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और अधिक मजबूत होगी।

महासमुंद में बरगद पेड़ के नीचे सीएम साय की चौपाल

भीषण गर्मी के बीच आयोजित चौपाल में मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से आत्मीय संवाद किया. उन्होंने कहा कि हमारी सरकार जनता की समस्याओं को जानने का काम कर रही है. इसके साथ ही सरकारी योजनाओं की हकीकत भी जान रही है. लोगों को राशन, बिजली, प्रधानमंत्री आवास, महतारी वंदन योजना सहित अन्य योजनाओं का लाभ सही तरीके से मिल रहा है या नहीं. सीएम ने कहा कि वे अब तक प्रदेश के 16 जिलों का दौरा कर चुके हैं और लोगों से सीधे संवाद कर रहे हैं. मुख्यमंत्री ने महिलाओं से महतारी वंदन योजना की जानकारी ली, जिस पर कही. देव कुमारी साहू ने बताया कि वह योजना से मिलने वाली राशि अपनी बेटी के भविष्य के लिए जमा कर रही हैं।

जनता की पुकार पर तुरंत एक्शन में सांसद बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

'जनता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है '- इस संकल्प को एक बार फिर चरितार्थ करते हुए रायपुर लोकसभा के लोकप्रिय सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने संवेदनशीलता की एक बड़ी मिसाल पेश की है। जम्मू-कश्मीर के महत्वपूर्ण आधिकारिक दौरे पर होने के बावजूद सांसद श्री अग्रवाल ने आरंग के ग्राम रीवां (विकासखंड-आरंग) की पेयजल समस्या को लेकर रात में आए एक संदेश पर तत्काल संज्ञान लिया और महज कुछ ही घंटों के भीतर ग्रामीणों तक अधिकारी व उनका स्टाफ पहुंच गया। दरअसल, ग्राम रीवां की एक महिला और बच्ची ने रात के समय पेयजल संकट तथा जल जीवन मिशन के तहत बुनियादी ढांचा होने के बावजूद पानी की अनियमित आपूर्ति को लेकर एक संदेश सीधे सांसद बृजमोहन अग्रवाल को भेजा था।

सैकड़ों किलोमीटर दूर कश्मीर में मौजूद होने के बावजूद श्री अग्रवाल ने जनता की इस तकलीफ को नजरअंदाज नहीं किया और रात में ही अपने निज सचिव को स्थिति का अवलोकन करने के निर्देश दिए। अगले ही दिन निज सचिव एवं पीएचई विभाग के अधिकारी ग्राम रीवां पहुंच गए।सरपंच और ग्रामीणों के बीच बैठकर बनी तात्कालिक कार्ययोजना सांसद महोदय के निर्देश पर पहुंचे निज सचिव तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (क्क॥श्व) एवं स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों ने ग्राम पंचायत के सरपंच घसिया राम साहू, भाजपा नेता के के भारद्वाज ,आरंग नगर पालिका अध्यक्ष डॉ संदीप जैन, नसीने जी , ग्राम के उपसरपंच, पंचों और ग्रामीणों के साथ बैठक कर सीधे संवाद किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पाया कि भीषण गर्मी के कारण गांव में जलस्तर लगातार गिर रहा है। गांव के 35 हैंडपंपों में से 5 पूरी तरह सूख चुके हैं, जबकि 25 हैंडपंपों में पानी बेहद कम है। 5 हैंडपंप में सोलर पंप भी अनियमित रूप से कार्य कर रहे हैं। लगभग 5000 की आबादी वाले इस गांव की समस्या को गंभीरता से लेते हुए सांसद श्री अग्रवाल के निर्देश पर मौके पर ही दो महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

तात्कालिक राहत के रूप में

गांव से बाहर स्थित एक मुख्य नलकूप (पंप) के माध्यम से गांव के भीतर 5000-5000 लीटर क्षमता की अतिरिक्त पानी टंकियां तत्काल स्थापित की जा रही हैं, ताकि ग्रामीणों को पर्याप्त पानी उपलब्ध कराया जा सके। स्थायी समाधान के रूप में गिरते जलस्तर को देखते हुए नए एवं गहरे नलकूप खनन के लिए ळस्ढ्ढ (भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण) तथा जियो-टेक टीम के माध्यम से तत्काल सर्वे कर नए 'बोर पॉइंट' चिन्हित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि गांव को भविष्य में स्थायी रूप से पेयजल संकट से मुक्ति मिल सके।

सीएम साय को लिखा पत्र प्रभावित गांवों में जल आपूर्ति के लिए 148.37 करोड़ राशि प्रदान करने की मांग।

मुख्यमंत्री साय के निर्देश पर खेती-किसानी के लिए मिलेगा पर्याप्त डीजल

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आगामी खरीफ सीजन की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए किसानों के हित में बड़ा निर्णय लिया है। राज्य में पेट्रोल एवं डीजल की उपलब्धता की समीक्षा के बाद मुख्यमंत्री श्री साय ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि खेतों की जुताई के लिए ट्रैक्टरों तथा सिंचाई पंपों हेतु किसानों को आवश्यकता अनुसार डीजल की सुगम उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि खेती-किसानी के कार्य प्रभावित न हों।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा है कि किसान प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और खरीफ सीजन की तैयारी में किसी भी प्रकार की बाधा स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने खाद्य विभाग, जिला प्रशासन तथा ऑयल कंपनियों को निर्देशित किया है कि किसानों को डीजल समय पर और बिना किसी कठिनाई के उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा है कि आगामी खरीफ सीजन में खेती के लिए किसानों को डीजल सुगमता से प्राप्त हो, इसका ध्यान सभी ऑयल कंपनी और जिला प्रशासन द्वारा विशेष रूप से रखा जाये।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा है कि किसान प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और खरीफ सीजन की तैयारी में किसी भी प्रकार की बाधा स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने खाद्य विभाग, जिला प्रशासन तथा ऑयल कंपनियों को निर्देशित किया है कि किसानों को डीजल समय पर और बिना किसी कठिनाई के उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा है कि आगामी खरीफ सीजन में खेती के लिए किसानों को डीजल सुगमता से प्राप्त हो, इसका ध्यान सभी ऑयल कंपनी और जिला प्रशासन द्वारा विशेष रूप से रखा जाये।

उल्लेखनीय है कि खाद्य विभाग द्वारा 22 मई 2026 को जारी निर्देशानुसार पेट्रोल एवं डीजल के दुरुपयोग को रोकने के उद्देश्य से प्रदेश के 2516 पेट्रोल-डीजल पंपों से ड्रम एवं जरीकेन में ईंधन प्रदाय पर प्रतिबंध लगाया गया है।हालांकि किसानों की जरूरतों और खरीफ सीजन की तैयारियों को देखते हुए इस व्यवस्था में आवश्यक छूट प्रदान की गई है, ताकि खेतों की जुताई, बोवाई और सिंचाई कार्य बाधित न हों।

खाद्य सचिव श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले ने जानकारी दी है कि छत्तीसगढ़ में पेट्रोल एवं डीजल की उपलब्धता पर्याप्त है। वर्तमान में प्रदेश में 4 करोड़ 03 लाख लीटर पेट्रोल तथा 5 करोड़ 55 लाख लीटर डीजल का स्टॉक उपलब्ध है। वहीं, 24 मई 2026 को राज्य को 23 लाख 33 हजार लीटर पेट्रोल तथा 62 लाख 40 हजार लीटर डीजल प्राप्त हुआ है। राज्य में आवश्यकतानुसार पेट्रोल एवं डीजल की नियमित आपूर्ति जारी है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों विशेषकर किसानों को आश्वस्त किया है कि राज्य जरूरतों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आवश्यक डीजल की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पूरी संवेदनशीलता और तत्परता से कार्य कर रही है।

एकल उपयोगी प्लास्टिक पर प्रतिबंध

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल द्वारा 'विश्व पर्यावरण दिवस अभियान-2026' (15 मई से 5 जून 2026) के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं जन-जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी कड़ी में 23 से 26 मई 2026 तक मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों पर व्यापक जन-जागरूकता एवं निरीक्षण अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान स्टेशनों पर स्थापित प्लास्टिक बोतल क्रशिंग मशीनों की कार्यस्थिति, उपयोगिता एवं रखरखाव का गहन निरीक्षण किया गया। साथ ही यात्रियों एवं कर्मचारियों को एकल-उपयोग प्लास्टिक के प्रयोग से बचने, प्लास्टिक अपशिष्ट के उचित निपटान तथा स्टेशन परिसरों को स्वच्छ एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाए रखने हेतु जागरूक एवं प्रेरित किया गया।

रेलवे स्टेशनों पर विक्रेताओं के स्टॉलों पर एकल-उपयोग प्लास्टिक प्रतिबंध के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए विशेष अभियान। रेलवे स्टेशनों पर जल पुनर्भरण केन्द्रों का निरीक्षण। यात्रियों को अपनी बोतलें स्वयं भरने के लिए प्रोत्साहित करना, जिससे एकल-उपयोग प्लास्टिक बोतलों का उपयोग कम हो। स्वच्छ पानी की बोतलों के उपयोग और प्लास्टिक प्रदूषण के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए रेलवे स्टेशनों पर पीए सिस्टम के माध्यम से प्लास्टिक की बोतलों और अन्य वस्तुओं के सीमित उपयोग के लिए यात्रियों से सहयोग मांगा गया इस संबंध में यात्रियों से प्रतिक्रिया भी ली गई।

प्रदेश के छोटे शहरों को भी मिलेगा आधुनिक शहरी विकास का नया मॉडलः अरुण साव

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश के नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों के समग्र एवं संतुलित विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करने जा रही है। बड़े शहरों के साथ-साथ उभरते नगरों और कस्बों को भी आधुनिक शहरी सुविधाओं से सुसज्जित करने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा 'आदर्श शहर समृद्धि योजना' प्रारंभ की जा रही है। चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए 200 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप यह योजना पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 में नगर निगमों के लिए प्रारंभ हुई मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना की तर्ज पर नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में अधोसंरचना को मजबूत करने, जन सुविधाओं का विस्तार करने तथा विकास कार्यों को गति देने का माध्यम बनेगी।

योजना के जरिए छोटे और मध्यम शहरों में भी सुव्यवस्थित शहरी विकास की नई आधारशिला रखी जाएगी। राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने आज योजना के प्रथम चरण के लिए प्रदेशभर के 32 नगरीय निकायों का चयन कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। योजना के तहत कार्यों के चयन, स्थल निरीक्षण और प्राथमिकता निर्धारण के लिए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के क्षेत्रीय (संभागीय) कार्यालयों के संयुक्त संचालकों की अध्यक्षता में संभाग स्तरीय समितियों का गठन भी किया गया है। समितियों को आगामी 15 दिनों के भीतर कार्यों का चिन्हांकन, स्थल निरीक्षण कर प्राथमिकता के क्रम में सूची तैयार करते हुए अनुमानित राशि की जानकारी शासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री श्री साय के निर्देशानुसार योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और समन्वय के लिए पांचों राजस्व संभागों में कार्यों के चयन एवं मॉनिटरिंग हेतु संचालनालय के यांत्रिकी प्रकोष्ठ के मुख्य अभियंता को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, ताकि कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित की जा सके।

पहले चरण में प्रदेश के 32 नगरीय निकायों को मिला अवसर

आदर्श शहर समृद्धि योजना के पहले चरण में प्रदेश के 32 नगरीय निकायों को शामिल किया गया है। इनमें बस्तर, सरगुजा और रायपुर संभाग के छह-छह, बिलासपुर संभाग के नौ तथा दुर्ग संभाग के पांच निकाय शामिल हैं। बस्तर संभाग के अंतर्गत सुकमा नगर पालिका के साथ भोपालपटनम, गीदम, केशकाल, पखांजूर और नरहरपुर नगर पंचायत को शामिल किया गया है। दुर्ग संभाग में पंडरिया और खैरागढ़ नगर पालिका के साथ गुरूर, घुमका और छुईखदान नगर पंचायतों का चयन किया गया है।

रायपुर संभाग के अंतर्गत कुरुद, महासमुंद, आरंग और बलौदाबाजार नगर पालिका तथा पिथौरा एवं चंदखुरी नगर पंचायत को योजना में शामिल किया गया है। वहीं सरगुजा संभाग में सूरजपुर, पत्थलगांव और मनेंद्रगढ़ नगर पालिका के साथ लखनपुर, कोतबा और कुनकुरी नगर पंचायतों को शामिल किया गया है।

सीएम साय के नेतृत्व में नक्सल मुक्त जिलों के भवनविहीन आंगनबाड़ी केन्द्रों को मिलेंगे पक्के भवन

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित एवं अब तेजी से विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहे जिलों में बच्चों और माताओं के लिए आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठा रही है। राज्य सरकार ने भवनविहीन आंगनबाड़ी केन्द्रों के निर्माण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बस्तर संभाग के जिलों में संचालित शेष 506 भवनविहीन आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिए भवन स्वीकृति की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा है कि सरकार का लक्ष्य है कि नक्सल मुक्त घोषित जिलों में कोई भी आंगनबाड़ी

भवनविहीन न रहे और प्रत्येक बच्चे तथा माता को बेहतर, सुरक्षित एवं सुविधायुक्त वातावरण उपलब्ध हो।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्र केवल पोषण वितरण का माध्यम नहीं, बल्कि बच्चों के समग्र विकास, मातृ स्वास्थ्य, प्रारंभिक शिक्षा और सामाजिक सशक्तिकरण की मजबूत नींव हैं। उन्होंने कहा कि विशेषकर दूरस्थ एवं आदिवासी क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण आंगनबाड़ी व्यवस्था बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण, पूर्व-प्राथमिक शिक्षा तथा गर्भवती एवं धात्री माताओं की देखभाल को नई मजबूती प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, समयबद्धता और स्थानीय आवश्यकताओं का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बस्तर, बीजापुर, दंतेवाड़ा, कांकेर, नारायणपुर और सुकमा जिलों में भवनविहीन आंगनबाड़ी केन्द्रों की पहचान कर प्राथमिकता के आधार पर भवन निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

जर्किन और डब्बों में पेट्रोल-डीजल नहीं देने का आदेश बेतुका- देवलाल नरेटी

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

आम आदमी पार्टी के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष देवलाल नरेटी ने छत्तीसगढ़ में जिला प्रशासन द्वारा जारी आदेश को बेतुका बताया है। उन्होंने इसका विरोध करते हुए कहा कि पेट्रोल पंपों से जर्किन, डब्बों अथवा अन्य पात्रों में पेट्रोल-डीजल देने पर रोक लगाना किसानों, ग्रामीणों और आम उपभोक्ताओं की वास्तविक समस्याओं से दूर एक अव्यावहारिक और जनविरोधी निर्णय बताया है। ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में किसानों के ट्रैक्टर, हार्वेस्टर, पंप और अन्य कृषि उपकरण खेतों में खड़े रहते हैं। कई बार मशीनें खेत या दूरस्थ इलाकों में खराब हो जाती हैं अथवा वहां तक सीधे पेट्रोल पंप पहुंच पाना संभव नहीं होता। ऐसे में किसान जर्किन या डब्बों में ईंधन ले जाकर अपने कार्य करते हैं। यदि उन पर पूरी तरह रोक लगा दी जाती है, तो सबसे ज्यादा परेशानी किसानों और ग्रामीण जनता को होगी। आज शहरों और कॉलोनियों में बड़ी संख्या में ष्ठत्र सेट (डीजल जनरेटर) उपयोग में लाए जाते हैं, जिनके लिए डीजल की आवश्यकता पड़ती है। लाइट बंद होने पर ष्ठत्र सेट के जरिये ही सभी बहु मंजिला ईमारतों में लिफ्ट भी चलती है,लिफ्ट बंद होने पर यदि कोई लिफ्ट में फसता है और उसकी जनहानि होती है तो इसका जिम्मेदार कौन? कलेक्टर, जिला प्रशासन या सरकार?वैसे भी ष्ठत्र सेट को पेट्रोल पंप तक ले जाना संभव नहीं है। ऐसे में लोगों को जर्किन या सुरक्षित पात्रों में डीजल लेना ही पड़ता है। सरकार वैसे भी सुचारु रूप से पेट्रोल डीजल तो आम जनों को मुहैया करा नहीं पा रही है। प्रशासन को आम जनता की व्यावहारिक जरूरतों को समझते हुए निर्णय लेना चाहिए। कंस्ट्रक्शन कार्य में भी मिक्सचर मशीन और अन्य उपकरण डीजल से चलते हैं जिससे इस आदेश के बाद कंस्ट्रक्शन कार्य भी प्रभावित हो रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि एक ओर लगातार पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाए जा रहे हैं, जिससे पहले ही आम जनता आर्थिक बोझ झेल रही है, वहीं दूसरी ओर इस प्रकार के प्रतिबंध लगाकर लोगों जिला प्रशासन अपने आदेश पर पुनर्विचार करे और किसानों, ग्रामीणों, छोटे व्यवसायियों तथा ष्ठत्र सेट उपयोगकर्ताओं को पहचान और आवश्यक जानकारी के आधार पर सुरक्षित तरीके से जर्किन या डब्बों में पेट्रोल-डीजल उपलब्ध कराने की अनुमति दी जाए।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, बुधवार, 27 मई 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

शांति और प्रगति का नया दौर भेजा के सुशासन तिहार में ग्रामीणों को मिला योजनाओं का सीधा लाभ

जगदलपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

शासन-प्रशासन को सीधे जनता के द्वार तक पहुंचाने और उनकी समस्याओं का तत्काल समाधान करने के उद्देश्य से बस्तर जिले के सुदूर वनांचल में स्थित लोहंडीगुड़ा विकासखंड के ग्राम भेजा में सुशासन तिहार जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। कभी माओवाद के साये में रहने वाला यह पूरा क्षेत्र आज बदलाव की एक नई इबारत लिख रहा है। क्षेत्रवासियों की विकास की मुख्य धारा में शामिल होने की तीव्र ललक और जिला प्रशासन के सतत सहयोग व प्रयासों के चलते अब यह पूरा अंचल माओवाद के प्रभाव से पूरी तरह मुक्त हो चुका है। शांति और प्रगति के इस नए दौर में आयोजित शिविर को लेकर ग्रामीणों में भारी उत्साह देखा

गया, जिसके चलते विभिन्न विभागों से जुड़े कुल 260 आवेदन प्राप्त हुए। प्रशासन की सक्रियता के चलते इनमें से 130 आवेदनों का मौके पर ही सफलतापूर्वक निराकरण कर जनता को बड़ी राहत दी गई, जबकि शेष मामलों के त्वरित निपटारे के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कार्यक्रम में अंचल के प्रमुख जनप्रतिनिधियों ने शिरकत कर ग्रामीणों का हौसला बढ़ाया, जिनमें जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पद्मा कश्यप, उपाध्यक्ष डॉ. बसन्त कश्यप और पूर्व विधायक श्री लच्छूराम कश्यप सहित बड़ी संख्या जनप्रतिनिधिगण, अनुविभागीय दंडाधिकारी श्री नितीश वर्मा, तहसीलदार श्री कैलाश कोड़ोपी, जनपद पंचायत सीईओ श्री धनेश्वर पाण्डे तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी शामिल थे।

बंदूक की गूंज से मुक्त इस शांत अंचल में अब विकास की बयार बह रही है और शिविर के दौरान शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी और हितग्राहीमूलक योजनाओं का सीधा लाभ ग्रामीणों तक पहुंचाया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आधुनिक पोर्टेबल एक्स-रे मशीन के माध्यम से ग्रामीणों की जांच की गई, जिसमें विशेष रूप से संभावित टीबी मरीजों की पहचान पर ध्यान केंद्रित किया गया, साथ ही 10 ग्रामीणों को आयुष्मान कार्ड भी प्रदान किए गए। सामाजिक और आर्थिक सुदृढ़ीकरण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 5 आवास हितग्राहियों को उनके नए घर की चाबियां सौंपी गईं, तो वहीं आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रही अंचल की 11 लखपति दीदियों को प्रमाण पत्र और महिला स्व-सहायता समूहों को आर्थिक संबल देने के लिए ऋण स्वीकृति के चेक वितरित किए गए। ग्रामीण आजीविका और शिक्षा को बढ़ावा देकर मुख्य धारा को और मजबूत करने के उद्देश्य से शिविर में विशेष प्रयास दिखे, जहां कृषि क्षेत्र को मजबूती देने के लिए 10 किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड और मत्स्यपालन से जुड़े 3 हितग्राहियों को मछली जाल का वितरण किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कक्षा 8वीं, 10वीं और 12वीं के मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया तथा स्कूली छात्र-छात्राओं को जाति प्रमाण पत्र जारी किए गए। इसके साथ ही 10 बुजुर्गों एवं पात्र ग्रामीणों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन स्वीकृति प्रमाण पत्र सौंपे गए ।

सुशासन तिहार: शिविर में की जा रही त्वरित कार्रवाई

दंतेवाड़ा, (प्रतिदिन राजधानी)

दंतेवाड़ा में प्रदेश सरकार का जन कल्याणकारी अभियान सुशासन तिहार अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिससे नागरिकों को शासकीय कार्यालयों में जाने की आवश्यकता ना पड़े।

इसी क्रम में विकासखंड कटेकल्याण में आयोजित शिविर में ग्रामीण किसानों को बड़ी राहत मिली। जहां 70 से अधिक किसानों को बी-1 दस्तावेज की प्रतियां तत्काल उपलब्ध कराई गईं।

राजस्व विभाग द्वारा शिविर स्थल पर ही किसानों के भूमि अभिलेखों का परीक्षण कर बी-1 दस्तावेज प्रदान किए गए। सुशासन तिहार के माध्यम से गांव स्तर पर ही समाधान मिलने से किसानों में खुशी देखी जा रही है।

बी-1 दस्तावेज प्राप्त होने से किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड, बैंक ऋण, फसल बीमा, सीमांकन तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में आसानी होगी। शिविर में पहुंचे ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं राज्य शासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि अब प्रशासन गांव तक पहुंचकर उनकी समस्याओं का समाधान कर रहा है। जिला प्रशासन द्वारा सुशासन तिहार के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करते हुए शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का सतत प्रयास किया जा रहा है।

सुशासन तिहार, विधायक ने हितग्राहियों को सामग्री वितरित की

कोण्डागांव, (प्रतिदिन राजधानी)

सोमवार को नगरीय क्षेत्र के चौपाटी मैदान स्थित विद्यालय परिसर में जिला स्तरीय शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोण्डागांव विधायक लता उसेण्डी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस अवसर पर कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना, पुलिस अधीक्षक पंकज चन्द्रा, नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल, उपाध्यक्ष जसकेतु उसेण्डी सहित सभी पार्षदगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक सुश्री उसेण्डी ने कहा कि आम नागरिकों को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार आयोजित इन शिविरों में सभी विभागों के

अधिकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध रहते हैं, जिससे लोगों को भटकना न पड़े और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान मिल सके।

उन्होंने श्रम पंजीयन से मिलने वाले लाभों की जानकारी देते हुए बताया कि इससे बच्चों की शिक्षा, बेटियों के विवाह एवं जन्म पर सहायता राशि प्रदान की जाती है। साथ ही दुर्घटना की स्थिति में भी आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जीरो बिजली बिल संकल्प का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत घरों की छतों पर सोलर प्लांट लगाने से उपभोक्ताओं को शून्य बिजली बिल के साथ अतिरिक्त बिजली उत्पादन पर उपभोक्ताओं को आय भी प्राप्त होती है।

अवैध परिवहन, 6 गाड़ियां जब्त

कोंडागांव, (प्रतिदिन राजधानी)

खनिज विभाग के द्वारा जिले में खनिजों के अवैध परिवहन, उत्खनन एवं भण्डारण की जांच करते हुए कार्रवाई की गई है। वाहनों में आवश्यक दस्तावेज एवं वैद्य अनुमति प्रस्तुत नहीं करते हुए 2 ट्रैक्टर-ट्रॉली रेत का अवैध परिवहन करते, 3 हाईवा गिट्टी का अवैध परिवहन करते एवं 1 ट्रैक्टर-ट्रॉली ईंट का अवैध परिवहन करते पाया गया। जिसे जब्त कर खनिज नियमावली अनुसार प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की गई।

जिला खनिज अधिकारी ने बताया कि जिले में अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर रोक लगाने के उद्देश्य से लगातार निगरानी की जा रही है। शासन के निर्देशानुसार खनिज संपदा के संरक्षण के लिए मानिटरिंग करते हुए कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी तथा अवैध गतिविधियों में संलिप्त पाये जाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

महेंद्र कर्मा की पुण्यतिथि पर कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलि

जगदलपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

महेंद्र कर्मा की पुण्यतिथि पर सोमवार को शहर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा राजीव भवन जगदलपुर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने किया। इस दौरान कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने स्व. महेंद्र कर्मा के छत्तीसगढ़, बस्तर और आदिवासी समाज के प्रति योगदान को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम के बाद कांग्रेस नेताओं ने झंकार चौक स्थित स्व. महेंद्र कर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके पश्चात लालबाग स्थित शहीद मेमोरियल एवं दरभा घाट स्थित झीरम मेमोरियल पहुंचकर नंदकुमार पटेल सहित झीरम नक्सल हमले में शहीद हुए अन्य कांग्रेस नेताओं और वीर जवानों को नमन करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इस अवसर पर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने कहा कि झीरम की घटना प्रदेश के इतिहास का एक अत्यंत दुखद अध्याय है, जिसने पूरे समाज को गहरा आघात पहुंचाया। उन्होंने कहा कि स्व. महेंद्र कर्मा ने आदिवासी समाज, क्षेत्रीय विकास और जनहित के मुद्दों को हमेशा प्रमुखता से उठाया, वहीं स्व. नंदकुमार पटेल ने संगठन और जनसेवा के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई। उन्होंने कहा कि शहीद नेताओं का संघर्ष, समर्पण और जनहित के प्रति सोच आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

शिक्षा, संस्कार और सपनों का संगम बना कातलबोड़ का नि:शुल्क करियर शिविर

धमतरी, (प्रतिदिन राजधानी)

/ग्राम कातलबोड़ में आयोजित नि:शुल्क शैक्षिक एवं करियर मार्गदर्शन शिविर केवल एक प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि ग्रामीण बच्चों के सपनों को नई उड़ान देने वाला प्रेरक सामाजिक अभियान बनकर उभरा है। साहू समाज बांनगर परिक्षेत्र द्वारा कर्मचारी प्रकोष्ठ के निर्देशन में संचालित इस शिविर ने शिक्षा, संस्कार, करियर जागरूकता और सामाजिक चेतना को एक साथ जोड़ते हुए गांवों में सकारात्मक परिवर्तन की मजबूत नींव रखी है। समापन समारोह में आज कलेक्टर अविनाश मिश्रा ने विद्यार्थियों, पालकों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि 卐बच्चों की पढ़ाई सबसे बड़ा निवेश है। आज बच्चों को सही दिशा और अवसर देना ही समाज का सबसे बड़ा दायित्व है।卐 उन्होंने पालकों से आग्रह किया कि वे बच्चों को मोबाइल की लत से दूर रखते हुए शिक्षा और संस्कार की ओर प्रेरित करें।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने अपने छात्र जीवन का अनुभव साझा करते हुए बताया कि कक्षा आठवीं में लगाया गया एक समर कैंप उनके जीवन का 卐टर्निंग पॉइंट卐 बना था। उन्होंने विद्यार्थियों को संघर्ष से सीखने, असफलताओं से घबराने के बजाय उनसे मजबूत बनने और सफलता मिलने पर विनम्र बने रहने की सीख दी। उनके प्रेरक शब्दों ने बच्चों में आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की नई ऊर्जा भर दी।

चार वर्षों से लगातार संचालित यह शिविर अब ग्रामीण प्रतिभाओं के लिए आशा का केंद्र

बन चुका है। यहां प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, प्रयास विद्यालय प्रवेश परीक्षा मार्गदर्शन, कक्षा 9वीं से 12वीं तक कठिन विषयों का अध्यापन, नैतिक शिक्षा, संगीत प्रशिक्षण और करियर काउंसलिंग जैसी गतिविधियां पूरी तरह नि:शुल्क संचालित की जा रही हैं। जिले के वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षक और विशेषज्ञ बिना किसी मानदेय के बच्चों को समय देकर उनके भविष्य को संवारने में जुटे कार्यक्रम की शुरुआत 卐मैं हूं गुल्लक अभियान卐 से हुई, जिसमें समाजसेवी तुमनचंद साहू एवं रंजीता साहू ने 300 बच्चों को गुल्लक और पेंटिंग किट वितरित की। गुल्लक पेंटिंग प्रतियोगिता में बच्चों ने अपने सपनों और सामाजिक सरोकारों को रंगों में उकेरा। किसी चित्र में आईएएस बनने का सपना था, तो कहीं डॉक्टर, सैनिक, व्यवसायी और पर्यावरण रक्षक बनने की आकांक्षा दिखाई दी। जल संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा और पक्षी बचाओ जैसे विषयों पर बच्चों की संवेदनशील सोच ने सभी को प्रभावित किया।

बच्चों की पढ़ाई सबसे बड़ा निवेश – कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने दिया प्रेरक संदेश

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने बच्चों की रचनात्मकता की सराहना करते हुए शीर्ष 10 प्रतिभागियों को मेडल और पुस्तकें प्रदान कर सम्मानित किया। पूरे आयोजन के दौरान बच्चों के चेहरों पर आत्मविश्वास, उत्साह और बड़े सपनों की चमक स्पष्ट दिखाई दी। इस अवसर पर एवं एसडीएम नभ कुमार कोसले उपस्थित थे

रायसोनी स्मृति दुर्ग संभाग रैपिड शतरंज स्पर्धा में दुर्ग के राहुल विजेता व राजनांदगांव के शालिक उपविजेता

दुर्ग, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के निर्देशन में जिला शतरंज संघ दुर्ग द्वारा रायसोनी स्पोर्ट्स एवं कल्चर फाउंडेशन तथा कल्पना प्रकाश वेलफेयर फाउंडेशन के सहयोग से जी एच रायसोनी स्मृति दुर्ग संभाग रैपिड शतरंज स्पर्धा में सात अंक में साढ़े 6 अंक प्राप्त कर दुर्ग के राहुल शर्मा ने विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया उन्हें 11 हजार रूपए नगद एवं विजेता ट्रॉफी एवं राजनांदगांव के शालिक नवाज मनिहार ने भी साढ़े 6 अंक हासिल कर उपविजेता बने उन्हें 7 हजार रुपए नगद एवं उपविजेता ट्रॉफी अतिथियों द्वारा प्रदान किया गया। जिला शतरंज संघ दुर्ग के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत सचिव तुलसी सोनी ने स्पर्धा संबंधी जानकारी देते हुए बताया कि स्पर्धा में दुर्ग संभाग के 168 खिलाड़ियों ने भाग लिया। स्पर्धा में कुल 51 हजार रुपए नगद राशि के अलावा ट्रॉफी, मोमेंटो एवं सभी खिलाड़ियों को मेडल एवं ई सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। सभी विजेताओं एवं अन्य खिलाड़ियों को समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि समाजसेवी विजय अग्रवाल, कार्यक्रम के अध्यक्ष समाजसेवी कैलाश जैन बरमेचा एवं विशिष्ट अतिथि समाजसेविका श्रीमती पूनम राजा, दाऊ चंद्रिकादत चंद्राकर, इंटरनेशनल आर्बिटर

अलंकार भिवगड़े, रॉकी देवांगन ने पुरस्कार वितरण किया।

मुख्य अतिथि समाजसेवी विजय अग्रवाल ने कहा कि शतरंज हमे दिमागी कौशल के साथ साथ अनुशासन, धैर्य,संयम और रणनीति बनाना भी सिखाता है। शतरंज से हम जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी विक्रम अवॉर्डी सुश्री किरण अग्रवाल का उदाहरण भी दिया। कार्यक्रम के अध्यक्ष समाजसेवी कैलाश जैन बरमेचा ने आयोजन की सराहना करते हुए लोगो से ऐसे आयोजनों में सहभागिता करने की अपील करते हुए रायसोनी स्पोर्ट्स एवं कल्चर फाउंडेशन तथा कल्पना प्रकाश वेलफेयर फाउंडेशन से समाज को सीख लेने की प्रेरणा दी। विशेष अतिथि समाजसेविका श्रीमती पूनम राजा ने भी आयोजन की सराहना करते हुए संभाग से आए खिलाड़ियों एवं उनके अभिभावकों को बधाई दी। स्पर्धा में तृतीय स्थान पर राजनांदगांव के स्पर्श खंडेलवाल, 5 हजार एवं ट्रॉफी, चतुर्थ भिलाई के अभिनव सिंह राजपूत, 3 हजार एवं ट्रॉफी, पांचवा कबीरधाम के मुकेश ठाकुर, 2 हजार एवं ट्रॉफी, छठवां दिवस कुमार विश्वास दुर्ग, सातवां शुभम सिंह,दुर्ग, आठवां ईशान सैनी,दुर्ग नवमा अंशुल उप्पल दुर्ग दसवां दीपक साहू दुर्ग ने प्राप्त किया। इन्हें 15 सौ रुपए एवं मोमेंटो प्रदान किया गया। ग्यारहवां अरुणभ दास दुर्ग वरूडकर राजनांदगांव चौदहवां बटुकों पूजन दुर्ग पंद्रहवां स्थान पर आयुष वैष्णव कबीरधाम रहे।

मारुति शोरूम के जीएम पर फूटा महिला कर्मचारी का गुस्सा

भिलाई, (प्रतिदिन राजधानी)

भिलाई स्थित के चौहान ऑटोमोबाइल्स में हाई-वोल्टेज ड्रामा से अफरा-तफरी मच गई। शोरूम की ही एक महिला कर्मचारी ने जनरल मैनेजर अंकित आनंद की सरेआम पिटाई कर दी। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें महिला पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में जीएम पर थप्पड़ बरसाती हुई उसके चेहरे पर स्याही फेंकती नजर आ रही है।

पुलिस ने पीड़ित महिला कर्मचारी की शिकायत पर आरोपी जीएम के खिलाफ

मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जांच के लिए पहुंची थी पुलिस, तभी भड़का गुस्सा

मिली जानकारी के अनुसार महिला कर्मचारी ने जीएम अंकित आनंद के खिलाफ भिलाई नगर थाने में पहले ही उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई थी। 22 मई को जब पुलिस अधिकारी इसी मामले की जांच और पूछताछ के लिए आरोपी जीएम को लेकर शोरूम पहुंचे, तो वहां मौजूद महिला कर्मचारी का गुस्सा फूट पड़ा।

वायरल वीडियो में दिखाई पड़ रहा है कि जैसे ही जीएम ऑफिस के भीतर दाखिल हुआ, महिला ने सामने से आकर सीधे उसके चेहरे और शर्ट पर काली स्याही फेंक दी। स्याही फेंकने के तुरंत बाद महिला ने जीएम को एक के बाद एक कई थप्पड़ मारे।

घटना के वक्त मौके पर केवल पुरुष पुलिसकर्मी मौजूद थे। कोई महिला पुलिसकर्मी न होने के कारण पुलिस अधिकारी सीधे तौर पर बीच-बचाव नहीं कर पाए और केवल समझाइश देते व महिला को दूर हटाते नजर आए। इस दौरान आरोपी जीएम खुद को बचाने का प्रयास करता रहा।

सीएसपी भिलाई नगर सत्यप्रकाश तिवारी ने बताया कि चौहान ऑटोमोबाइल्स के जीएम अंकित आनंद के खिलाफ महिला कर्मचारी ने शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप है कि जीएम उसे अश्लील मैसेज भेजता था, गलत तरीके से बात करता था और छेड़छाड़ करता था। आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। मौके पर मौजूद अन्य महिला कर्मचारियों के बयान भी दर्ज किए जाएंगे। जांच पूरी होने के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

दुर्गा मंदिर वार्ड में विधायक ने किया भेंट मुलाकात

भिलाई नगर, (प्रतिदिन राजधानी)

दुर्गा मंदिर वार्ड सहित नगर निगम भिलाई के खुर्सीपार जोन 4 क्षेत्र के कई वार्डों में वर्षों से लोगों के लिए परेशानी और खतरे का कारण बने हाईटेंशन बिजली तारों को हटाने की दिशा में भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव लगातार प्रयासरत हैं। शनिवार को विधायक देवेंद्र यादव ने प्रभावित वार्डों का दौरा कर मौके का मुआयना किया तथा स्थानीय नागरिकों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं।

क्षेत्र के नागरिकों ने बताया कि हाईटेंशन तार काफी नीचे होने के कारण लोग अपने घरों का निर्माण तक नहीं करा पा रहे हैं। कई जगहों पर जान का खतरा बना हुआ है और पूर्व में दो से तीन दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं। इस गंभीर समस्या को लेकर क्षेत्रवासियों ने पूर्व में विधायक देवेंद्र यादव से मुलाकात कर समाधान की मांग की थी।

विधायक देवेंद्र यादव ने इस मामले को

विधानसभा में ध्यानाकर्षण के माध्यम से प्रमुखता से उठाया था। इसके साथ ही बिजली कंपनी को नोटिस जारी कर जल्द कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए थे। विधायक ने कहा कि पिछले डेढ़ वर्ष से वे लगातार इस समस्या के समाधान के लिए प्रयास कर रहे हैं, ताकि लोगों को राहत मिल सके और भविष्य में किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका समाप्त हो। मौका मुआयना के दौरान विधायक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वार्ड क्रमांक 39, 40, 42, 45, 46 एवं 49 सहित प्रभावित क्षेत्रों प्राथमिकता के आधार पर हटाने अथवा शिफ्ट करने की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाए।

खेल समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित
हेतु संपर्क करे : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, बुधवार, 27 मई 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

बेंगलुरु ने आईपीएल प्लेऑफ का सबसे बड़ा स्कोर बनाया गुजरात को 255 रन का टारगेट दिया, पाटीदार के नाबाद 93 रन

धर्मशाला। आईपीएल 2026 के क्वालिफायर-1 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुजरात टाइटंस को 255 रन का टारगेट दिया है। गुजरात ने धर्मशाला में टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया। बेंगलुरु ने 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 254 रन बनाए। यह प्लेऑफ/नॉकआउट इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले यह रिकॉर्ड गुजरात के नाम था, जिसने 2023 में क्वालिफायर-2 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 233/3 रन बनाए थे। बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार ने सिर्फ 33 गेंदों में नाबाद 93 रन ठोके, जिसमें 5 चौके और 9 छक्के शामिल रहे। शुरुआत में वेंकटेश अय्यर ने 7 गेंदों में 19 रन की तेज पारी खेली, जबकि विराट कोहली ने 25 गेंदों में 43 और क्रुणाल पंड्या ने 28 गेंदों में 43 रन बनाए। अंत में जितेश शर्मा ने 5 गेंदों पर 15 रन जोड़कर टीम को 250 के पार पहुंचाया। गुजरात के लिए कगिसो रबाडा और जेसन होल्डर ने 2-2 विकेट लिए। आखिरी ओवर में रजत पाटीदार और जितेश शर्मा ने मिलकर 19 रन बटोरे और बेंगलुरु को 254/5 के विशाल स्कोर तक पहुंचाया। पाटीदार ने ओवर में दो छक्के लगाए और 33 गेंदों में नाबाद 93 रन बनाकर लौटे। प्रसिद्ध कृष्णा ने टिम डेविड को बोल्ड कर दिया। फुल लेंथ गेंद पर डेविड बड़ा शॉट खेलने गए, लेकिन पूरी तरह चूक गए और गेंद सीधे मिडिल स्टंप से जा टकराई। टिम डेविड 5 गेंदों में सिर्फ 4 रन बनाकर

पवेलियन लौटे। रजत पाटीदार ने सिर्फ 21 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। रबाडा की बैक ऑफ लेंथ गेंद पर पाटीदार ने पुल शॉट खेलते हुए गेंद को डीप मिड-विकेट के ऊपर छक्के के लिए भेज दिया। रबाडा ने वापसी करते ही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को झटका दिया। स्लोअर शॉर्ट गेंद पर क्रुणाल पंड्या पुल शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद बल्ले का टॉप एज लेकर डीप मिड-विकेट की ओर चली गई। वहां मौजूद साई सुदर्शन ने दबाव में शानदार कैच लपका। क्रुणाल 28 गेंदों में 43 रन बनाकर आउट हुए, उनकी पारी में 5 चौके और 2 छक्के शामिल रहे। कुलवंत का 28 रन वाला ओवर आईपीएल प्लेऑफ/नॉकआउट इतिहास का दूसरा सबसे महंगा ओवर बन गया। इससे पहले सबसे महंगा ओवर 2014 के क्वालिफायर-2 में परविंदर अवाना ने डाला था, जब पंजाब किंग्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ वानखेड़े में 33 रन खर्च किए थे। 15वें ओवर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मैच का मोमेंटम पूरी तरह अपनी तरफ कर लिया। रजत और क्रुणाल ने कुलवंत के ओवर में 28 रन बना डाले। ओवर में नो-बॉल, वाइड और लगातार बाउंड्री की बारिश देखने को मिली। पाटीदार ने आखिरी तीन गेंदों पर चौका, छक्का और चौका लगाकर लगाया। 15 ओवर के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का स्कोर 168/3 हो गया। 7 से 13 ओवर के बीच रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को दो बड़े झटके भी लगे। विराट कोहली ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए तेजी से रन बटोरे, लेकिन होल्डर ने उन्हें 43 रन पर आउट कर मैच में वापसी कराई। इसी ओवर में होल्डर ने पडिक्कल को भी पवेलियन भेज दिया। 12वें ओवर में 13 रन बने। ओवर की आखिरी दो गेंदों पर क्रुणाल ने पहले चौका जड़ा और फिर छक्का लगाया। दूसरी ओर रजत पाटीदार ने भी स्ट्राइक रोटेट करते हुए योगदान दिया। 12 ओवर के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का स्कोर 125/3 हो गया। नौवें ओवर में जेसन होल्डर ने मैच का रुख बदल दिया। उन्होंने पहले विराट कोहली को 43 रन पर बोल्ड किया, फिर उसी ओवर में देवदत्त पडिक्कल को विकेटकीपर जोस बटलर के हाथों कैच कराया। इस ओवर में सिर्फ 4 रन आए और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने दो विकेट गंवा दिए। 9 ओवर के बाद टीम का स्कोर 96/3 हो गया। पावरप्ले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने तेज शुरुआत करते हुए 6 ओवर में 1 विकेट पर 76 रन बनाए। वेंकटेश अय्यर ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की, लेकिन रबाडा ने उन्हें 19 रन पर आउट कर दिया।

इसके बाद विराट और पडिक्कल ने लय बरकरार रखी, जबकि पड्डिकल ने रबाडा के ओवर में लगातार तीन चौके जड़े। चौथे ओवर में बेंगलुरु का स्कोर 50 रन पार हो गया। इस ओवर में 18 रन बने। ओवर की शुरुआत चौके से हुई, फिर देवदत्त पडिक्कल ने लगातार तीन बाउंड्री लगाईं। कभी फ्लिक से लेग साइड पर रन बटोरे तो कभी पॉइंट और थर्ड मैन के बीच गैप निकालकर गेंद को सीमा रेखा तक पहुंचाया।

आईपीएल 2026 : एलिमिनेटर में सनराइजर्स हैदराबाद-राजस्थान रॉयल्स के बीच मैच आज

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले में आज सनराइजर्स हैदराबाद की भिड़ंत राजस्थान रॉयल्स के साथ होगी। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। आरआर के खिलाफ एसआरएच का पलड़ा भारी रहा है। आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स की अब तक 23 मुकाबलों में भिड़ंत हुई है। इनमें से 14 मुकाबलों में एसआरएच ने जीत दर्ज की है, जबकि आरआर ने 9 मैच जीते हैं। आईपीएल 2026 में एसआरएच और आरआर की दो बार भिड़ंत हुई है और दोनों ही दफा सनराइजर्स हैदराबाद ने जीत हासिल की है। पैट कमिंस की अगुवाई में एसआरएच अपने दबदबे को एलिमिनेटर मुकाबले में भी कायम रखना चाहेगी। हालांकि, सनराइजर्स हैदराबाद का रिकॉर्ड आईपीएल प्लेऑफ में खराब रहा है। एसआरएच 8वीं बार अंतिम चार में पहुंची है। टीम ने प्लेऑफ में अब तक कुल 14 मुकाबले खेले हैं, जिसमें से सनराइजर्स हैदराबाद को 6 में जीत नसीब हुई है, तो 8 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। एसआरएच ने साल 2024 में आखिरी बार प्लेऑफ का टिकट कटाया था और टीम फाइनल तक का सफर तय करने में सफल रही थी। हालांकि, खिताबी मुकाबले में एसआरएच को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। आईपीएल 2026 में एसआरएच का प्रदर्शन दमदार रहा है। पैट कमिंस की कप्तानी में पिछले कुछ मुकाबलों में सनराइजर्स हैदराबाद ने खेल के तीनों ही विभाग में विपक्षी टीमों को चारों खाने चित किया है। एसआरएच एलिमिनेटर में भी अपनी बेहतरीन फॉर्म को बरकरार रखना चाहेगी।

साल 2008 में आईपीएल की ट्रॉफी को अपने नाम करने वाली राजस्थान रॉयल्स ने प्लेऑफ में अब तक कुल 11 मुकाबले खेले हैं, जिसमें से टीम को 5 मुकाबलों में जीत मिली है, तो 6 में हार का सामना करना पड़ा है। आरआर साल 2024 में आखिरी बार प्लेऑफ में पहुंची थी, जहां टीम को दूसरे क्वालिफायर में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

जोफ्रा आर्चर और कप्तान की रणनीति

सिर्फ बल्लेबाजी ही नहीं, राजस्थान की जीत की असली चाबी उनके मुख्य तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर (21 विकेट) के पास भी होगी। हैदराबाद के पास अभिषेक शर्मा (563), ट्रेविस हेड (393), ईशान किशन (569) और हेनरिक क्लासेन (606) जैसा खूंखार टॉप ऑर्डर है। ऐसे में कप्तान रियान पराग को उम्मीद होगी कि आर्चर अपनी रफ्तार और स्विंग से पावरप्ले में ही हैदराबाद की कमर तोड़ दें। राजस्थान के हेड कोच कुमार संगाकारा ने भी साफ किया है कि टीम को हैदराबाद के खिलाफ बेहद आक्रामक और सटीक लाइन-लेंथ से गेंदबाजी करनी होगी।

नॉर्वे चेस : प्रग्गनानंदा और गुकेश ने आर्मागेडन में दर्ज की जीत, दिव्या ने वर्ल्ड चैंपियन को हराया

ओस्लो। नॉर्वे चेस 2026 की शुरुआत ओस्लो में काफी रोमांचक अंदाज में हुई। भारतीय खिलाड़ी आर प्रग्गनानंदा और वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश दोनों ने अपने-अपने पहले क्लासिकल मैच ड्रॉ खेले। इसके बाद हुए आर्मागेडन टाई-ब्रेक में दोनों खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया और जीत हासिल करके अपने अभियान की बेहतरीन शुरुआत की। वहीं, दिव्या ने वर्ल्ड चैंपियन वेनजुन को शिकस्त दी। प्रग्गनानंदा ने आक्रामक प्रदर्शन के साथ टाईब्रेकर में वेस्ली सो को हराया, तो गुकेश ने क्लासिकल मुकाबले में मुश्किल एंडगेम से बचने के बाद विंसेंट कीमर के खिलाफ शानदार वापसी की। हालांकि, शुरुआती राउंड का सबसे बड़ा उलटफेर तब हुआ जब अलीरेजा फिरौजा ने क्लासिकल चेस में वर्ल्ड नंबर 1 मैग्नस कार्लसन को चौंका दिया, जिससे नॉर्वे के सुपरस्टार को घरेलू मैदान पर एक दुर्लभ हार का सामना करना पड़ा। प्रग्गनानंदा और वेस्ली सो ने एक

संतुलित क्लासिकल गेम खेला जो एक तनावपूर्ण मुकाबले के बाद ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इसके बाद आर्मागेडन टाई-ब्रेक में प्रग्गनानंदा ने तेज और आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने खेल की गति बढ़ाई और लगातार दबाव बनाते हुए बेहतर चालें खेलीं, जिससे उन्हें बोनस प्वाइंट्स हासिल करने में मदद मिली और उन्होंने निर्णायक गेम अपने नाम कर लिया। एक और बेहद रोमांचक मुकाबले में गुकेश का सामना जर्मनी के विंसेंट कीमर से हुआ। मैच के एंडगेम में ऐसा लग रहा था कि कीमर जीत के करीब हैं और मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन गुकेश मुश्किल में पड़ गए हैं, लेकिन गुकेश ने शानदार धैर्य और मजबूत डिफेंस दिखाते हुए हार टाल दी और मुकाबले को ड्रॉ कराने में सफल रहे। इसके बाद आर्मागेडन टाई-ब्रेक में उन्होंने उसी आत्मविश्वास के साथ खेल जारी रखा और बाजी पलटते हुए शानदार जीत दर्ज की। कार्लसन पर फिरोजा की जीत दिन का सबसे अहम नतीजा साबित हुई। कार्लसन गेम के ज्यादातर हिस्से में कंट्रोल में दिखे, लेकिन समय की बहुत ज्यादा दिक्कत की वजह से एक बड़ी गलती कर बैठे, जिसका पूरा फायदा फ्रेंच ग्रैंडमास्टर ने उठाया।

मेग लैनिंग ने विक्टोरिया का कॉन्ट्रैक्ट छोड़ा, फुल-टाइम फ्रीलांस क्रिकेटर के रूप में सक्रिय रहेंगी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग ने 2026-27 के घरेलू सीजन के लिए विक्टोरिया के साथ स्टेट कॉन्ट्रैक्ट साइन न करने का फैसला किया है। इसके साथ ही वह अब एक फुल-टाइम फ्रीलांस क्रिकेटर बनने जा रही हैं। यह उनके इंटरनेशनल करियर के बाद का एक और अहम कदम है। लैनिंग का यह कदम महिला क्रिकेट के तेजी से बदलते माहौल को दिखाता है, जहां टॉप खिलाड़ी दुनिया भर की लीग में फ्रेंचाइजी के मौकों को ज्यादा अहमियत दे रही हैं। 2023 में इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायर होने के बाद से, 34 साल की लैनिंग महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा मांग वाली खिलाड़ियों में से एक बनी हुई हैं। उन्होंने भारत और इंग्लैंड में टूर्नामेंट खेले हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया के घरेलू क्रिकेट में उनकी भागीदारी धीरे-धीरे कम होती गई है। हालांकि इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायर होने के बाद भी वह विक्टोरिया की टीम में बनी रहीं, लेकिन पिछले घरेलू सीजन में उनकी भूमिका काफी सीमित थी। उन्होंने महिला नेशनल क्रिकेट लीग सीजन में सिर्फ चार मैच खेले और महिला बिग बैश लीग के ब्रेक के बाद वापस नहीं लौटीं। इसके बजाय, उन्होंने

अपना ध्यान विदेशों में फ्रेंचाइजी से जुड़ी जिम्मेदारियों पर लगाया। लैनिंग अभी महिला प्रीमियर लीग में यूपी वॉरियर्स की कप्तानी कर रही हैं और इंग्लैंड की 'द हंड्रेड' लीग में मैनचेस्टर ओरिजिनल्स की कप्तान हैं। इस साल की शुरुआत में, उन्होंने टी20 ब्लास्ट के लिए लंकाशायर के साथ भी कॉन्ट्रैक्ट साइन किया, जिससे ग्लोबल टी20 सर्किट के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और मजबूत हुई है। विमेंस बिग बैश लीग में उनका भविष्य अभी भी खुला है, क्योंकि मेलबर्न स्टार्स के साथ एक शानदार सीजन बिताने के बावजूद, फिलहाल उनके पास उस फ्रेंचाइजी का कोई कॉन्ट्रैक्ट नहीं है। पिछले साल, लैनिंग इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली दूसरी खिलाड़ी रहीं। उन्होंने 53.22 की औसत और 136 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से कुल 479 रन बनाए थे। खेलने के अलावा, लैनिंग ने कोचिंग के मौकों को भी तलाशना शुरू कर दिया है। हाल के महीनों में, उन्होंने इंग्लैंड और श्रीलंका के साथ हुई एक त्रिकोणीय सीरीज के दौरान ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीम के साथ एक डेवलपमेंट कोच के तौर पर काम किया। यह इस बात का संकेत है कि आने वाले सालों में खेल के क्षेत्र में उनकी भूमिका और भी बड़ी हो सकती है। लैनिंग के कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट से हटने की पुष्टि करते हुए, क्रिकेट विक्टोरिया की महिला क्रिकेट प्रमुख कर्बी शॉर्ट ने कहा, 'हम मेग के फैसले का समर्थन करते हैं। महिलाओं का खेल बढ़ रहा है, और खिलाड़ियों को अब दुनिया भर में मौके मिल रहे हैं, जो आखिरकार हमारे खेल के विकास का एक सकारात्मक संकेत है।' शॉर्ट ने माना कि पिछले सीजन का प्रदर्शन उम्मीदों से काफी नीचे रहा, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि संगठन लंबे समय तक टीम को फिर से खड़ा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, 'हम निश्चित रूप से पिछले सीजन के नतीजों पर गर्व नहीं करते हैं। हम समझते हैं कि हमें बेहतर करने की जरूरत है। सबसे ज्यादा हौसला बढ़ाने वाली बात यह है कि हमारे आत्म-निरीक्षण से एक साझा समझ बनी है। हम जिस तरह का माहौल बनाना चाहते हैं, उस पर स्टाफ और खिलाड़ियों के बीच एक राय है। इसमें बहुत ज्यादा मेहनत लगेगी, और हम समझते हैं कि यह रातों-रात समाधान खोजने के बजाय, धीरे-धीरे आगे बढ़ने का मामला होगा। हम निश्चित रूप से इसके लिए तैयार हैं।' नए सीजन से पहले विक्टोरिया की टीम में हुए अहम बदलावों में लैनिंग भी शामिल हैं, उनके साथ सह-उप-कप्तान एला हेवर्ड भी हैं, जो पहले ही तस्मानिया में शामिल हो चुकी हैं।

विक्टोरिया 2025-26 के खराब सीजन के बाद टीम को फिर से खड़ा करने की कोशिश कर रही है, जिसमें वे 12 मैचों में एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाए थे। राज्य की टीम को टेला व्लामिंक और टेस फ्लिंटॉफ की सेवाएं फिर से मिलेंगी, क्योंकि दोनों खिलाड़ियों ने अपने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के कॉन्ट्रैक्ट गंवा दिए थे।

ऑस्ट्रेलियाई महिला हॉकी टीम ने रोमांचक मुकाबले में भारत को 2-1 से हराया

पर्थ। चार मैचों की मैत्रीपूर्ण महिला हॉकी सीरीज के पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने भारत को 2-1 से हराकर विजयी शुरुआत की। दोनों टीमों के बीच खेला गया मुकाबला काफी रोमांचक रहा, जिसमें भारतीय टीम ने शुरुआती बढ़त तो हासिल की, लेकिन मेजबान टीम ने दूसरे हाफ में वापसी करते हुए जीत दर्ज कर ली। मैच के पहले क्वार्टर में भारत ने आक्रामक खेल दिखाया और इसका फायदा टीम को जल्द ही मिला। भारतीय खिलाड़ी नवनीत कौर ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलते हुए टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद भारतीय रक्षा पंक्ति ने मजबूत प्रदर्शन किया और पहले हाफ तक ऑस्ट्रेलिया को बराबरी का मौका नहीं दिया। दूसरे हाफ में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने खेल की गति बढ़ाई और लगातार दबाव बनाया। तीसरे क्वार्टर में टीम को पेनल्टी कॉर्नर के जरिए मौका मिला, जिसे एबी विल्सन ने गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद चौथे क्वार्टर में भी उन्होंने एक और पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागकर ऑस्ट्रेलिया को बढ़त दिला दी। भारतीय टीम ने अंतिम क्षणों में बराबरी की कोशिश की, लेकिन वह सफल नहीं हो सकी और मुकाबला 2-1 से ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में समाप्त हुआ। अब दोनों टीमें सीरीज के दूसरे मुकाबले में 27 मई को भारतीय समयानुसार शाम 5 बजे एक बार फिर आमने-सामने होंगी, जहां भारतीय टीम वापसी के इरादे से मैदान पर उतरेगी।

रेलवे समाचार

चर्लापल्ली-दानापुर के मध्य एक फेरा के लिए स्पेशल ट्रेन का परिचालन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)। ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ एवं लंबी प्रतीक्षा सूची को कम करने के उद्देश्य से दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा एक फेरा के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। यह गाड़ी संख्या 07089 चर्लापल्ली-दानापुर स्पेशल ट्रेन दिनांक 27 मई 2026 (बुधवार) को एक फेरे के लिए चलाई जाएगी।

विवरण इस प्रकार है - गाड़ी संख्या संख्या 07089 चर्लापल्ली-दानापुर स्पेशल ट्रेन दिनांक 27 मई 2026 (बुधवार) को चर्लापल्ली से 13.00 बजे रवाना होगी तथा मार्ग के मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुये दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के ठहराव वाले चांदाफोर्ट आगमन 20.10 बजे प्रस्थान 20.12बजे, गोंदिया स्टेशन आगमन 23.45 बजे प्रस्थान 23.55 बजे, बालाघाट जंक्शन आगमन 00.40 बजे प्रस्थान 00.42 बजे, नैनपुर स्टेशन आगमन 02.20 बजे प्रस्थान 02.22 बजे होकर अपने निर्धारित मार्ग ए होते हुए 23.55 बजे दानापुर स्टेशन पहुंचेगी। कोच संरचना - इस विशेष ट्रेन में कुल 24 आईसीएफ कोच लगाए जाएंगे, जिनमें 03 एसी टू टियर, 05 एसी थ्री टियर, 10 स्लीपर, 04 सामान्य द्वितीय श्रेणी एवं 02 एसएलआर कोच शामिल रहेंगे। रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि वे इस विशेष ट्रेन सुविधा का लाभ उठाकर अपनी यात्रा को सुगम एवं सुविधाजनक बनाएं।

विश्व पर्यावरण दिवस अभियान-2026 के अंतर्गत रायपुर मंडल द्वारा एकल उपयोगी प्लास्टिक का प्रतिबंध एवं प्लास्टिक उन्मूलन जागरूकता अभियान

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल द्वारा 'विश्व पर्यावरण दिवस अभियान-2026' (15 मई से 5 जून 2026) के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं जन-जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 23 से 26 मई 2026 तक मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों पर व्यापक जन-जागरूकता एवं निरीक्षण अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान स्टेशनों पर स्थापित प्लास्टिक बोतल क्रशिंग मशीनों की कार्यस्थिति, उपयोगिता एवं रखरखाव का गहन निरीक्षण किया गया। साथ ही यात्रियों एवं कर्मचारियों को एकल-उपयोग प्लास्टिक के प्रयोग से बचने, प्लास्टिक अपशिष्ट के उचित निपटान तथा स्टेशन

परिसरों को स्वच्छ एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाए रखने हेतु जागरूक एवं प्रेरित किया गया। रेलवे स्टेशनों पर विक्रेताओं के स्टॉलों पर एकल-उपयोग प्लास्टिक प्रतिबंध के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए विशेष अभियान। रेलवे स्टेशनों पर जल पुनर्भरण केन्द्रों का निरीक्षण। यात्रियों को अपनी बोतलें स्वयं भरने के लिए प्रोत्साहित करना, जिससे एकल-उपयोग प्लास्टिक बोतलों का उपयोग कम हो। स्वच्छ पानी की बोतलों के उपयोग और प्लास्टिक प्रदूषण के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए रेलवे स्टेशनों पर पीए सिस्टम के माध्यम से प्लास्टिक की बोतलों और अन्य वस्तुओं के सीमित उपयोग के लिए यात्रियों से सहयोग मांगा गया इस संबंध में यात्रियों से प्रतिक्रिया भी ली गई। ट्रेन सेवा प्रदाताओ आपूर्तिकर्ताओं को खानपान और अन्य सेवाओं में नए प्लास्टिक उत्पादों के स्थान पर रिसाइकिल विकल्पों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। माइक्रो प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने के लिए विक्रेताओं/कर्मचारियों को पैकेजिंग बैग (दूध और अन्य डेयरी उत्पाद) को आंशिक रूप से कम करने के बारे में जागरूक किया गया।

बिलासपुर-पोत्तनूर के मध्य (एक तरफा) एक फेरे के लिए समर स्पेशल ट्रेन का परिचालन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)। ग्रीष्मकालीन मौसम के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये उन्हें कंफ़र्म बर्थ के साथ यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु बिलासपुर-पोत्तनूर के मध्य (एक तरफा) एक फेरे के लिए समर स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है । गाड़ी संख्या 08201 बिलासपुर-पोत्तनूर समर स्पेशल ट्रेन बिलासपुर से दिनांक 28 मई गुरुवार 2026 को चलेगी । इस गाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, एवं गोंदिया स्टेशनों में दिया गया है। गाड़ी संख्या 08201 बिलासपुर-पोत्तनूर, समर स्पेशल ट्रेन बिलासपुर से दिनांक 28 मई गुरुवार 2026 को 21.10 बजे रवाना होगी तथा रायपुर आगमन 23.30 बजे, प्रस्थान 23.35 बजे, दूसरे दिन दुर्ग आगमन 00.30 बजे, प्रस्थान 00.35 बजे, गोंदिया आगमन 03.30 बजे, प्रस्थान 03.40 बजे, बल्लारशाह आगमन 08.10 बजे, प्रस्थान 08.20 बजे, वरंगल आगमन 12.05 बजे, प्रस्थान 12.10 बजे, विजयवाड़ा आगमन 16.00 बजे, प्रस्थान 16.10 बजे, गूडूर आगमन 22.00 बजे, प्रस्थान 22.05 बजे, तीसरे दिन रेणिगुंटा आगमन 00.05 बजे, प्रस्थान 00.15 बजे, काटपाडी आगमन 02.15 बजे, प्रस्थान 02.20 बजे, जोलारपेट्टै 03.40 बजे, प्रस्थान 03.45 बजे, सेलम आगमन 05.45 बजे, प्रस्थान 05.48 बजे, ईरोड आगमन 06.30 बजे, प्रस्थान 06.40 बजे, तिरुप्पूर आगमन 07.30 बजे, प्रस्थान 07.32 बजे होते हुये 09.45 बजे पोत्तनूर पहुंचेगी। इस समर स्पेशल ट्रेन में 2 एसएलआरडी, 02 सामान्य, 16 स्लीपर सहित कुल 20 कोच की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

व्यापार समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित हेतु संपर्क करे : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, बुधवार, 27 मई 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

सेंसेक्स 479 अंक गिरकर 76,009 पर बंद हुआ, निफ्टी भी 118 अंक टूटा

नई दिल्ली। सोमवार को शेयर बाजार में आई जोरदार तेजी के बाद मंगलवार को हुई मुनाफा वसूली, अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ने की आशंका और एनएसई के पांच सूचकांकों और स्टॉक्स के डेरिवेटिव कांट्रैक्ट्स की मंथली एक्सपायरी होने की वजह से घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को पूरे दिन तेज उठापटक का माहौल बना रहा। दिन भर के उतार चढ़ाव के बाद शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में बना बंद हुआ। सेंसेक्स मंगलवार को ऊपरी स्तर से 700 अंक से अधिक फिसल गया। इसी तरह निफ्टी भी ऊपरी स्तर से 200 अंक से अधिक टूट गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.63 प्रतिशत और निफ्टी 0.49 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। मंगलवार को शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद स्मॉल और मिडकैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन मंगलवार को कारोबार के बाद बढ़ कर 468.91 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 467.74 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को मंगलवार को कारोबार से करीब 1.17 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। मंगलवार को दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,385 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,169 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,033 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 183 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में मंगलवार को 2,973 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,402 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,571 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से आठ शेयर बढ़त के साथ और 22 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 18 शेयर हरे निशान में और 32 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स मंगलवार को 264.82 अंक की कमजोरी के साथ 76,224.14 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। कारोबार के दौरान बीच-बीच में बिकवाली के मामूली झटके भी लगते रहे, इसके बावजूद सेंसेक्स ओपनिंग लेवल से 400 अंक से अधिक की रिकवरी कर 138.08 अंक की मजबूती के साथ 76,627.04 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण इस सूचकांक ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से मंगलवार को कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक दिन के ऊपरी स्तर से 717.36 अंक टूट कर 579.28 अंक की कमजोरी के साथ 75,909.68 अंक के स्तर तक गिर गया। अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से करीब 100 अंक की रिकवरी कर 479.26 अंक की गिरावट के साथ 76,009.70 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

अमेजन डॉट इन पर मेगा क्रिकेट फेस्टिवल लाइव होने के साथ ही शुरू हुआ शॉपिंग का सुपर ओवर

- स्पोर्ट्स गियर, मर्चेंडाइज और कलेक्टिबल्स, फिटनेस से जुड़ी जरूरी चीजों और स्मार्ट टीवी सेट-अप पर 70% तक की छूट
- अमेजन पे आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड के साथ अनलिमिटेड 5% कैशबैक, साथ ही चुनिंदा बैंक कार्डों पर अतिरिक्त ऑफर्स

बेंगलुरु। जैसे-जैसे क्रिकेट का सीजन अपने रोमांचक मोड़ पर पहुंच रहा है, Amazon.in पर मेगा क्रिकेट फेस्टिवल क्रिकेट की जरूरी चीजों, फिटनेस गियर, फैन मर्चेंडाइज और होम एंटरटेनमेंट पर शानदार डील्स लेकर आया है। चाहे गली क्रिकेट मैच के लिए तैयारी करनी हो, अपने खेल को निखारने के लिए ट्रेनिंग करनी हो, अपनी किट को अपग्रेड करना हो या हर मैच के लिए एकदम सही व्यूइंग एक्सपीरियंस सेट करना हो, ग्राहक एसजी, डीएससी, कॉकटू, बोल्डफिट, निविया और प्लेआर सहित टॉप ब्रांडों के एआई-क्यूरेटेड बड़े सिलेक्शन से खरीदारी कर सकते हैं, जिसमें क्रिकेट से प्रेरित एक्सेसरीज और कलेक्टिबल्स भी शामिल हैं। शानदार डील्स के अलावा, अमेजन के एआई-संचालित शॉपिंग टूल्स सही प्रॉडक्ट्स को खोजना पहले से कहीं ज्यादा आसान बना देते हैं। उलझन में हैं कि अभी शुरुआत करने वाले दस साल के बच्चे के लिए कौन सा बल्ला सही रहेगा, या वेट ट्रेनिंग के लिए कौन से जिम ग्लव्स सही ग्रिप

देते हैं? अपनी जरूरतों के हिसाब से अंग्रेजी और हिंग्लिश सहित अन्य भारतीय भाषाओं में तुरंत और खास रेकमेंडेशन पाने के लिए रूफस से पूछें। कोई कलेक्टिबल या किट बैग पसंद आया और आप वैसा ही कुछ और देखना चाहते हैं? 'मुझे 2000 रुपये के अंदर क्रिकेट की थीम वाले कमरे की सजावट का सामान और फैंस के लिए कलेक्टिबल्स दिखाओ।' या 'अगले मैच के दिन के लिए फैन एक्सेसरीज और क्रिकेट मर्चेंडाइज दिखाओ।' जैसे प्रॉम्प्ट्स आजमाएं। लेंस एआई इसे तुरंत ढूंढने में आपकी मदद कर सकता है, इसके लिए ब्रांड का नाम या सटीक प्रॉडक्ट टाइटल जानने की जरूरत नहीं है। रिव्यू हाइलाइट्स हजारों कस्टमर रिव्यूज को आसान बनाकर सबसे जरूरी चीजों को सामने लाता है, चाहे वह टीवी पर पिक्चर क्लैरिटी और साउंड क्वालिटी हो या योग मैट पर ड्यूरेबिलिटी, जिससे खरीदारों को बड़े फैसले आत्मविश्वास के साथ लेने में मदद मिलती है। जब कोई डील आपका ध्यान खींचे, तो प्राइस हिस्ट्री ट्रैक करती है कि समय के साथ किसी प्रॉडक्ट की कीमत में क्या बदलाव आए हैं, ताकि आप यह जानते हुए शॉपिंग कर सकें कि आपको बेहतरीन वैल्यू मिल रही है। इस क्रिकेट सीजन में, अमेजन के एआई टूल्स को रिसर्च करने दें और आप अपना पूरा ध्यान गेम पर रखें। मैच-डे की जरूरी चीजों से लेकर क्रिकेट गियर और फिटनेस मस्ट-हैव्स तक, मेगा क्रिकेट फेस्टिवल में हर क्रिकेट प्रेमी के लिए कुछ न कुछ है।

अडाणी ग्रीन एनर्जी ने शुरू किया दुनिया का सबसे बड़ा बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम

नई दिल्ली। अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने गुजरात के खावड़ा में 3.37 गीगावाट प्रति घंटे क्षमता वाला बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) सफलतापूर्वक चालू कर दिया है। एजीईएल का दावा है कि यह चीन के बाहर दुनिया का सबसे बड़ा सिंगल-लोकेशन बैटरी स्टोरेज प्रोजेक्ट है और साथ ही दुनिया में सबसे तेज़ी से तैयार किए गए बड़े प्रोजेक्ट्स में भी शामिल है। एजीईएल के अनुसार इसमें मार्च 2026 में शुरू की गई 1.37 गीगावॉट-आवर क्षमता भी शामिल है, जिसके बाद गुजरात के खावड़ा में एजीईएल की कुल ऑपरेशनल बीईएसएस क्षमता बढ़कर 3.37 गीगावॉट-आवर हो गई है। ये पूरा प्रोजेक्ट साइट पर निर्माण शुरू होने के केवल 10 महीनों के भीतर ही पूर्ण हो गया। इस प्रोजेक्ट की शुरुआत ग्रिड की भरोसेमंद क्षमता बढ़ाने, पीक समय में बिजली आपूर्ति को मजबूत करने और रिन्यूएबल एनर्जी के जरिए बड़े स्तर पर 24 घंटे लगातार बिजली उपलब्ध कराने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है। एजीईएल का लक्ष्य वित्त वर्ष 2027 में 10 गीगावॉट-आवर से ज्यादा बैटरी स्टोरेज क्षमता जोड़ने और अगले पाँच वर्षों में इसे बढ़ाकर 50 गीगावॉट-आवर तक पहुंचाने का है। कंपनी के मुताबिक एजीईएल का 3.37 गीगावॉट-आवर बीईएसएस इतना क्लीन एनर्जी स्टोर कर सकता है कि उससे लगभग 10 लाख घरों को पूरे एक दिन तक बिजली दी जा सकती है। यह इंदौर तथा चंडीगढ़ जैसे शहरों या पूरे गोवा राज्य की पीक बिजली जरूरत को सपोर्ट करने में सक्षम है। इसके अलावा यह 1.2 करोड़ से ज्यादा एलईडी बल्बों को लगातार 10 घंटे तक बिजली दे सकता है। बैटरी स्टोरेज को रिन्यूएबल एनर्जी आधारित बिजली व्यवस्था को स्थिर बनाए रखने और चौबीसों घंटे ग्रीन पॉवर उपलब्ध कराने में बड़ा बदलाव लाने वाला कदम माना जा रहा है।

खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों की 2025-26 में 1.87 लाख करोड़ रुपये की रिकॉर्ड बिक्री

नई दिल्ली। देश में स्वदेशी उत्पादों की बढ़ती मांग और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती के बीच खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने नया इतिहास रच दिया है। वित्त वर्ष 2025-26 में खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों की बिक्री रिकॉर्ड स्तर को छूते हुए 1.87 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गई है। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के मुताबिक खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों की बिक्री बीते वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक के रिकॉर्ड स्तर 1,87,105 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। आयोग के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में यह बिक्री 1,70,551.37 करोड़ रुपये रही थी, जबकि वित्त वर्ष 2013-14 में यह 31,154 करोड़ रुपये थी। इसके अलावा खादी उत्पादन ने भी नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। वित्त वर्ष 2013-14 में 811.08 करोड़ रुपये का खादी उत्पादन आज बढ़कर 3973.98 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह 390 फीसदी वृद्धि भारत के कारीगरों की मेहनत, कौशल और स्वदेशी शक्ति का प्रमाण है। केवाईसी ने बताया कि गांवों की अर्थव्यवस्था आज भारत के विकास की सबसे मजबूत ताकत बन रही है। केवीआईसी के चेयरमैन मनोज कुमार ने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 में खादी एव ग्रामोद्योग उत्पादों की बिक्री 2.51 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है। आंकड़ों के अनुसार खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों का उत्पादन वित्त वर्ष 2013-14 में 26,109 करोड़ रुपये रहा था, जो वित्त वर्ष 2025-26 में करीब पांच गुना होकर 1,25,296 करोड़ रुपये हो गया। यह 380 फीसदी वृद्धि ग्रामीण उद्योगों की बढ़ती शक्ति और आत्मनिर्भर भारत की नई तस्वीर को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि रोजगार के मोर्चे पर खादी और ग्रामोद्योग गतिविधियों में कुल रोजगार वित्त वर्ष 2013-14 में 1.30 करोड़ था।

मोटोरोला भारत के टॉप 5 स्मार्टफोन ब्रांड्स में शामिल, प्रीमियम पोर्टफोलियो विस्तार, एआई नवाचार और आकर्षक डिजाइन से अपनी ग्रोथ को मजबूती दी

नई दिल्ली। मोबाइल टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में ग्लोबल लीडर मोटोरोला, जिसे टेक्नोलॉजी रिसर्च फर्म टेकआर्क ने भारत का अग्रणी एआई स्मार्टफोन ब्रांड माना है, ने देश में अपनी मजबूत विकास गति जारी रखी है। आईडीसी क्वार्टर्ली मोबाइल फोन ट्रैकर की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, 2026 की पहली तिमाही में मोटोरोला टॉप 5 स्मार्टफोन ब्रांड्स में शामिल हो गया है। 2024 की पहली तिमाही में 9वें स्थान से 2026 की पहली तिमाही में 5वें स्थान तक पहुंचकर मोटोरोला ने पिछले दो वर्षों में भारतीय स्मार्टफोन उद्योग में सबसे मजबूत ग्रोथ में से एक दर्ज की है। इस दौरान कंपनी का मार्केट शेयर 4.6% से बढ़कर 8.9% हो गया है। यह उल्लेखनीय बढ़त सार्थक इनोवेशन, अलग डिजाइन, प्रीमियम अनुभव और सभी सेगमेंट में उपभोक्ता-केंद्रित रणनीति के कारण संभव हुई है। मोटोरोला की लगातार बढ़ती रफ्तार के पीछे उसका विस्तारित पोर्टफोलियो है, जिसमें moto g, motorola edge, razr और हाल ही में लॉन्च की गई motorola signature series शामिल हैं। पूरे पोर्टफोलियो में मोटोरोला ने असाधारण फॉर्म फैक्टर्स, नए रंग, मटेरियल्स और फिनिश, एडवांस्ड कैमरा सिस्टम, एआई-पावर्ड इमेजिंग, इमर्सिव डिस्प्ले टेक्नोलॉजी और अन्य जरूरी

इनोवेशन पर लगातार ध्यान दिया है। हाल ही में लॉन्च किया गया Motorola Razr Fold मोटोरोला की प्रीमियम इनोवेशन लीडरशिप को और मजबूत करता है। यह नेक्स्ट-जनरेशन फोल्डेबल टेक्नोलॉजी, एडवांस्ड एआई क्षमताओं और DXOMARK गोल्ड लेबल से सम्मानित कैमरा सिस्टम को एक बेहतरीन फ्लैगशिप अनुभव में जोड़ता है। मोटोरोला की प्रीमियम पोजिशनिंग अब केवल टेक्नोलॉजी तक सीमित नहीं है, बल्कि लाइफस्टाइल-केंद्रित अनुभवों की ओर बढ़ रही है। इसमें डिजाइन, फैशन और एंटरटेनमेंट में पैंटोनइ, स्वारोस्की, बोस, कॉर्निंग के साथ साझेदारी और फीफा वर्ल्ड कप 2026™ का ऑफिशियल स्मार्टफोन पार्टनर बनना शामिल है। भारत में कंपनी की ग्रोथ को रिटेल, ई-कॉमर्स और आफ्टर-सेल्स सर्विस नेटवर्क में मजबूत साझेदारियों ने भी सहारा दिया है, जिससे मोटोरोला विभिन्न बाजारों में उत्पादों की पहुंच, सर्विस अनुभव और दीर्घकालिक उपभोक्ता मूल्य को लगातार बेहतर बना रहा है। मोटोरोला के मैनेजिंग डायरेक्टर, टीएम नरसिम्हन ने इस उपलब्धि के बारे में कहा, 'भारत में हमारी लगातार बढ़ती सफलता यह दर्शाती है कि उपभोक्ता मोटोरोला के सार्थक इनोवेशन, आइकॉनिक डिजाइन और प्रीमियम अनुभव पर पूरा भरोसा करते हैं। पैंटोन™, बोस और सोनी जैसे बड़े ब्रांड्स के साथ हमारी साझेदारी बेहतरीन अनुभव देने की हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है, जो एआई इनोवेशन से और बेहतर बनते हैं। इससे हमारी ब्रांड की लोकप्रियता और आकर्षण लगातार बढ़ रहा है। हम भारतीय उपभोक्ताओं के लिए प्रीमियम इनोवेशन और बेहतर कनेक्टेड अनुभव देने के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं और भारत में अपनी मजबूत विकास गति को आगे भी जारी रखने को लेकर आश्वस्त हैं। मोटोरोला अपने सॉफ्टवेयर और कनेक्टेड इकोसिस्टम को और मजबूत कर रहा है। हाल ही में घोषित Motorola Qira™ के जरिए कंपनी अब स्मार्टफोन, पीसी, टैबलेट, वियरेबल्स और पर्सनल ऑडियो डिवाइस के बीच बेरोकटोक इंटरऑपरेबिलिटी सुनिश्चित कर रही है।

बॉलीवुड समाचार

चेहरे पर झुर्रियां, बढ़ा हुआ वजन, कई बार सेल्फ डाउट से गुजरी हूं : रूबीना दिलैक

आईएएस की तैयारियों में मसरूफ रूबीना जब मिस शिमला बनीं, तो उनके जीवन की धारा मुड़ गई। हालांकि उनके पिता डिस्ट्रिक्ट लैंग्वेज ऑफिसर और लेखक थे, तो भाषा और कला उनके खून में थी। सेब का बिजनेस करने वाले मध्यमवर्गीय परिवार से ताल्लुक रखने वाली रूबीना हिमाचल के एक छोटे-से कस्बे से मुंबई आईं और छोटे पर्दे पर छा गईं। अपने करियर में हर तरह का काम कर चुकी रूबीना आज दो जुड़वा बेटियों की प्राउड मदर हैं। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपने नए रिएलिटी शो द वार्ड से।

बेटे की चाह में हम तीन बहनें पैदा हुईं

आम तौर पर हमारे समाज में बेटे को घर का चिराग और वंश को आगे बढ़ाने वाला माना जाता है। रूबीना ने स्वयं इस मानसिकता को अपने घर में महसूस किया है। वे कहती हैं, 'मुझसे आज भी मेरे गांव वाले पूछते हैं कि रूबीना तुम बेटे के लिए ट्राई करने वाली हो, तो मैं कहती हूं, मुझे भगवान ने दो बेटियां दी हैं। मैं एक जॉइंट फैमिली में पैदा हुई और मेरे घर में भी हम तीन बहनें थीं। मेरी मम्मी पर हमेशा से प्रेशर था कि बेटा होना चाहिए और उसी प्रेशर के चलते हम तीन बेटियां भी हुईं। मगर फिर मेरे पिता ने तय किया कि वे अपनी तीनों बेटियों को बेटे की तरह पालेंगे। अब जब मैं अपने घर जाती हूं और दादी को पूछती हूं कि क्या उन्हें अब भी पोते की खलिश है, तो वे कहती हैं, नहीं अब वे संतुष्ट हैं अपनी पोतियों से, तो कहीं न कहीं पीढ़ी दर पीढ़ी हमने ये सोच बदली है। ये हमारे लिए बहुत बड़ी जीत है, क्योंकि हम एक छोटे-से गांव से ताल्लुक रखते हैं।

शूटिंग के पहले दिन 17 रीटेक्स दिए

एक समय मिस शिमला रहीं रूबीना ने जब टेलिविजन की दुनिया में कदम रखा, तो वे टीवी पर हाइली पेड ऐक्ट्रेस बन गईं, मगर उन्हें भी सेल्फ डाउट्स से गुजरना पड़ा है। वे कहती हैं कि वे अब भी सेल्फ डाउट्स का सामना करती हैं। उन्हीं के शब्दों में, 'अपनी टीनएज में सेल्फ डाउट था कि थोड़ी-सी छोटी हूं, थोड़ी-सी मोटी हूं, शायद रोल्स न मिलें। एक डायरेक्टर ने तो मुंह पर कह दिया था कि आपका चेहरा काफी नेगेटिव है, तो आपको रोल नहीं मिलेंगे। पहले शो में तो अभिनय आता ही नहीं था। शूटिंग के पहले दिन 17 रीटेक्स दिए थे। डायरेक्टर ने पीछे से चिल्ला कर कहा, 'ये सेब की पेटी जो हिमाचल से लाए हो, हिमाचल वापिस भेज दो।' मगर फिर अपने सेल्फ डाउट्स की जर्नी को मैंने एक सक्सेज स्टोरी में तब्दील किया।

चेहरे की झुर्रियां, बढ़ा हुआ वजन, सेल्फ डाउट : मदरहुड में रूबीना के लिए सेल्फ वर्थ बहुत मुश्किल रहा। वे कहती हैं, 'हाल ही में किसी ने मुझसे पूछा कि आप आखिरी बार कब रोईं, तो मैंने कहा, 'चार दिन पहले' क्योंकि अभी डेढ़ -दो महीने पहले ही मैं अपने पोस्टपार्टम डिप्रेशन से उबरी हूं। उस डिप्रेशन के बारे में आपको कोई नहीं बताता। इस पोस्टपार्टम डिप्रेशन में हमें ये कह कर चुप कराया जाता है, 'डोंट बी अ वोक'(दिखावे की प्रगतिशील मत बनो) मगर ये वॉकिज़्म नहीं है। एक साइकॉलजिकल अंधियारा होता है। मैं पूरी तरह से बदल गई थी। सूखा चेहरा, रूखे बाल, बढ़ा हुआ वजन, चेहरे पर झुर्रियां दिखने लगी थीं। सुबह उठकर आईना देखने का मन नहीं करता था। कभी बिलकुल खाने का मन नहीं करता, तो कभी सिर्फ स्ट्रेस ईटिंग किया करती थी।'

बच्चे की पैदाइश के बाद मां का नया जन्म होता है : रूबीना बताती हैं, 'मैं तो अपने बच्चों के लिए सिब्लिंग्स इसलिए चाहती थी कि मेरे बच्चे आपस में दोस्त हों। हम तीन बहनें हैं और एक उम्र मैंने कर समझ में आया कि बहनों से बेहतर दोस्त कोई हो ही नहीं सकता। ट्विंस मॉम के रूप में मेरी अपनी खुद की एक जर्नी रही है, तो यही वजह है कि मैं शो द वार्ड से जुड़ी।' अपने शो के बारे में वे कहती हैं, 'यह एक ऐसी कम्युनिटी है जहां नई मांएं और गर्भवती महिलाएं 10 दिनों तक साथ रहती हैं। हमने यह प्लेटफॉर्म इसलिए बनाया क्योंकि अक्सर लोग कहते हैं, 'मां बनना कौन-सी बड़ी बात है?' लेकिन सच तो यह है कि यह दुनिया की सबसे बड़ी बातों में से एक है। एक औरत जब बच्चे को जन्म देती है, तो उसके साथ उसका खुद का भी नया जन्म होता है। हमारे शो में 10 महिलाएं हैं जो अलग-अलग ट्राइमेस्टर में हैं। वे अपने अनुभव, डर, भावनाएं, मूड स्विंग्स और पूरी यात्रा को एक-दूसरे के साथ साझा करती हैं।

नई वेब सीरीज में सान्विका का दिखेगा नया अंदाज

छोटे परदे की अभिनेत्री सान्विका अब बिल्कुल अलग अवतार में नजर आने वाली हैं। वेब सीरीज 'पंचायत' में अपने सरल और मासूम किरदार 'रिंकी' से दर्शकों का दिल जीतने वाली सान्विका की आगामी वेब सीरीज 'लुटेरी दुल्हन' में वह एक चालाक और शातिर महिला ठग का किरदार निभा रही हैं। इस सीरीज में सान्विका 'माया' नाम की ऐसी महिला बनी हैं, जो अमीर युवकों को अपने प्रेमजाल में फंसाकर उनसे शादी करती है और बाद में नकदी व कीमती गहने लेकर फरार हो जाती है। सान्विका ने बताया कि इस किरदार के लिए चुना जाना उनके लिए खुद एक बड़ा आश्चर्य था। उन्होंने कहा कि शुरुआत में उन्हें भी संदेह था कि क्या वह पर्दे पर इतनी चालाक और ग्रे शेड वाली महिला का किरदार प्रभावी ढंग से निभा पाएंगी। हालांकि, उन्हें खुशी है कि सीरीज के निर्माताओं ने उन पर भरोसा जताया और उन्हें यह चुनौतीपूर्ण भूमिका सौंपी। अभिनेत्री का कहना है कि उन्होंने इस

किरदार को कभी जोखिम के रूप में नहीं देखा। उनके अनुसार, वह हमेशा अपने दिल की सुनकर ही किसी प्रोजेक्ट का चयन करती हैं। जब उन्होंने पहली बार सीरीज की कहानी का सार सुना, तभी वह इस किरदार को निभाने के लिए उत्साहित हो गई थीं। सान्विका ने कहा कि यह भूमिका उनके अब तक निभाए गए किरदारों से बिल्कुल अलग है और एक कलाकार के तौर पर उन्हें अपने अभिनय की विविधता दिखाने का मौका देती है। उन्होंने बताया कि जहां आजकल ज्यादातर अपराध आधारित वेब सीरीज गंभीर और तनाव से भरी होती हैं, वहीं 'लुटेरी दुल्हन' को हल्के-फुल्के और मनोरंजक अंदाज में पेश किया गया है। अपराध की पृष्ठभूमि होने के बावजूद इसमें मनोरंजन और हास्य का संतुलन बनाए रखने की कोशिश की गई है। सान्विका ने यह भी कहा कि यह पूरी तरह महिला केंद्रित कहानी है।

आमतौर पर फिल्मों और सीरीज में पुरुष अपराधियों और पुलिस अधिकारियों के बीच टकराव दिखाया जाता है, लेकिन इस कहानी की खास बात यह है कि अपराध करने वाली महिला भी है और उसका पीछा करने वाली पुलिस अधिकारी भी महिला ही है। उनके मुताबिक, यही पहलू इस सीरीज को बाकी अपराध आधारित कहानियों से अलग और ताजा बनाता है। ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर बढ़ते महिला प्रधान कंटेंट को लेकर सान्विका ने कहा कि अब दर्शकों की पसंद बदल चुकी है।

मेकर्स को 'रामायण' से कमाई के रिकार्ड टूटने की उम्मीद

अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' को फिल्ममेकर नितेश तिवारी और निर्माता नमित मल्होत्रा भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी फिल्मों में शामिल करने की तैयारी में जुटे हैं। इस मेगाबजट पौराणिक फिल्म को लेकर फिल्म इंडस्ट्री और ट्रेड मार्केट में अभी से जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। रणबीर कपूर अभिनीत यह फिल्म रिलीज से पहले ही कमाई के कई बड़े रिकॉर्ड तोड़ सकती है। रिपोर्ट्स के अनुसार, दो भागों में बनाई जा रही इस फिल्म के थिएट्रिकल और डिजिटल राइट्स को लेकर बड़े स्तर पर बातचीत चल रही है। बताया जा रहा है कि निर्माता नमित मल्होत्रा हिंदी थिएट्रिकल डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स के लिए इंडस्ट्री के कई बड़े डिस्ट्रीब्यूटर्स से चर्चा कर रहे हैं। फिल्म के हिंदी थिएट्रिकल राइट्स के लिए करीब 450 करोड़ रुपये की मांग की गई है, जिसने ट्रेड जगत में हलचल मचा दी है। ट्रेड विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह सौदा 300 से 400 करोड़ रुपये के बीच भी तय होता है, तो यह भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे बड़ी डिस्ट्रीब्यूशन डील साबित हो सकती है। फिलहाल हिंदी सिनेमा में सबसे बड़ी थिएट्रिकल डील का रिकॉर्ड शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' के नाम बताया जा रहा है, जिसके ऑल इंडिया डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स लगभग 250 करोड़ रुपये

में बिकने की चर्चा है। ऐसे में 'रामायण' के लिए मांगी जा रही कीमत को बेहद बड़ी और ऐतिहासिक माना जा रहा है। सिर्फ सिनेमाघरों तक ही नहीं, बल्कि डिजिटल और सैटेलाइट राइट्स को लेकर भी मेकर्स की बड़ी योजना है। खबरों के मुताबिक, ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने फिल्म के दोनों भागों के संयुक्त स्ट्रीमिंग राइट्स के लिए करीब 700 करोड़ रुपये का प्रस्ताव दिया था, लेकिन निर्माताओं ने इस ऑफर को स्वीकार नहीं किया। कहा जा रहा है कि मेकर्स डिजिटल राइट्स के लिए करीब 1000 करोड़ रुपये की डील की उम्मीद कर रहे हैं। करीब 4000 करोड़ रुपये के विशाल बजट में तैयार हो रही इस फिल्म को भारतीय सिनेमा का सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट माना जा रहा है।

सुशासन तिहार बना संबल-ट्राइसाइकिल मिलने से खोमीन कल्लो के जीवन में लौटी आत्मनिर्भरता की मुस्कान

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

कई बार छोटी–सी सहायता किसी व्यक्ति के जीवन में बड़ा बदलाव लेकर आती है। मोहला–मानपुर–अंबागढ़ चौकी जिले के ग्राम पंचायत हांडीटोला की रहने वाली 30 वर्षीय दिव्यांग हितग्राही सुश्री खोमीन कल्लो की जिंदगी में भी ऐसा ही सकारात्मक परिवर्तन आया है। बौनापन (शॉर्ट स्टेचर) से प्रभावित सुश्री खोमीन को रोजमर्रा के कार्यों और आने–जाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। घर से बाहर निकलना, सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होना या छोटे–छोटे जरूरी काम करना भी उनके लिए चुनौती बन जाता था। 40 प्रतिशत दिव्यांगता से जूझ रही सुश्री खोमीन अक्सर दूसरों पर निर्भर रहने को मजबूर थीं। लेकिन सुशासन तिहार 2026 के तहत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर ने उनके जीवन में नई उम्मीद जगा दी। ग्राम पंचायत हांडीटोला में आयोजित शिविर में समाज कल्याण विभाग द्वारा उन्हें ट्राइसाइकिल प्रदान की गई, जिसने उनके जीवन को नई दिशा दे दी।

सुश्री खोमीन कल्लो भावुक होकर कहती हैं कि ट्राइसाइकिल मिलने के बाद अब उन्हें अपने दैनिक कार्यों के लिए किसी का इंतजार नहीं करना पड़ता। अब वे आसपास आसानी से आ–जा सकती हैं और आत्मविश्वास के साथ अपने काम खुद करने लगी हैं। उनके चेहरे पर लौट आई मुस्कान इस बात की गवाही देती है कि शासन की योजनाएं जब जरूरतमंदों तक पहुंचती हैं, तो वे केवल सुविधा नहीं बल्कि सम्मान और आत्मनिर्भरता भी प्रदान करती हैं। उन्होंने शासन, जिला प्रशासन और समाज कल्याण विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सहायता उनके लिए किसी नई जिंदगी से कम नहीं है। अब वे पहले की तुलना में अधिक आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी महसूस कर रही हैं।

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला-रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्रं./ अ-27/ वर्ष 2025-26
ग्राम गौरभाट प.ह.नं.- 38

एतद् द्वारा ग्रामवासी एवं सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, आवेदक रमेशर पिता बरातू निवासी ग्राम गौरभाट तहसील आरंग जिला रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर लेख किया है कि, ग्राम गौरभाट प.ह.नं. 38 रा.नि.मं. भिलाई तहसील आरंग स्थित भूमि खसरा नंबर 432, 551, 589, 594, 761, 765, 1027, 1030, 1571 रकबा क्रमशः 0.0200, 0.5600, 1. 2600, 0.1100, 0.6200, 0.4100, 0.1000, 0.1500, 1.2300 हे. कुल खसरा 09 कुल रकबा 4.4600 हे. खातेदार रमेशर पिता बरातू के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूमि को आवेदक एवं अनावेदकगण के मध्य खाता विभाजन कर अलग–अलग खातेदार के रूप में दर्ज किये जाने हेतु निवेदन किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनाँक 05.06.2026 तक स्वंय या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनाँक 20.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर — तहसीलदार आरंग

प्रारूप (एक)

समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

नाबालिग पुत्री/पुत्र के नाम परिवर्तन के मामले में (अभिभावक / पालक द्वारा प्रमाणित)

मै कल्याण दास मानिकपुरी (माता/पिता/पालक का नाम) सुपुत्र /सुपुत्री पूर्वी मानिकपुरी गाँव / शहर योगेन्द्र नगर, मांढर, तहसील–धरसींवा, जिला–रायपुर, छ.ग. राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र / सुपुत्री का नाम पूवी मानिकपुरी (पुराना नाम) से बदल कर पूर्वी मानिकपुरी (नया नाम) रख लिया है।

कल्याण दास मानिकपुरी

प्रारूप (एक)

समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं उषा निषाद (पुराना नाम जिसे बदला जाना है) पिता श्री संतोष निषाद पता शहीद नगर खमतराई रायपुर छ.ग. ने अपना नाम उषा निषाद (पुराना नाम) से बदलकर उमा निषाद UMA NISHAD (नया नाम) रख लिया है।

उषा निषाद

प्रारूप (एक)

समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

नाबालिग पुत्री/पुत्र के नाम परिवर्तन के मामले में (अभिभावक / पालक द्वारा प्रमाणित)

मै दौलत राम प्रजापति (माता/पिता/पालक का नाम) सुपुत्र/सुपुत्री अमृता प्रजापति (AMRITA PRAJAPATI) गाँव / शहर बेन्द्री रोड, उरला, अछोली–2, रायपुर, जिला–रायपुर, छ.ग. राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र/सुपुत्री का नाम अमृता चक्रवर्ती (AMRUTA CHAKRAWARTI) (पुराना नाम) से बदल कर अमृता प्रजापति (AMRITA PRAJAPATI) (नया नाम) रख लिया है।

दौलत राम प्रजापति

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2026 हेतु नामांकन आमंत्रित

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

31 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे 5 से 18 वर्ष आयु वर्ग के प्रतिभाशाली बच्चे

/ बच्चों की असाधारण प्रतिभा और उपलब्धियों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2026 के लिए नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रतिवर्ष भारत के राष्ट्रपति द्वारा उन बच्चों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाया है।

महिला एवं बाल विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस वर्ष नामांकन प्रक्रिया 31 जुलाई 2026 तक जारी रहेगी। 5 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चे इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। पुरस्कार के लिए वीरता, सामाजिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जैसी श्रेणियों में उल्लेखनीय उपलब्धियों को मान्यता दी जाएगी।

विभाग ने बताया कि इच्छुक बच्चे, अभिभावक, संस्थाएं अथवा अन्य व्यक्ति योग्य बच्चों का नामांकन कर सकते हैं। स्व–नामांकन की सुविधा भी उपलब्ध है। सभी आवेदन केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे।

आवेदन एवं विस्तृत जानकारी के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल https://awards.gov.in /पर विजिट किया जा सकता है।

राज्य शासन ने प्रदेश के प्रतिभाशाली बच्चों से अधिक से अधिक संख्या में आवेदन करने की अपील की है, ताकि उनकी उपलब्धियों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सके।

सुशासन तिहार- शिविरों में त्वरित निराकरण से जरूरतमंदों को मिली बड़ी राहत

पेंशन के 80 आवेदन मौके पर स्वीकृत, दिव्यांग हितग्राही को मिली बैटरी चलित ट्राई सायकिल

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

/ सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत प्रदेशभर में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर आमजन के लिए राहत और भरोसे का माध्यम बनते जा रहे हैं। शिविरों में प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण कर पात्र हितग्राहियों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मौके पर ही प्रदान किया जा रहा है।

जशपुर जिले के जनपद पंचायत पत्थलगांव अंतर्गत ग्राम पंचायत घरजियाबथान में आयोजित सुशासन शिविर में समाज कल्याण विभाग को पेंशन हेतु प्राप्त 80 आवेदनों का शिविर स्थल पर ही निराकरण किया गया। जांच उपरांत सभी आवेदक पात्र पाए गए, जिससे हितग्राहियों में खुशी का माहौल रहा।

शिविर में दिव्यांग हितग्राही श्री मोहित राम कोरवा को सहायक उपकरण के रूप में बैटरी चलित ट्राई सायकिल प्रदान की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक श्रीमती गोमती साय उपस्थित रहीं। इसी प्रकार मोहला–मानपुर–अम्बागढ़ चौकी जिले में भी सुशासन तिहार 2026 के तहत आयोजित जन समस्या निवारण शिविरों में हृष्टश्वक्र सर्वे के वंचित पात्र हितग्राहियों को जनपद पंचायतों के सहयोग से पेंशन स्वीकृति आदेश पत्र वितरित किए जा रहे हैं। प्रशासन की इस पहल से पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ शीघ्रता से मिल रहा है और ग्रामीण क्षेत्रों में शासन के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ है। सुशासन तिहार के माध्यम से राज्य सरकार आमजन की समस्याओं के समाधान, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के विस्तार तथा अंतिम व्यक्ति तक शासन की पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में लगातार कार्य

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला-रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्रं./202605112500088/अ-6/वर्ष 2025-26
ग्राम पंधी प.ह.नं.- 31

एतद् द्वारा ग्रामवासी एवं सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, आवेदिका/हकप्राप्तकर्ता टुकेश निर्मलकर पिता संतराम निर्मलकर निवासी ग्राम पंधी तहसील आरंग जिला रायपुर छ.ग. द्वारा ग्राम पंधी प.ह.नं. 31 रा.नि.मं. भिलाई तहसील आरंग स्थित भूमि खसरा नंबर 1881/1 का भाग, 244 का भागं रकबा क्रमशः 0.0200, 0.1900 हे. कुल खसरा 02 कुल रकबा 0.2100 हे. खातेदार संतराम पिता मधुकर के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। खातेदार (हकत्यागकर्ता) संतराम पिता मधुकर के द्वारा पंजीकृत हकत्याग पत्र दिनाँक 11.05. 2026 को आवेदक के नाम पर निष्पादित किया गया है। हकत्याग पत्र के आधार पर आवेदक के द्वारा उक्त आवेदित भूमि पर नामांतरण किये जाने हेतु प्रकरण भूईया मद से दर्ज कर इस न्यायालय में प्रकरण प्रारंभ किया गया है।

अत: एव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/ संस्था को दावा आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनाँक 10.06.2026 तक स्वंय या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनाँक 21.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर — तहसीलदार आरंग

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला-रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्रं./अ-6-अ, वर्ष 2025-26 ग्राम मोखला प.ह.नं.- 34

एतद् द्वारा ग्रामवासी एवं सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, आवेदक वीरू पिता राजकुमार वगैरह निवासी ग्राम मोखला तहसील आरंग जिला रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर लेख किया है कि, ग्राम मोखला प.ह.नं. 34 रा.नि.मं. भिलाई तहसील आरंग स्थित भूमि खसरा नंबर 2376, 2379, 2395, रकबा क्रमशः 0.06, 0.05, 0.19 हे. खातेदार वीरू पिता राजकुमार वगैरह के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदक की उक्त आवेदित भूमि में सहखातेदार छीता बाई पिता दुकलहा का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज है तथा शासकीय दस्तावेज एवं आधार कार्ड में सीता बाई दर्ज है। आवेदक द्वारा राजस्व अभिलेख में हुये त्रुटि को सुधाकर सीता बाई दर्ज करने तथा शेष खातेदारो का नाम यथावत् रखे जाने हेतु निवेदन किया गया है।

अत: एव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/ संस्था को दावा आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनॉक 26.05.2026 तक स्वंय या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनाँक 11.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर — तहसीलदार आरंग

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला-रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्रं./202605112500086/अ-6/वर्ष 2025-26
ग्राम पंधी प.ह.नं.- 31

एतद् द्वारा ग्रामवासी एवं सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, आवेदक / हकप्राप्तकर्ता टोकेश्वर निर्मलकर पिता संतराम निर्मलकर निवासी ग्राम पंधी तहसील आरंग जिला रायपुर छ.ग. द्वारा ग्राम पंधी प.ह.नं. 31 रा.नि.मं. भिलाई तहसील आरंग स्थित भूमि खसरा नंबर 244 का भाग रकबा 0.200 हे. खातेदार संतराम पिता मधुकर के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। खातेदार (हकत्यागकर्ता) संतराम पिता मधुकर के द्वारा पंजीकृत हकत्याग पत्र दिनाँक 11.05.2026 को आवेदक के नाम पर निष्पादित किया गया है। हकत्याग पत्र के आधार पर आवेदक के द्वारा उक्त आवेदित भूमि पर नामांतरण किये जाने हेतु प्रकरण भूईया मद से दर्ज कर इस न्यायालय में प्रकरण प्रारंभ किया गया है।

अत: एव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनॉक 10.06.2026 तक स्वंय या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनॉक 21.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर — तहसीलदार आरंग

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला-रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्रं./202605112500087/अ-6/वर्ष 2025-26
ग्राम पंधी प.ह.नं.- 31

एतद् द्वारा ग्रामवासी एवं सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, आवेदक/हकप्राप्तकर्ता तनेश्वर निर्मलकर पिता संतराम निर्मलकर निवासी ग्राम पंधी तहसील आरंग जिला रायपुर छ.ग. द्वारा ग्राम पंधी प.ह.नं. 31 रा.नि.मं. भिलाई तहसील आरंग स्थित भूमि खसरा नंबर 244 का भाग रकबा 0.200 हे. खातेदार संतराम पिता मधुकर के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। खातेदार (हकत्यागकर्ता) संतराम पिता मधुकर के द्वारा पंजीकृत हकत्याग पत्र दिनॉक 11.05.2026 को आवेदक के नाम पर निष्पादित किया गया है। हकत्याग पत्र के आधार पर आवेदक के द्वारा उक्त आवेदित भूमि पर नामांतरण किये जाने हेतु प्रकरण भूईया मद से दर्ज कर इस न्यायालय में प्रकरण प्रारंभ किया गया है।

अत: एव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनाँक 10.06.2026 तक स्वंय या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनाँक 21.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर — तहसीलदार आरंग

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला-रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्रं./202605112500011/अ-6/वर्ष 2025-26
ग्राम गोइंदा प.ह.नं.- 36

एतद् द्वारा ग्रामवासी एवं सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, आवेदक सुदर्शन निषाद पिता स्व. राजाराम निषाद निवासी ग्राम गोइंदा तहसील आरंग जिला रायपुर छ. ग. द्वारा (क्र. 02) ग्राम गोइंदा प.ह.नं. 36 रा.नि.मं. भिलाई तहसील आरंग स्थित भूमि खसरा नंबर 543/1 रकबा 0.0700 हे. भूमि खातेदार सुदर्शन निषाद पिता स्व. राजाराम निषाद के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज भूमि लेखनं निषाद– पिता स्व. राजाराम के नाम पर पंजीकृत बैनामा निष्पादित किया गया है।

(क. 01) ग्राम गोइंदा प.ह.नं. 36 रा.नि.मं. भिलाई तहसील आरंग स्थित भूमि खसरा नंबर 560 का भाग रकबा 0.0600 हे. भूमि खातेदार लेखन निषाद पिता स्व. राजाराम निषाद के नाम पर राजस्व अभिलेख मे दर्ज भूमि सुदर्शन निषाद पिता स्व. राजाराम निषाद के नाम पर पंजीकृत बैनामा निष्पादित किया गया है। आवेदक द्वारा तबादला नामा के आधार पर आवेदित भूमि पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किये जाने पर प्रकरण भूईया से दर्ज होकर इस न्यायालय में प्रकरण प्रारंभ किया गया।

अत: एव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनॉक 08.06.2026 तक स्वंय या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनाँक 20.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर — तहसीलदार आरंग

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला-रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्रं./202605112500012/अ-6/वर्ष 2025-26
ग्राम गोइंदा प.ह.नं.- 36

एतद् द्वारा ग्रामवासी एवं सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, आवेदक शुभचंद निषाद पिता रंजनसिंग निषाद निवासी ग्राम गोइंदा तहसील आरंग जिला रायपुर छ.ग. द्वारा (क्र. 02) ग्राम गोइंदा प.ह.नं. 36 रा.नि.मं. भिलाई तहसील आरंग स्थित भूमि खसरा नंबर 543/3 रकबा 0.0800 हे. भूमि खातेदार शुभचंद निषाद पिता रंजनसिंग निषाद के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज भूमि लेखन निषाद के नाम पर पंजीकृत बैनामा निष्पादित किया गया है।

(क. 01) ग्राम गोइंदा प.ह.नं. 36 रा.नि.मं. भिलाई तहसील आरंग स्थित भूमि खसरा नंबर 560 का भाग रकबा 0.0600 हे. भूमि खातेदार लेखन निषाद पिता स्व. राजाराम निषाद के नाम पर राजस्व अभिलेख मे दर्ज भूमि शुभचंद निषाद पिता रंजनसिंग निषाद के नाम पर पंजीकृत बैनामा निषादित किया गया है। आवेदक द्वारा तबादला नामा के आधार पर आवेदित भूमि पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किये जाने पर प्रकरण भूईया से दर्ज होकर इस न्यायालय में प्रकरण प्रारंभ किया गया।

अत: एव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनॉक 08.06.2026 तक स्वंय या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनाँक 20.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर — तहसीलदार आरंग

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला-रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्रं./202605112500011/अ-6/वर्ष 2025-26
ग्राम गोइंदा प.ह.नं.- 36

एतद् द्वारा ग्रामवासी एवं सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, आवेदिका सतरूपा पिता स्व. सुभाष निषाद एवं अन्य 03 निवासी ग्राम गोइंदा तहसील आरंग जिला रायपुर छ.ग. द्वारा (क्र. 02) ग्राम गोइंदा प.ह.नं. 36. रा.नि.मं. भिलाई तहसील आरंग स्थित भूमि खसरा नंबर 543/4 रकबा 0.0800 हे. भूमि खातेदार सतरूपा पिता स्व. सुभाष निषाद वगैरह के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज भूमि लेखन निषाद पिता स्व. राजाराम के नाम पर पंजीकृत बैनामा निष्पादित किया गया है।

(क. 01) ग्राम गोइंदा प.ह.नं. 36 रा.नि.मं. भिलाई तहसील आरंग स्थित भूमि खसरा नंबर 556 का भाग रकबा 0.0600 हे. भूमि खातेदार लेखन निषाद पिता स्व. राजाराम निषाद के नाम पर राजस्व अभिलेख मे दर्ज भूमि सतरूपा पिता स्व. सुभाष निषाद एवं अन्य 03 के नाम पर पंजीकृत बैनामा निष्पादित किया गया है। आवेदिका द्वारा तबादलानामा के आधार पर आवेदित भूमि पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किये जाने पर प्रकरण भूईया से दर्ज होकर इस न्यायालय में प्रकरण प्रारंभ किया गया।

अत: एव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनाँक 08.06.2026 तक स्वंय या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनाँक 20.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर — तहसीलदार आरंग

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला-रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्रं./202604112500021/अ-6/वर्ष 2025-26
ग्राम भलेरा प.ह.नं.- 38

एतद् द्वारा ग्रामवासी एवं सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, आवेदक सालिक साहू पिता मानिकराम निवासी ग्राम भलेरा तहसील आरंग जिला रायपुर छ.ग. द्वारा (क्र. 02) ग्राम भलेरा प.ह.नं. 38 रा.नि.मं. भिलाई तहसील आरंग स्थित भूमि खसरा नंबर 368 रकबा 0.040 हे. खातेदार सालिक साहू पिता मानिकराम के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज भूमि धनेश पिता मानिकराम वगैरह के नाम पर पंजीकृत बैनामा निष्पादित किया गया है।

(क्र.01) ग्राम भलेरा प.ह.नं. 38 रा.नि.मं. भिलाई तहसील आरंग स्थित भूमि खसरा नंबर 367 रकबा 0.0400 हे. भूमि खातेदार धनेश पिता मानिकराम वगैरह के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज भूमि खातेदार सालिक साहू पिता मानिकराम के नाम पर पंजीकृत बैनामा निष्पादित किया गया है। आवेदक के द्वारा आपसी सहमति से पंजीकृत बैनामा दिनाँक 16.03. 2026 को आवेदक एवं अनावेदक के मध्य आपसी सहमति से तबादला नामा पेश किया गया है। आवेदक द्वारा तबादला नामा के आधार पर आवेदित भूमि पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किये जाने पर प्रकरण भूईया से दर्ज होकर इस न्यायालय में प्रकरण प्रारंभ किया गया।

अत: एव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनॉक 29.05.2026 तक स्वंय या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनाँक 20.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर — तहसीलदार आरंग

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला-रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्रं./ अ-27/ वर्ष 2025-26 ग्राम अकोलीकला प.ह.नं.- 36

एतद् द्वारा ग्रामवासी एवं सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, आवेदक राजेन्द्र पिता बिरझू एवं अन्य 01 निवासी ग्राम गोइंदा तहसील आरंग जिला रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर लेख किया है कि, ग्राम अकोलीकला प.ह.नं. 36 रा.नि.मं. भिलाई तहसील आरंग स्थित भूमि खसरा नंबर 581 रकबा कमशः 0.7800 हे. आवेदकगण एवं अनावेदक के नाम पर राजस्व अभिलेख मे संयुक्त रूप से दर्ज है। उक्त भूमि को आवेदकगण एवं अनावेदक पारिवारिक बटवारानामा दिनॉक 20.05.2026 को आपसी सहमति से निष्पादित किया गया है। उक्त भूमि को आवेदकगण एवं अनावेदक पारिवारिक बटवारानामा के आधार पर खाता विभाजन किये जाने हेतु निवेदन किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनाँक 05.06.2026 तक स्वंय या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनाँक 20.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर — तहसीलदार आरंग

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला-रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्रं./202605112500010/अ-6/वर्ष 2025-26
ग्राम गोइंदा प.ह.नं.- 36

एतद् द्वारा ग्रामवासी एवं सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, आवेदक भूखन निषाद पिता रंजनसिंग निषाद निवासी ग्राम गोइंदा तहसील आरंग जिला रायपुर छ.ग. द्वारा (क. 02) ग्राम गोइंदा प.ह.नं. 36 रा.नि.मं. भिलाई तहसील आरंग स्थित भूमि खसरा नंबर 543/2 रकबा 0.0800 हे. भूमि खातेदार भूखन निषाद पिता रंजनसिंग निषाद के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज भूमि लेखन निषाद पिंता स्व. राजाराम के नाम पर पंजीकृत बैनामा निष्पादित किया गया है।

(क्र. 01) ग्राम गोइंदा प.ह.नं. 36 रा.नि.मं. भिलाई तहसील आरंग स्थित भूमि खसरा नंबर 556 का भाग रकबा 0.0600 हे. भूमि खातेदार लेखन निषाद पिता स्व. राजाराम निषाद के नाम पर राजस्व अभिलेख मे दर्ज भूमि भूखन निषाद पिता रंजनसिंग निषाद के नाम पर पंजीकृत बैनामा निष्पादित किया गया है। आवेदक द्वारा तबादलानामा के आधार पर आवेदित भूमि पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किये जाने पर प्रकरण भूईया से दर्ज होकर इस न्यायालय में प्रकरण प्रारंभ किया गया।

अत: एव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनाँक 08.06.2026 तक स्वंय यां अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनाँक 20.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर — तहसीलदार आरंग

न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्रमांक /अ-6/2025-2026
रायपुर, दिनांक 26/05/2026
ग्राम-गोगांव, प.ह.नं.-107/50, तहसील व जिला रायपुर

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता आवेदक हितेश कुमार साहू पिता स्व. चंदू लाल साहू निवासी 7/78 गुढियारी न्यू रीया बेकरी शुकवारी बाजार, रायपुर (छ.ग.) द्वारा इस न्यायालय में आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है कि आवेदक के पिता स्व. चंदू लाल साहू पिता स्व. मोतीलाल साहू के संयुक्त स्वामित्व की भूमि वाके मौजा ग्राम गोगांव, प.ह.न. -107/50, तहसील व जिला रायपुर (छ.गमें स्थित है, जिसका खसरा नंबर 473/32 रकबा 0. 016 वर्गफुट धारित की जाती है। आवेदक के पिता स्व. चंदू लाल साहू की मृत्यु दिनांक–26/11/2025 को हो चुकी है जिनका मृत्यु प्रमाण पत्र संलग्न हैं। मृतक स्व. चंदू लाल साहू के विधिक वारिसान (1) श्रीमती मीना साहू पति स्व. चंदू लाल साहू (2) विनय कुमार साहू (3) हितेश कुमार साहू पिसरान स्व. चंदू लाल साहू है, जो कि विधिक वारिसान होने के नाते संपत्ति का पूर्ण अधिकार रखते है, इसके अतिरिक्त अन्य कोई विधिक वारिसान नहीं है।

अत: मृतक भूमिस्वामी का नाम राजस्व अभिलेखों से विलोपित कर आवेदक वारिसान का नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज किये जाने हेतु आवेदक का निवेदन है। उक्त प्रकरण की सुनवाई इस न्यायालय में दिनांक 10/06/2026 को होगी। अतएव जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से मय दस्तावेज अपनी लिखित दावा/आपत्ति दिनांक 10/06/2026 को इस न्यायालय में पेश करें। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 26/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर — नायब तहसीलदार रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय अति. तहसीलदार रायपुर जिला रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

क्रमांक/अ-06/2025-26
रायपुर, दिनांक 26/05/2025
ग्राम खमतराई प.ह.नं. 38
तहसील रायपुर जिला रायपुर (छ.ग.)

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक वैकंटराम आत्मज एम. शिम्हाचलम 2. श्रीमति रजनी वेकंट राम पति वेकंटराम निवासी सेक्टर 1 शिवानंद नगर खमतराई वीर शिवाजी वार्ड रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. छ. ग.द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि ग्राम खमतराई प.ह.नं 38 रा.नि.मं. रायपुर 06 तहसील व जिला रायपुर स्थित परिवर्तित भूमि खसरा नंबर 451/8 रकबा 2000 वर्गफुट याने 185.87 वर्गमीटर जिसमें भूतल पर 900 वर्गफुट याने 83.64 वर्गमीटर पर आर.सी.सी छत वाला पक्का मकान निर्मित है, शेष 1100 वर्गफुट खुली भूमि धारित है। उक्त आवेदित भूमि को विक्रेता श्रीमती निर्मला चरडे पति श्री बाबूलाल चरडे जाति तेली निवासी सेक्टर शिवानंद नगर खमतराई वीर शिवाजी वार्ड रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. ने दिनांक 26.02.2004 को पंजीकृत विक्रय विलेख पत्र अनुसार आवेदकगण के पक्ष में निष्पादित किया गया है। उक्त विक्रय विलेख पत्र के आधार पर आवेदिका उक्त भूमि में अपना नाम दर्ज किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन सह–पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अत:आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई दिनांक 05/06/2026 तक स्वत: अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 26/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर — अति. तहसीलदार रायपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र. क्रमांक/अ-6/2025-2026
रायपुर, दिनांक 10/06/2026
ग्राम-गुढ़ियारी, प.ह.नं.-49, तहसील व जिला रायपुर

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता आवेदक अन्य कोई विधिक वारिसान नहीं है। हितेश कुमार साहू पिता स्व. चंदू लाल साहू, निवासी–7/78 गुढियारी न्यू रीया बेकरी शुकवारी बाजार, रायपुर (छ.ग.) द्वारा इस न्यायालय में आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है कि आवेदक के पिता स्व. चंदू लाल साहू पिता स्व. मोतीलाल साहू के संयुक्त स्वामित्व की भूमि वाके मौजा ग्राम गुढ़ियारी प.ह.न. 49. तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) में स्थित है, जिसका ब्लॉक / शीट नंबर–04, प्लॉट नंबर–169, खसरा नंबर 1138/23/5 रकबा 1618 वर्गफुट धारित की जाती है। आवेदक के पिता स्व. चंदू लाल साहू की मृत्यु दिनांक–26/11/2025 को हो चुकी है जिनका मृत्यु प्रमाण पत्र संलग्न हैं। मृतक स्व. चंदू लाल साहू के विधिक वारिसान (1) श्रीमती मीना साहू पति स्व. चंदू लाल साहू (2) विनय कुमार साहू (3) हितेश कुमार साहू पिसरान स्व. चंदू लाल साहू है, जो कि विधिक वारिसान होने के नाते संपत्ति का पूर्ण अधिकार रखते है, इसके अतिरिक्त अन्य कोई विधिक वारिसान नहीं है।

अत: मृतक भूमिस्वामी का नाम राजस्व अभिलेखों से विलोपित कर आवेदक वारिसान का नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज किये जाने हेतु आवेदक का निवेदन है। उक्त प्रकरण की सुनवाई इस न्यायालय में दिनांक 10/06/2026 को होगी। अतएव जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से मय दस्तावेज अपनी लिखित दावा/आपत्ति दिनांक 10/06/2026 को इस न्यायालय में पेश करें। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 26/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर — नायब तहसीलदार रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरित तहसीलदार रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

क्रमांक/अ-6/2025-26
रायपुर, दिनांक 20/05/2026
ग्राम खमतराई प0ह0नं0 38, तहसील रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक कपिल धरमवानी पिता स्व. दयाराम धरमवानी निवासी 30 ब्लॉक राधाकृष्ण मंदिर के पास शिवानंद नगर खमतराई रायपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम खमतराई प.ह.नं. 38 रा.नि.म. रायपुर 06 तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 238/418, रकबा 0.0180 हे. अर्थात 2000 वर्गफुट भूमि अनावेदक/हकत्यागकर्ता योगेश धरमवानी पिता स्व. दयाराम धरमवानी निवासी– 30 ब्लॉक राधाकृष्ण मंदिर के पास शिवानंद नगर खमतराई रायपुर द्वारा पंजीकृत हकत्याग विलेख दिनांक 01/12/2025 को आवेदक / हकप्राप्तकर्ता कपिल धरमवानी पिता स्व. दयाराम धरमवानी निवासी – 30 ब्लॉक राधाकृष्ण मंदिर के पास शिवानंद नगर खमतराई रायपुर छ.ग. के पक्ष में निष्पादित किया गया है। आवेदक द्वारा पंजीकृत हकत्याग नामा के आधार पर उक्त भूमि पर अपना नाम दर्ज किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अत: आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई दिनांक 05/06/2026 तक स्वत: या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 20/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरित तहसीलदार रायपुर 02

मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भ:- जिला रायपुर तहसील-रायपुर प.ह.न.- 00038 खमतराई ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक: CG-2026-27-108-1-533

ईश्तहार

तहसील रायपुर के प.ह.न. 00038 के अंतर्गत ग्राम खमतराई के वर्तमान भूमिस्वामी निर्मला सिंह राजपूत पिता/पति–स्व कपिल राजपूत पता–शिवानन्द नगर खमतराई रायपुर छग, मनीष सिंह राजपूत पिता/पति–स्व कपिल राजपूत पता–शहीद नगर खमतराई रायपुर छग के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 238/139 (0.0120) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता इन्द्रराज सिंह राजपूत पिता/पति–स्व कपिल राजपूत पता–शहीद नगर खमतराई रायपुर छग के नाम पर पंजीयन/फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 03/06/2026 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर 02 पर की जावेगी। उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 11/05/2026 को जारी किया जाता है।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-19 (धनेली) तहसील धरसींवा जिला रायपुर (छ.ग.)

आम सूचना

दिनांक 26.05.2026

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक द्वारका लखोटिया पिता/पति विजय कुमार लखोटिया निवासी शैलेन्द्र नगर रायपुर की ग्राम तेन्दुआ पहन 32 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर–19 (धनेली) तहसील धरसींवा जिला रायपुर छ.ग. में स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 222/35 रकबा 0.1950 हे. का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार धरसींवा के ज्ञापन क्रमांक क/वाचक/तह./2026 आदेश दिनांक 22/05/2026 के परिपालन में दिनांक 06/07/2026 को समय 12:00 बजे पश्चात किया जाना नियत है। अत: उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा आपत्ति हो, वे उक्त तिथि को पटवारी हल्का नबंर 32 के स्थित कार्यालय में अथवा सीमांकन स्थल में दस्तावेज सहित स्वंय अथवा अपने वैद्य अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

राजस्व निरीक्षक रायपुर–19 (धनेली)

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, बुधवार, 27 मई 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

तेज रफ्तार कार ने बाइक को मारी टक्कर, 2 मौतें

अम्बिकापुर, (प्रतिदिन राजधानी)

मई। सरगुजा जिले के लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत नेशनल हाईवे-130 (अंबिकापुर-बिलासपुर मुख्य मार्ग) पर रविवार रात सड़क हादसे में बाइक सवार दो ग्रामीणों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा जजगा गांव के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार कार ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

जानकारी के अनुसार मृतक जय सिंह (50) और रामकुमार (60), दोनों निवासी महुआटिकरा, किसी परिचित के यहां मेहमानी में जजगा आए हुए थे। रविवार रात करीब 10 बजे दोनों बाइक से वापस अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान जजगा की ओर से ग्रामीण सड़क से नेशनल हाईवे-130 पर पहुंचते ही बिलासपुर से अंबिकापुर की ओर जा रही तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद दोनों बाइक सवार सड़क पर कई मीटर तक घिसटते चले गए। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद कार चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही लखनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और प्रत्यक्षदर्शियों के आधार पर फरार चालक की तलाश की जा रही है।

इस हादसे के बाद महुआटिकरा गांव में शोक का माहौल है। ग्रामीणों ने हाईवे पर तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण और दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग की है।

मनरेगा की पहल से बेहतर हुई सिंचाई व्यवस्था

बलरामपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

जिले में ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने एवं जल संसाधनों के संरक्षण की दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। जिसका प्रभाव अब गांवों में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। विकासखण्ड शंकरगढ़ के ग्राम पंचायत खैराडीह में मनरेगा अंतर्गत निर्मित पक्की सिंचाई नाली आज किसानों के जीवन में बदलाव की नई कहानी लिख रही है।

मनरेगा अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में लगभग 800 मीटर लंबी पक्की सिंचाई नाली का निर्माण कराया गया। जो अब किसानों के सपनों और उम्मीदों की जीवन रेखा बन चुकी है। कभी खैराडीह के किसान बारिश पर निर्भर होकर खेती करने को मजबूर थे। पानी की कमी के कारण खेतों तक सिंचाई पहुंचाना बड़ी चुनौती थी। किसान स्वयं कच्ची नालियां बनाकर किसी तरह नहर का पानी खेतों तक पहुंचाते थे, लेकिन हर वर्ष बारिश और टूट-फूट से उनकी मेहनत बेकार हो जाती थी। इससे खेती की लागत बढ़ती थी और उत्पादन भी सीमित रहता था।

ग्रामीणों की मांग और आवश्यकता को देखते हुए गांव में पक्की सिंचाई नाली का निर्माण कराया गया। आज इसी नाली के माध्यम से लगभग 200 से 250 एकड़ कृषि भूमि में नियमित सिंचाई हो रही है। इसका सीधा लाभ गांव के 11 किसानों को मिल रहा है। अब उन्हें पानी के लिए संघर्ष नहीं करना पड़ता। खेतों तक समय पर पानी पहुंचने से फसल उत्पादन बढ़ा है पहले जहां किसान केवल एक फसल लेने तक सीमित थे, वहीं अब खरीफ और रबी दोनों सीजन में खेती कर रहे हैं। इससे उनकी आमदनी में वृद्धि के साथ आर्थिक स्थिति भी मजबूत हो रही है।

प्रशिक्षण से बढ़ती है संगठन की कार्यकुशलता -जायसवाल

बलरामपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय संगठन के आह्वान पर पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के अंतर्गत भाजपा जिला बलरामपुर-रामानुजगंज का दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग 22 एवं 23 मई को अंबिकापुर के रिंग रोड स्थित रिदम गार्डन में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ ध्वजारोहण, भारत माता, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलन तथा वंदेमातरम् के साथ हुआ।

उद्घाटन सत्र में कृषि मंत्री रामविचार नेताम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल ने की। इस अवसर पर प्रदेश मंत्री शिवनाथ यादव, सरगुजा संभाग प्रभारी अवधेश चंदेल तथा जिला संगठन प्रभारी ओमप्रकाश सिन्हा विशेष रूप से मौजूद रहे।

प्रशिक्षण वर्ग में उद्घाटन से समापन तक विभिन्न विषयों पर कुल 12 सत्र आयोजित किए गए। इनमें प्रशिक्षण वर्ग का महत्व, सरकार की गरीब कल्याण योजनाएं, संगठन की भूमिका, कार्यपद्धति, कार्यकर्ता विकास, गुण, आचरण एवं दायित्व बोध, कार्य विस्तार, छत्तीसगढ़ की संस्कृति एवं विरासत, लाभार्थी संपर्क, सोशल मीडिया, आईटी एवं एआई, मातृशक्ति समूह और महिला सशक्तिकरण, कार्यालय एवं कोष प्रबंधन, मीडिया प्रबंधन, भाजपा का इतिहास एवं विकास, बूथ प्रबंधन, विचार परिवार, एकात्म मानव दर्शन, संस्कृति राष्ट्रवाद, पंचनिष्ठा तथा देश के समक्ष राजनीतिक एवं सामाजिक चुनौतियों जैसे विषयों पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। ओमप्रकाश जायसवाल ने कहा कि प्रशिक्षण से संगठन की कार्यकुशलता बढ़ती है।

सूने घर में पड़ोसियों ने की थी चोरी, 2 बंदी

अंबिकापुर, (प्रतिदिन राजधानी)

कोतवाली थाना क्षेत्र में हुई चोरी का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी गए सोने-चांदी के आभूषण, नगदी रकम तथा पैशन प्रो मोटरसाइकिल बरामद की गई है। दोनों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

पुलिस ने बताया कि प्रार्थिया फुलेश्वरी कुजूर, अंबिकापुर 20 मई को अपने बेटे के साथ जमशेदपुर गई हुई थीं। 23 मई को वापस लौटने पर उन्होंने देखा कि घर का सामान बिखरा पड़ा है तथा प्रथम तल की बालकनी के पास दरवाजे की कुंडी टूटी हुई है। जांच करने पर घर से सोने का मंगलसूत्र, नाक का नग, चांदी की पायल, चांदी का सिक्का, आठ हजार रुपये नगद तथा पैशन प्रो मोटरसाइकिल गायब मिली। मामले में थाना कोतवाली में अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। जांच के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि प्रार्थिया के पड़ोसी संजय पटेल और अभिषेक चेरवा अचानक अधिक पैसे खर्च कर रहे हैं तथा सोने-चांदी के आभूषण बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहे हैं। पुलिस ने दोनों संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उन्होंने चोरी करना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने आरोपी अभिषेक चेरवा के कब्जे से सोने का मंगलसूत्र, लॉकेट, टॉप्स, चांदी की पायल और नगदी राशि बरामद की। वहीं आरोपी संजय पटेल की निशानदेही पर चोरी की गई पैशन प्रो मोटरसाइकिल पुलिस लाइन स्थित गौरी मंदिर के पास से बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपियों में अभिषेक चेरवा (24) एवं संजय पटेल (35) दोनों निवासी बौरीबांध काली मंदिर के पास अंबिकापुर शामिल हैं।

धोखाधड़ी: आरोपी को 3 साल कैद

सूरजपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

आबकारी विभाग में भृत्य (चपरासी) की नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी और फर्जी नियुक्ति आदेश देने के मामले में न्यायालय सूरजपुर ने आरोपी को 3 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है।

जानकारी के अनुसार, 10 जुलाई 2018 को प्रार्थी अशोक दास ने थाना प्रेमनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि हेमंत महंत ने आबकारी विभाग में नौकरी लगाने के नाम पर उससे 1 लाख रुपये लिए थे। इसके बाद आरोपी ने फर्जी नियुक्ति आदेश तैयार कर उसे सौंप दिया। जब प्रार्थी संबंधित विभाग में नियुक्ति की जानकारी लेने पहुंचा तो आदेश फर्जी पाया गया।

मामले में थाना प्रेमनगर में अपराध क्रमांक 53/18 के तहत धारा 420, 467, 468 एवं 471 भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया। पुलिस ने आरोपी हेमंत महंत ग्राम चंदननगर थाना प्रेमनगर को गिरफ्तार किया।

प्रकरण की विवेचना निरीक्षक बसंत लाल सिंह द्वारा की गई। विवेचना के दौरान पर्याप्त साक्ष्य संकलित कर आरोप पत्र न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी न्यायालय सूरजपुर में प्रस्तुत किया गया। अभियोजन पक्ष की ओर से एडीपीओ राजेश सिंह एवं पंकज कुमार बागड़े ने पैरवी की। मामले की सुनवाई न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सूरजपुर की न्यायाधीश श्रीमती रूचि मिश्रा की अदालत में हुई। न्यायालय ने 13 मई 2026 को सुनाए गए निर्णय में आरोपी हेमंत महंत को धोखाधड़ी का दोषी पाते हुए धारा 420 आईपीसी के तहत 3 वर्ष के कारावास एवं 500 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई।

10 लाख लौटाने की बात छिपाकर दर्ज कराई एफआईआर पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

बिलासपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

जमीन सौदे से जुड़े विवाद में दर्ज आपराधिक मामले पर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने दुर्ग के एक कारोबारी दंपत्ति को बड़ी राहत दी है। अदालत ने पाया कि शिकायतकर्ता को 10 लाख रुपये वापस मिलने की जानकारी छिपाकर एफआईआर दर्ज कराई गई थी। इसके बाद हाईकोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई तक चल रही आपराधिक कार्रवाई पर अंतरिम रोक लगा दी।

मामले की सुनवाई न्यायालय में न्यायमूर्ति की एकलपीठ में हुई। अगली सुनवाई 15 जून से शुरू होने वाले सप्ताह में होगी। इस मामले में दंपती को पहले ही अग्रिम जमानत मिल चुकी है।

भिलाई के सूर्य विहार कॉलोनी निवासी और सिंप्लेक्स कास्टिंग कंपनी की डायरेक्टर संगीता केतन शाह तथा उनके पति केतन एम. शाह ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर अपने खिलाफ चल रही आपराधिक कार्रवाई को चुनौती दी थी। मामले में बताया गया कि जमीन खरीद के लिए 15 लाख रुपये का सौदा हुआ था, जिसमें शिकायतकर्ता सुनील कुमार ने 10 लाख रुपये अग्रिम दिए थे। लेकिन जमीन का पंजीयन संभव नहीं होने पर 10 अक्टूबर 2024 को पूरी राशि वापस शिकायतकर्ता के खाते में जमा करा दी गई। हाईकोर्ट ने रिकॉर्ड पर मौजूद बैंक स्टेटमेंट का परीक्षण किया और माना कि 10 लाख रुपये वापस किए जा चुके थे। अदालत ने कहा कि यह महत्वपूर्ण तथ्य न तो आपराधिक शिकायत में बताया गया और न ही दीवानी वाद में। कोर्ट ने टिप्पणी की कि यदि मजिस्ट्रेट अदालत को यह जानकारी पहले दी जाती तो संभव है एफआईआर दर्ज करने का आदेश ही नहीं दिया जाता। याचिका में कहा गया कि शिकायतकर्ता ने नवंबर 2025 में पुलिस शिकायत, दिसंबर 2025 में सिविल केस और मार्च 2026 में धारा किया, लेकिन हर जगह यह तथ्य छिपाया कि उसे उसकी अग्रिम राशि वापस मिल चुकी थी।

इसी आधार पर हाईकोर्ट ने दुर्ग के न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की अदालत में चल रही आगे की कार्रवाई पर अंतरिम रोक लगा दी।

मतांतरण का आरोप, तीन लोगों पर केस दर्ज

बिलासपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

जिले के सीपत थाना क्षेत्र के मोहरा गांव में कथित प्रलोभन देकर मतांतरण कराने के आरोप का मामला सामने आया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर तीन लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और छत्तीसगढ़ धर्म स्वतंत्रता अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक मोहरा गांव के कछारीपारा निवासी 24 वर्षीय सुमित यादव ने लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि रविवार सुबह करीब 9 बजे गांव में रामस्वरूप सूर्यवंशी के घर प्रार्थना सभा आयोजित की गई थी। सूचना मिली थी कि कुछ लोग गांव के लोगों को विभिन्न प्रलोभन देकर ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इसके बाद सुमित यादव अपने साथियों धीरज भोई, सुभाष साहू और सुधांशु भोई के साथ मौके पर पहुंचे। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि वहां मौजूद रामस्वरूप सूर्यवंशी, जितेंद्र सूर्यवंशी और पंकज कुमार करियारे हिंदू समुदाय के लोगों को धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित कर रहे थे।

कोयले में मिलावट का खेल, डिपो संचालक गिरफ्तार

बिलासपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

हिर्री थाना पुलिस ने कोयला गबन और मिलावट के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कोल डिपो संचालक को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर उच्च गुणवत्ता वाले कोयले में निम्न स्तर का कोयला मिलाकर उद्योग को सप्लाई करने का आरोप है।

पुलिस ने आरोपी रामकुमार आर्य (49), निवासी चकरभाठा, को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। वह संबंधित कोल डिपो का संचालक बताया जा रहा है। कोयला परिवहन व्यवसाय से जुड़े आशीष केशरी ने हिर्री थाने में इसे लेकर लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि एसईसीएल रामपुर खदान से जी-6 ग्रेड का उच्च गुणवत्ता वाला कोयला दो ट्रेलरों में भरकर ब्रज आयरन एंड स्टील लिमिटेड भेजा गया था।

प्लांट पहुंचने पर कंपनी के लैब परीक्षण में दोनों ट्रेलरों में मौजूद कोयले की गुणवत्ता तय मानक से काफी कम पाई गई। जहां कोयले का जीसीवी 5500 से 5800 होना चाहिए था, वहीं जांच में यह 4203 और 4220 जीसीवी निकला इसके बाद कोयले में मिलावट और धोखाधड़ी की आशंका जताई गई हिर्री पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की। पुलिस ने घटनास्थल का पंचनामा और नक्शा तैयार किया। यार्ड में मिले कोयले के नमूने जांच के लिए सुरक्षित किए गए। साथ ही दोनों ट्रेलर और बाकी कोयले को भी जब्त कर लिया गया। जांच के दौरान पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर पुलिस ने 24 मई को आरोपी डिपो संचालक को गिरफ्तार कर लिया। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 316(3), 317(2), 317(4) और 3(5) के तहत अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस आगे की जांच कर रही है।

जल जीवन मिशन से बदली तस्वीर, 15 पावर पंप और हैंडपंपों से मिल रहा स्वच्छ पानी

मुंगेली, (प्रतिदिन राजधानी)

मुंगेली विकासखंड के ग्राम पौनी में पेयजल व्यवस्था अब पूरी तरह सुचारू हो गई है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा ग्रामीणों को नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे लोगों को बड़ी राहत मिली है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि जल जीवन मिशन अंतर्गत ग्राम पौनी पूर्ण कर लिया गया था। इसके बाद से जलाशय के माध्यम से लगभग 10 माह से नियमित विभाग की सतत निगरानी और त्वरित पहल के कारण ग्रामीणों को बेहतर जल सुविधा मिल रही है।

किसानों को निर्धारित दर मिले खाद-बीज-विधायक मोहले

मुंगेली, (प्रतिदिन राजधानी)

पारदर्शिता और समन्वय के साथ होगा खाद-बीज वितरण-कलेक्टर

जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में खरीफ वर्ष 2026 हेतु खाद एवं बीज की सुचारू वितरण व्यवस्था को लेकर समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी खरीफ सीजन में किसानों को गुणवत्तायुक्त उर्वरक उपलब्ध कराने और वितरण व्यवस्था को पारदर्शी बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान बैठक में विधायक पुन्नूलाल मोहले, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पाण्डेय, कलेक्टर कुन्दन कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल, अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पाण्डेय तिवारी, जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय, अपर कलेक्टर जी.एल.यादव, तीनों अनुविभागों के एसडीएम, जनपद पंचायत अध्यक्ष मुंगेली रामकमल सिंह परिहार, कृषि विभाग के उपसंचालक श्रीमती वीणा ठाकुर, सहायक संचालक कृषि श्रीमती ललिता मरावी, अनुविभागीय कृषि अधिकारी सुभाष सोनी, जिला उर्वरक निरीक्षक मनहरण कुर्रे, जिला किसान संघ अध्यक्ष, कृषि स्थायी समिति के सभापति, प्रगतिशील किसान तथा थोक उर्वरक विक्रेता उपस्थित थे।

विधायक पुन्नूलाल मोहले ने कहा कि खाद वितरण व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी होनी चाहिए। कृषकों के ऋण पुस्तिका में वितरित खाद का अनिवार्य रूप से अंकन किया जाए, जिससे एक ही किसान द्वारा अलग-अलग स्थानों से उठाव न हो। उन्होंने कहा कि किसानों को सॉयल हेल्थ कार्ड की जानकारी दें तथा मृदा परीक्षण के आधार पर खरीफ सीजन में आवश्यक खाद उपयोग के संबंध में जागरूक करें। सभी समितियों एवं दुकानों में खाद की रेट लिस्ट अनिवार्य रूप से चस्पा किया जाए तथा निर्धारित दर पर ही खाद वितरण सुनिश्चित हो। जिले के सभी किसानों को डिजिटल ऋण पुस्तिका शीघ्र उपलब्ध कराई जाए। संयुक्त खातेदार किसानों को उनके हिस्से के अनुपात में खाद वितरण किया जाए, ताकि किसी भी किसान को परेशानी का सामना न करना पड़े।

कलेक्टर ने कहा कि मुंगेली कृषि प्रधान जिला है, इसलिए खरीफ सीजन में खाद-बीज वितरण की व्यवस्था अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। सभी कृषकों को सहकारी एवं निजी क्षेत्र के माध्यम से पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से खाद उपलब्ध कराया जाएगा और किसानों को किसी भी प्रकार की वैकल्पिक व्यवस्था के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा। बड़े किसान अपने धारित रकबे के अनुसार खाद उठाव करें, ताकि सभी किसानों को समय पर खाद मिल सके, यूरिया का उपयोग केवल कृषि कार्यों में ही करें। उन्होने बताया कि खाद वितरण से जुड़े अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को नामांतरण, सीमांकन एवं विवादित-अविवादित बंटवारे के प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए, ताकि किसान समय पर एग्रीस्टैक में पंजीयन कर खाद प्राप्त कर सकें। खाद वितरण में लापरवाही पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में उर्वरक वितरण के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए। बताया गया कि खरीफ 2025 में किसानों को वितरित यूरिया की 80 प्रतिशत मात्रा तथा डीएपी की 60 प्रतिशत मात्रा ही खरीफ 2026 में वितरित की जाएगी। यूरिया की शेष 20 प्रतिशत मात्रा पारंपरिक यूरिया उपलब्ध होने पर दी जाएगी।

उचित मूल्य दुकान में अनियमितता पर प्रशासन ने की कार्रवाई

मुंगेली, (प्रतिदिन राजधानी)

जिले के लोरमी विकासखंड अंतर्गत शासकीय उचित मूल्य दुकान साल्हेघोरी में गबन, प्रकरण और निलंबन के संबंध में खाद्य विभाग ने वास्तविक स्थिति देते हुए बताया कि मां सरस्वती महिला स्व सहायता समूह द्वारा कुल 403.28 क्विंटल चावल, 10.38 क्विंटल शक्कर तथा 9.51 क्विंटल नमक की अफरा-तफरी कर शासन को आर्थिक क्षति पहुंचाई गई। वर्तमान में प्रकरण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लोरमी न्यायालय में लंबित है। खाद्य अधिकारी ने बताया कि 14 अगस्त 2025 के पूर्व उक्त राशन दुकान का संचालन मां सरस्वती महिला स्व सहायता समूह द्वारा किया जा रहा था। विभागीय भौतिक सत्यापन के दौरान विभिन्न वर्षों में खाद्यान्न की गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। सितंबर 2022 के सत्यापन में दुकान में 88.76 क्विंटल चावल, 5.14 क्विंटल शक्कर तथा 5.28 क्विंटल नमक कम पाया गया था, जिसकी कुल आर्थिक राशि 3 लाख 62 हजार 454 रुपये आंकी गई। इस संबंध में समूह को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया, किंतु राशि शासन खाते में जमा नहीं की गई।

इसी प्रकार मार्च 2024 के भौतिक सत्यापन में 242.27 क्विंटल चावल, 3.70 क्विंटल शक्कर एवं 3.22 क्विंटल नमक कम पाया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 9 लाख 56 हजार रुपये से अधिक बताई गई। विभाग द्वारा राशि जमा कराने हेतु मांग पत्र जारी किया गया, लेकिन राशि जमा नहीं होने पर तहसीलदार लोरमी को भू-राजस्व बकाया की तरह वसूली कार्रवाई प्रारंभ करने पत्र भेजा गया। मार्च 2025 के सत्यापन में भी 48.32 क्विंटल चावल की कमी पाए जाने पर संबंधित समूह के विरुद्ध कार्रवाई की गई ।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, बुधवार 27 मई 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

भारत-कनाडा व्यापार समझौता साबित होगा 'गेम चेंजर', 2026 तक वार्ता पूरी करने का लक्ष्य

■ वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने ओटावा में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और अन्य मंत्रियों के साथ की उच्च स्तरीय बैठक

ओटावा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इन दिनों कनाडा के तीन दिवसीय अहम दौरे पर हैं। इस दौरान भारत-कनाडा व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) को लेकर ओटावा में दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय वार्ता हुई। वार्ता के दौरान कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने भारत के साथ प्रस्तावित इस मुक्त व्यापार समझौते को एक क्रांतिकारी कदम यानी 'गेम चेंजर' बताया है। दोनों देशों ने 2026 के अंत तक इस संतुलित समझौते को अंतिम रूप देने की प्रतिबद्धता जताई है।

गोयल अपने साथ 100 से अधिक भारतीय कंपनियों के उद्योगपतियों का अब तक का सबसे बड़ा व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल लेकर कनाडा पहुंचे हैं। ओटावा में यात्रा के पहले दिन (25 मई) उन्होंने कनाडा के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू के साथ रचनात्मक चर्चा की। वर्तमान में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगभग 8.5 अरब डॉलर है, जिसे वर्ष 2030 तक बढ़ाकर 50 अरब डॉलर करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा गया है।

कृषि और रणनीतिक साझेदारी पर भी हुआ अहम मंथन

व्यापार के अलावा, खाद्य सुरक्षा और कृषि-तकनीक में सहयोग को मजबूत करने के लिए पीयूष गोयल ने कनाडा के कृषि मंत्री हीथ मैकडोनाल्ड से भी बातचीत की। इसका मुख्य उद्देश्य खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में नए अवसर तलाशना और भारतीय किसानों की आय बढ़ाना है।

इसके साथ ही, कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद के साथ हुई बैठक में बुनियादी ढांचे, नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल ढांचे और रसद में कनाडाई निवेश को लेकर भारत-कनाडा रणनीतिक साझेदारी पर व्यापक चर्चा हुई।

सीईपीए वार्ता में आई तेजी, टोरंटो में होगा उद्योगपतियों का जमावड़ा

मार्च 2026 में कनाडा के पीएम कार्नी की नई दिल्ली यात्रा के बाद से दोनों देशों के बीच सीईपीए (CEPA) वार्ता में काफी तेजी आई है। इसी कड़ी में 25 से 29 मई तक ओटावा में तकनीकी स्तर की वार्ता का एक दौर भी चल रहा है।

ओटावा में अपने पहले दिन के सफल समापन के बाद, अब गोयल 26 और 27 मई को टोरंटो में उद्योगपतियों के साथ गोलमेज सम्मेलन और बी2बी (B2B) बैठकों का नेतृत्व करेंगे। इस दल में ऊर्जा, खनन, ऑटोमोटिव, फार्मास्यूटिकल्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), दूरसंचार, चमड़ा और वस्त्र सहित कई क्षेत्रों के उद्योगपति शामिल हैं, जो कनाडाई कंपनियों के साथ ठोस वाणिज्यिक साझेदारी की संभावनाएं तलाशेंगे।

ओटावा में आयोजित एक स्वागत समारोह में मंत्री गोयल ने भारत की तेज विकास यात्रा और उसमें भारतीय प्रवासियों के महत्वपूर्ण योगदान की भी जमकर सराहना की।

दिल्ली में पीएम मोदी से मिले त्रिपुरा के सीएम डॉ. माणिक साहा

नई दिल्ली। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा ने आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

इस अहम भेंट के संबंध में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से भी आधिकारिक जानकारी साझा की गई है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (X) पर एक पोस्ट करते हुए लिखा, "त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।"

वायुसेना में अफसर बनने का सुनहरा मौका:

GATE स्कोर से मिलेगी सीधी एंट्री

■ तकनीकी शाखा में भर्ती के लिए नई योजना शुरू, उम्मीदवारों को AFCAT लिखित परीक्षा से मिलेगी छूट

नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना (IAF) ने तकनीकी शाखा (अधिकारी कैडर) में भर्ती के लिए नई योजना की घोषणा की है। अब इंजीनियरिंग स्नातक युवा अपने GATE (गेट) स्कोर के आधार पर सीधे आवेदन कर सकेंगे।

लिखित परीक्षा से मिलेगी राहत

इस पहल के तहत, वैध GATE स्कोर वाले उम्मीदवारों को सीधे वायु सेना चयन बोर्ड (AFSB) की परीक्षा के लिए चुना जाएगा। मेरिट के आधार पर चयन होने से इन युवाओं को वायु सेना सामान्य प्रवेश परीक्षा (AFCAT) जैसी प्रारंभिक लिखित परीक्षा नहीं देनी होगी। यह योजना केवल तकनीकी शाखा पर लागू होगी। अन्य सभी शाखाओं के लिए AFCAT मानक प्रवेश परीक्षा के रूप में जारी रहेगी।

योग्यता और आवेदन के विकल्प

प्रवेश के लिए शैक्षणिक योग्यताएं AFCAT के मौजूदा नियमों के अनुरूप ही रहेंगी। मान्य GATE विषयों की विस्तृत सूची AFCAT अधिसूचना 02/2026 में आधिकारिक वेबसाइट (afcat.edcil.co.in और careeriaf.gov.in) पर जारी कर दी गई है। युवाओं को यह लचीलापन दिया गया है कि वे अपनी पसंद के अनुसार AFCAT और GATE स्कोर, दोनों माध्यमों से तकनीकी शाखा के लिए आवेदन कर सकते हैं।

भर्ती से जुड़े नियमित अपडेट्स के लिए उम्मीदवार DISHA इंडियन एयर फोर्स के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल (इंस्टाग्राम/एक्स पर @careeriniaf और फेसबुक/यूट्यूब/लिंक्डइन पर @DISHA) को फॉलो कर सकते हैं।

जापान में चमकेगा भारतीय हुनर: 10 साल में 50 हजार युवाओं को रोजगार का लक्ष्य

■ टोक्यो में आयोजित भारत-जापान संगोष्ठी में कार्यबल सहयोग और कौशल विकास पर बनी सहमति

टोक्यो। भारत और जापान के बीच कुशल कार्यबल की गतिशीलता बढ़ाने के लिए 25 मई को टोक्यो में संयुक्त संगोष्ठी आयोजित की गई। भारतीय दूतावास और जापान की आसियान वन कंपनी लिमिटेड के इस आयोजन में अगले 10 वर्षों में 50,000 लोगों को शामिल कर जापान-भारत मानव विनिमय कार्यक्रम को साकार करने का लक्ष्य रखा गया।

भारत एक विश्वसनीय स्रोत: भारतीय श्रम एवं रोजगार सचिव वंदना गुरनानी ने कहा कि भारत की युवा आबादी और सुदृढ़ कौशल विकास प्रणाली देश को जापान के लिए कुशल मानव संसाधन का एक विश्वसनीय स्रोत बनाती है।

इन क्षेत्रों में अवसर: विनिर्माण, हेल्थकेयर (देखभाल), निर्माण, वाहन रखरखाव, हॉस्पिटैलिटी, कृषि, आईटी और उभरती हरित अर्थव्यवस्था।

भविष्य की रणनीति: भारत में जापानी भाषा और परीक्षण केंद्रों का विस्तार, कौशल-मान्यता और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया पर जोर।

असम की 'फ्लाइट' (FLIGHT) पहल: युवाओं को वैश्विक अवसरों के लिए तैयार करने वाली असम सरकार की 'फॉरेन लैंग्वेज इनिशिएटिव फॉर ग्लोबल टैलेंट' का विशेष उल्लेख किया गया।

इस संगोष्ठी में 250 जापानी कंपनियों के प्रतिनिधि, कई जापानी मंत्री, भारतीय राजदूत नगमा मोहम्मद मल्लिक और आसियान ग्रुप के सीईओ तोशियाकी निशिकावा शामिल हुए। जापान के प्रधानमंत्री और असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने विशेष संदेशों के माध्यम से इस द्विपक्षीय सहयोग का समर्थन किया।

तमिलनाडु: तिरुवरूर बाईपास के लिए 1,427 करोड़ रुपये मंजूर

■ औद्योगिक शहरों को बंदरगाहों से मिलेगी सीधी कनेक्टिविटी, शहर को मिलेगी जाम से निजात

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने तमिलनाडु में एनएच-83 के नागपट्टिनम-तंजावुर खंड पर 14.9 किलोमीटर लंबे 4-लेन तिरुवरूर बाईपास के निर्माण के लिए 1,427.61 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। इस परियोजना में एनएच-129ए और एनएच-134ए पर दो अतिरिक्त रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) का निर्माण भी शामिल है।

परियोजना के लाभ:

आर्थिक विकास: यह मार्ग तिरुचिरापल्ली और कोयंबटूर जैसे औद्योगिक केंद्रों को कराईकल और नागपट्टिनम जैसे बंदरगाह शहरों से जोड़ेगा, जिससे व्यापार और अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी।

रूट की जानकारी: बाईपास आदियाक्कमंगलम-तंडलाई से शुरू होकर अतिपुलियूर, अंडीपलायम, किदारमकोंडान, पल्लीवरमंगलम, पेरुम्पुगलुर, इलावंगारकुडी से होते हुए अनाइवादपति कॉलोनी तक जाएगा।

समय की बचत व सुरक्षा: निर्माण पूरा होने पर तिरुवरूर शहर में भीड़भाड़ कम होगी। यात्रा के समय में 15 मिनट की कमी आएगी और घनी आबादी वाले क्षेत्रों से यातायात बाहर होने से सड़क सुरक्षा बढ़ेगी।

बेहतर कनेक्टिविटी: इस बाईपास से स्टेट हाइवे (एसएच-23, एसएच-65) और प्रसिद्ध त्यागराज स्वामी मंदिर तक आवागमन आसान हो जाएगा।

सेमीकंडक्टर ट्रेनिंग में जनजातीय युवाओं का भारी उत्साह, आवेदनों में 518% का उछाल

■ आईआईएससी और जनजातीय कार्य मंत्रालय की पहल: छात्राओं की भागीदारी में 549% की ऐतिहासिक वृद्धि, 648 जिलों तक पहुंचा दायरा

नई दिल्ली। भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) बेंगलुरु द्वारा जनजातीय छात्रों के लिए शुरू किए गए सेमीकंडक्टर प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रति युवाओं में जबरदस्त रुझान देखने को मिला है। जनजातीय कार्य मंत्रालय और 'माई भारत' के सहयोग से चल रहे 2026 के द्वितीय चरण में आवेदनों में 518 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्ज की गई है।

आंकड़ों के अनुसार, पिछले चरण के 992 आवेदनों की तुलना में इस बार 5,654 आवेदन प्राप्त हुए हैं। यह पहल अब 32 से बढ़कर 34 राज्यों और देश भर के 411 से 648 जिलों तक पहुंच गई है। सबसे खास बात विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (स्टेम) के क्षेत्र में जनजातीय महिलाओं की बढ़ती रुचि है। महिला आवेदकों की संख्या 268 से बढ़कर 1,741 हो गई है, जो 549 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि है।

जागरूकता अभियानों का असर

इस शानदार सफलता के पीछे माई भारत नेटवर्क, स्वयंसेवकों और लक्षित जागरूकता अभियानों की अहम भूमिका है। छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय (सीएसवीटीयू) जैसे तकनीकी संस्थानों ने भी इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक छात्रों तक इसकी पहुंच बढ़ाई। अधिकारियों का मानना है कि इस पहल से जनजातीय युवा तकनीकी रूप से दक्ष होंगे और भारत के उभरते सेमीकंडक्टर उद्योग व भविष्य के तकनीकी कार्यबल में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

आईआईएससी में 10 दिन की मुफ्त आवासीय ट्रेनिंग

आईआईएससी के सेंटर फॉर नैनो साइंस एंड इंजीनियरिंग (सीईएनएसई) द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में सेमीकंडक्टर निर्माण और नैनोइंजीनियरिंग का उच्च स्तरीय ज्ञान दिया जा रहा है। छात्रों को ऑनलाइन मॉड्यूल और विशेषज्ञ व्याख्यान के साथ-साथ आईआईएससी बेंगलुरु में 10 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें प्रतिभागियों के लिए यात्रा, आवास और भोजन की निःशुल्क व्यवस्था है।

CBSE छात्रों को राहत: पेमेंट गेटवे सुधारने के लिए शिक्षा मंत्री ने 4 बैंकों के साथ की बैठक

■ फेल पेमेंट पर मिलेगा ऑटोमैटिक रिफंड

■ पुनर्मूल्यांकन और फीस भुगतान में दूर होगी तकनीकी दिक्कत

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने CBSE की पेमेंट गेटवे प्रणाली की खामियां दूर करने के लिए 26 मई को SBI, बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा बैंक और इंडियन बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की।

उन्होंने परीक्षा के बाद पुनर्मूल्यांकन और उत्तर पुस्तिकाओं की फोटोकॉपी जैसी सेवाओं के लिए एक मजबूत व छात्र-अनुकूल भुगतान व्यवस्था बनाने पर जोर दिया। मंत्री ने बैंकों को सख्त निर्देश दिए कि वे समय पर लेनदेन, रियल-टाइम मॉनिटरिंग, त्वरित शिकायत निवारण और फेल भुगतानों पर ऑटोमैटिक रिफंड की व्यवस्था सुनिश्चित करें ताकि छात्रों को परेशानी न हो।

चारों बैंकों ने पूर्ण समर्थन का आश्वासन देते हुए जल्द ही उन्नत तकनीकी प्रोटोकॉल लागू करने की प्रतिबद्धता जताई। इससे पहले, रिजल्ट के बाद छात्रों को आ रही इन तकनीकी दिक्कतों पर 24 मई को शिक्षा मंत्री ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी चर्चा की थी।

मिजोरम को 32 करोड़ की मत्स्य परियोजनाओं की सौगात, 50 करोड़ से बनेगा फिश मार्केटिंग सेंटर

■ केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह ने आइजोल में की पूर्वोत्तर क्षेत्र की समीक्षा बैठक, सुअर पालन पुस्तिका और एएसएफ जागरूकता फिल्म भी लॉन्च

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर क्षेत्र को मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़े कदम उठाए हैं। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह ने मिजोरम के आइजोल में 'पूर्वोत्तर क्षेत्र 2026' की क्षेत्रीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने राज्य में 32.15 करोड़ रुपये की मत्स्य पालन परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

इसके साथ ही, मत्स्य मूल्य श्रृंखला को बढ़ावा देने के लिए 50 करोड़ रुपये की लागत से कोल्ड चेन सुविधा-युक्त 'मछली विपणन केंद्र' (फिश मार्केटिंग सेंटर) को भी मंजूरी दी गई।

मत्स्य क्षेत्र का आधुनिकीकरण: लाभार्थियों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) और सर्वश्रेष्ठ स्टार्टअप्स को पुरस्कार बांटे गए। निर्यात बढ़ाने के लिए सजावटी मछली पालन, एक्वापार्क, क्लस्टर विकास और बायोफ्लॉक जैसी तकनीकों पर जोर दिया गया।

पशुपालन में नई पहल: डेयरी सहकारी समितियों को मजबूत करने के लिए बहुउद्देशीय डेयरी सहकारी समितियों (एमडीसीएस) का ग्राम स्तरीय बेसलाइन सर्वेक्षण लॉन्च किया गया।

सुअर पालन और रोग नियंत्रण: वैज्ञानिक तरीके से सुअर पालन के लिए 'गुड हसबेंड्री प्रैक्टिसेज इन पिग फार्मिंग' पुस्तिका और अफ्रीकन स्वाइन फीवर (एएसएफ) से बचाव के लिए एक जागरूकता फिल्म जारी की गई।

मुलको डेयरी का दौरा: केंद्रीय मंत्री ने 'मिजो कैफे' और एफपीओ कार्यालय-सह-बिक्री केंद्र का उद्घाटन किया तथा 'मुलको गाय का घी' लॉन्च किया। अधिक उपज के लिए कृत्रिम गर्भाधान सेवाओं और लिंग-आधारित वीर्य (सेक्स-सॉर्टेड सीमेन) के उपयोग पर जोर दिया गया।

इको-सिस्टम और इंफ्रास्ट्रक्चर पर फोकस

बैठक में मौजूद राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन ने रसद, कोल्ड चेन और बाजार संपर्क को मजबूत करने पर बल दिया। इसके अलावा, महिला नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की सक्रिय भूमिका से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुधारने की बात कही गई।

विभागीय सचिवों और अधिकारियों ने पूर्वोत्तर राज्यों से राष्ट्रीय गोकुल मिशन, पशुपालन इंफ्रास्ट्रक्चर विकास कोष और एसएएससीआई जैसी केंद्रीय योजनाओं का पूरा लाभ उठाने की अपील की। केंद्र ने मिजोरम के किसानों को आश्वस्त किया है कि राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) और मंत्रालय पूर्वोत्तर को डेयरी क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए पूरी तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करेंगे।

योग और विरासत का संगम: खजुराहो में कल से शुरू होगा 25 दिवसीय योग महोत्सव

■ केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा- योग से मिलती है आधुनिक स्वास्थ्य और भारतीय परंपरा को नई दिशा

■ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 की 25 दिवसीय उल्टी गिनती का होगा आगाज, पश्चिमी मंदिर समूह में जुटेंगे योग प्रेमी

छतरपुर। विश्व धरोहर स्थल खजुराहो में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2026 के लिए 25 दिवसीय काउंटडाउन (उल्टी गिनती) कार्यक्रम की शुरुआत होने जा रही है। आयुष मंत्रालय का मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) आजमध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के खजुराहो स्थित पश्चिमी मंदिर समूह में इस भव्य योग महोत्सव का आयोजन करेगा।

इस खास आयोजन से पहले, केंद्रीय आयुष (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने आज खजुराहो में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। प्रेस वार्ता के दौरान खजुराहो सांसद विष्णु दत्त शर्मा और राजनगर विधायक अरविंद पटेरिया भी उपस्थित रहे।

मीडिया को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री जाधव ने कहा कि यह योग महोत्सव 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की देशव्यापी तैयारियों का एक अहम हिस्सा है। सरकार देश भर में योग की व्यापकता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। आयुष मंत्रालय जनभागीदारी बढ़ाने के लिए 100 स्थानों पर 100 संस्थानों के सहयोग से 100 दिनों का राष्ट्रव्यापी काउंटडाउन अभियान चला रहा है।

खजुराहो में आयोजन का महत्व

श्री जाधव ने कहा कि योग भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा का अनमोल उपहार है, जो आज की तनावपूर्ण जीवनशैली में एक प्रभावी और वैज्ञानिक तौर पर प्रमाणित स्वास्थ्य समाधान बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि भव्य मंदिर वास्तुकला और शांत वातावरण के लिए प्रसिद्ध खजुराहो भारतीय परंपरा और आधुनिक स्वास्थ्य के बीच सामंजस्य को बेहद सुंदरता से दर्शाता है।

सुबह 6 बजे से शुरू होगा अभ्यास, बंटेगा आयुष आहार

यह कार्यक्रम सुबह 6:00 बजे आरंभ होगा। इसमें देश भर से आए योग साधक, छात्र, स्वास्थ्य प्रेमी और अधिकारी हिस्सा लेंगे। सभी सामूहिक रूप से 'सामान्य योग अभ्यासक्रम' (सीवाईपी) का अभ्यास करेंगे। इस अवसर पर खास तौर से प्रतिभागियों को 'आयुष आहार' भी वितरित किया जाएगा।

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव के साथ मध्य प्रदेश के आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) इंदर सिंह परमार भी उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव मोनालिसा दास, योग संस्थान के निदेशक प्रो. डॉ. काशीनाथ समागंडी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी, योग विशेषज्ञ और आधुनिक चिकित्सा पद्धति के प्रतिनिधि भी शिरकत करेंगे।

वैश्विक आंदोलन बन गया है योग

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर 2014 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा योग को मान्यता दिए जाने के बाद से यह स्वास्थ्य और कल्याण का एक वैश्विक आंदोलन बन गया है। 'योग 365 दिन' पहल के तहत 21 जून तक 100 दिनों का निःशुल्क योग प्रशिक्षण अभियान भी चलाया जा रहा है। इसमें अब तक दो लाख से अधिक प्रतिभागी 'योग मित्र' के रूप में अपना पंजीकरण करा चुके हैं।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, बुधवार 27 मई 2026

https://epaper.pratidinrajdhani.in

प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शी और जनकेंद्रित नेतृत्व में देश ने नए युग में प्रवेश किया : सीएम साय

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'प्रधान सेवक' के रूप में राष्ट्रसेवा, सुशासन और जनकल्याण को समर्पित सफल 12 वर्ष पूर्ण होने पर हार्दिक बधाई और अभिनंदन व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शी, निर्णायक और जनकेंद्रित नेतृत्व में देश ने सेवा, सुरक्षा, आत्मविश्वास और विकास के नए युग में प्रवेश किया है।

मुख्यमंत्री साय ने आज मंगलवार को सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि बीते 12 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी ने शासन की सोच और कार्यशैली को बदलते हुए सेवा, सुशासन और अंत्योदय की भावना को केंद्र में रखा तथा यह सुनिश्चित किया

कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि गरीब, किसान, महिला, युवा, वंचित और जनजातीय समाज के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का जो संकल्प प्रधानमंत्री ने लिया, वह आज देश के कोने-कोने में दिखाई देता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आज भारत आत्मविश्वास, सुरक्षा और वैश्विक प्रतिष्ठा के नए आयाम स्थापित कर रहा है। मजबूत अर्थव्यवस्था, आधुनिक अधोसंरचना, डिजिटल क्रांति, आत्मनिर्भरता, राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक समावेशन की दिशा में देश ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। विकसित भारत/2047 का संकल्प आज जनभागीदारी और विश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के संदर्भ में प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व विशेष रूप से प्रेरणादायी रहा है। दशकों तक नक्सल हिंसा से प्रभावित रहे बस्तर और वनांचल क्षेत्रों में आज विकास, विश्वास और जनकल्याण की नई धारा दिखाई दे रही है। सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, मोबाइल कनेक्टिविटी, बैंकिंग सुविधाओं और शासकीय योजनाओं की पहुँच दूरस्थ जनजातीय अंचलों तक सुनिश्चित हुई है, जिससे लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, हर घर जल, जन-धन योजना और डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं ने गरीबों, किसानों, मातृशक्ति, युवाओं तथा जनजातीय समाज के जीवन में आशा, सम्मान और आत्मविश्वास का नया संचार किया है। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की प्रधानमंत्री की सोच ने शासन को अधिक संवेदनशील और जवाबदेह बनाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र को केवल नारा नहीं रहने दिया, बल्कि उसे व्यवहार और नीति का आधार बनाया।

दिल्ली सरकार ने राशन कार्ड बनाने की वार्षिक आय सीमा बढ़ाकर 2.5 लाख की

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली कैबिनेट ने मंगलवार को सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत राशन कार्ड की वार्षिक आय पात्रता सीमा को 1.2 लाख से बढ़ाकर 2.5 लाख रुपये करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

दिल्ली के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कैबिनेट निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि पहले, राशन कार्ड के लिए आय की पात्रता बहुत कम थी। वर्तमान में 1 लाख रुपये की वार्षिक आय एक परिवार के लिए न्यूनतम मज़दूरी के स्तर से भी कम है। इसे ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने आय की सीमा बढ़ाकर 2.5 लाख कर दी है, ताकि ज़्यादा से ज़्यादा पात्र परिवार पीडीएस प्रणाली के तहत किफ़ायती राशन का लाभ उठा सकें।

मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार सीबीडीसी(सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी) आधारित राशन वितरण प्रणाली लागू करने की दिशा में भी कार्य कर रही है। इस प्रणाली के अंतर्गत भविष्य में राशन के लिए वित्तीय सहायता सीधे लाभार्थियों के खातों में जमा की जाएगी, जिससे वे डिजिटल मुद्रा के माध्यम से आवश्यकता अनुसार सरकारी राशन की दुकानों से राशन प्राप्त कर सकेंगे। इससे प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ेगी और अनियमितता समाप्त होगा।

सरकार ने पीएम-वानी में किए सुधार

लैपटॉप के लिए क्यूआर लॉगिन,मानकीकृत हॉटस्पॉट होंगे लागू

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री वाई-फाई एक्सेस नेटवर्क इंटरफेस (पीएम-वानी) ढांचे में बदलाव करते हुए लैपटॉप और अन्य उपकरणों के लिए क्यूआर आधारित लॉगिन, 15, 30 और 60 मिनट की लचीली अल्पकालिक योजनाएं तथा पीएम-वानी हॉटस्पॉट नामों का मानकीकरण शामिल किया है।

संचार मंत्रालय ने 22 मई को जारी परिपत्रों के माध्यम से इन सुधारों को लागू किया है। सभी हितधारकों को आठ सप्ताह के भीतर संशोधित दिशा-निर्देश लागू करने के लिए कहा गया है ताकि जुलाई तक नए नागरिक-हितैषी फीचर पूरे पारिस्थितिकी तंत्र में सक्रिय हो जाएं।

मुख्य सचिव ने ई-प्रगति पोर्टल पर जियोटैग फोटो के साथ रिपोर्ट अपलोड करने के निर्देश

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव श्री विकासशील ने आज मंत्रालय (महानदी भवन) में ई-प्रगति पोर्टल में दर्ज राज्य की अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजनाओं की प्रगति की व्यापक समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं कि सभी परियोजनाओं के कार्यों में तेजी लाई जाए और आ रही बाधाओं को तत्काल दूर कर नियमित रूप से प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में बेवजह की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और लापरवाही बरतने वाली निर्माण एजेंसियों पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

समीक्षा बैठक में विशेष रूप से पोर्टल पर दर्ज राज्य की 5 अति-महत्वपूर्ण परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति पर चर्चा की गई। वर्किंग वुमेन हॉस्टल, उसलापुर (बिलासपुर), वर्किंग वुमेन हॉस्टल, कोनी (बिलासपुर), 4ळ स्टेशन क्टछ मोबाइल टॉवर स्थापना (बिलासपुर), मोबाइल टॉवर हेतु विद्युत अधोसंरचना परियोजना (बिलासपुर) और सिकारसर कोडार रिसीवर लिंक कैनाल (गरियाबंद जिला)

मुख्य सचिव ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया है कि वे प्रत्येक परियोजना की साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट ई-पोर्टल पर फोटो जियोटैग (चिवजव ळमव.जंह) के साथ अनिवार्य रूप से अपलोड करें, ताकि कार्यों की वास्तविक स्थिति की पारदर्शी मॉनिटरिंग हो सके। उन्होंने जिलों में मोबाइल टॉवर स्थापना के मार्ग में आ रही भूमि आवंटन या अन्य तकनीकी दिक्कतों को संबंधित कलेक्टरों से समन्वय कर शीघ्र दूर करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने संबंधित जिलों के कलेक्टरों को व्यक्तिगत रूप से रुचि लेकर ई-प्रगति पोर्टल की परियोजनाओं की दैनिक समीक्षा करने और उनमें तेजी लाने को कहा है।

पर्यटन विभाग के सचिव एस. भारतीदासन की समीक्षा बैठक में हैरिटेज और इको-टूरिज्म पर विशेष जोर

राज्य की पर्यटन संभावनाओं को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने बनेगी व्यापक रणनीति

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ में पर्यटन विकास को नई गति और वैश्विक पहचान देने की दिशा में पर्यटन विभाग के नवनियुक्त सचिव एस. भारतीदासन ने मंगलवार को मंत्रालय (महानदी भवन, नवा रायपुर) के मंथन हॉल में विभागीय योजनाओं और परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। सचिव के रूप में पदभार ग्रहण करने के बाद यह उनकी पहली विभागीय बैठक थी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने राज्य में संचालित पर्यटन परियोजनाओं, अधोसंरचना विकास, पर्यटन स्थलों के उन्नयन, पर्यटक सुविधाओं तथा प्रचार-प्रसार गतिविधियों का विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया।

पर्यटन केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था का आधार- सचिव

बैठक में सचिव श्री एस. भारतीदासन ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक सौंदर्य, जैव विविधता, जनजातीय संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहरों और धार्मिक आस्था स्थलों से समृद्ध राज्य है। पर्यटन केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि यह स्थानीय रोजगार सृजन, संस्कृति के संरक्षण और ग्रामीण आर्थिक विकास का एक प्रभावी आधार है। इन विशेषताओं को योजनाबद्ध तरीके से विकसित कर छत्तीसगढ़ को देश के अग्रणी पर्यटन गंतव्यों में शामिल किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि विकास कार्य केवल निर्माण तक सीमित न रहें, बल्कि वहां आने वाले पर्यटकों को एक सुरक्षित, सहज और यादगार अनुभव मिले। इसके लिए स्वच्छता, सुरक्षा, सुगम आवागमन, साइनेज, गाइड सुविधा, स्थानीय खान-पान और डिजिटल इनफॅार्मेशन जैसी मूलभूत व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद किया जाए।

हैरिटेज टूरिज्म सर्किट और रॉयल एक्सपीरियंस- प्रदेश के ऐतिहासिक गढ़ों, महलों और पुरातात्विक स्थलों को पर्यटन के मुख्य आकर्षण के रूप में विकसित किया जाएगा। ऐतिहासिक स्थलों पर लाइट एंड साउंड शो, डिजिटल डिस्प्ले और पारंपरिक स्थापत्य कला का संरक्षण किया जाएगा।

भाजपा को जानो कार्यक्रम के तहत नितिन नवीन ने 12 देशों के मिशन प्रमुखों से की मुलाकात

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को 12 देशों के मिशन प्रमुखों के मुलाकात की। यह बैठक भाजपा को जानो कार्यक्रम के तहत की गई, जिसका उद्देश्य राजनयिक समुदाय के साथ जुड़ाव को मजबूत करना है।

भाजपा के केंद्रीय मुख्यालय में आज शाम को आयोजित यह कार्यक्रम भाजपा के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संपर्क स्थापित करने के

प्रयासों के तहत किया गया, जिसका उद्देश्य राजनयिकों को पार्टी के इतिहास, वैचारिक ढांचे, शासन मॉडल और संगठनात्मक कार्यप्रणाली से परिचित कराना है।

बैठक के बाद भाजपा के विदेश मामलों के विभाग के प्रभारी विजय चौथाईवाले ने मीडिया से कहा कि भाजपा अध्यक्ष के तौर पर नितिन नवीन का यह उनका पहला बड़ा संवाद था, इसलिए विदेशी राजनयिकों में पार्टी की भविष्य की दिशा को लेकर काफी उत्सुकता दिखाई दी। उन्होंने बताया कि शुरुआती संबोधन के बाद राजनयिकों और भाजपा नेतृत्व के बीच सवाल-जवाब और अनुभव साझा करने का लंबा दौर चला।

उन्होंने बताया कि राजनयिकों के सवाल मुख्य रूप से भाजपा की भविष्य की योजनाओं, पार्टी की विचारधारा, संगठनात्मक ढांचे और 2047 तक 'विकसित भारत' के विजन को लेकर थे।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2026 के लिए नामांकन आमंत्रित

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

बच्चों की असाधारण प्रतिभा और उपलब्धियों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2026 के लिए नामांकन आमंत्रित किए गए हैं।

यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रतिवर्ष भारत के राष्ट्रपति द्वारा उन बच्चों को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाया है। महिला एवं बाल विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस वर्ष नामांकन प्रक्रिया 31 जुलाई 2026 तक जारी रहेगी। 5 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चे इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। पुरस्कार के लिए वीरता, सामाजिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जैसी श्रेणियों में उल्लेखनीय उपलब्धियों को मान्यता दी जाएगी।

विभाग ने बताया कि इच्छुक बच्चे, अभिभावक, संस्थाएं अथवा अन्य व्यक्ति योग्य बच्चों का नामांकन कर सकते हैं। स्व-नामांकन की सुविधा भी उपलब्ध है। सभी आवेदन केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे। आवेदन एवं विस्तृत जानकारी के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल https://awards.gov.in/पर विजिट किया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ में वन्यजीव संरक्षण के लिए शुरू होगा विशेष प्रशिक्षण

राष्ट्रीय विशेषज्ञ देंगे वन्यजीवों के पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक जांच की बारीकियों का प्रशिक्षण

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ में वन्यजीवों, विशेषकर हाथियों और उनके शावकों की सुरक्षा तथा संरक्षण को वन विभाग ने एक महत्वपूर्ण पहल शुरू करने जा रहा है।

वन विभाग जून 2026 के प्रथम सप्ताह में एक उच्च स्तरीय राज्य स्तर पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेगा। इस विशेष प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य वन्यजीवों की असमय मृत्यु के कारणों की वैज्ञानिक जांच करना, उनका बेहतर स्वास्थ्य प्रबंधन सुनिश्चित करना तथा भविष्य में ऐसी दुखद घटनाओं की रोकथाम के लिए ठोस रणनीति तैयार करना है। इस कार्यक्रम का विषय लर्निंग फ्रॅाम डेड एसेंशियलस ऑफ मोर्टेलिटी इनवेस्टिगेशन ऑफ एशियन एलिफेंट फॉर ऑफिसियल आफ छत्तीसगढ़ फॉरेस्ट डिपार्टमेंट रखा गया है।

वन विभाग ने इस प्रशिक्षण को पूरी तरह व्यावहारिक बनाने के लिए पिछली घटनाओं से सीखने पर जोर दिया है। प्रशिक्षण के दौरान पिछले दो वर्षों में रायगढ़ और धरमजयगढ़ वनक्षेत्रों में हुई हाथी शावकों की मृत्यु से जुड़े मामलों की गहन समीक्षा की जाएगी। संबंधित वनमंडलाधिकारी इन मामलों से जुड़ी पोस्टमार्टम रिपोर्ट, विसरा जांच रिपोर्ट और विशेषज्ञ संस्थानों के निष्कर्षों को पटल पर रखेंगे। राष्ट्रीय विशेषज्ञ इन सभी रिपोर्टों का तकनीकी विश्लेषण कर भविष्य के लिए अचूक सुरक्षात्मक सुझाव देंगे।

देश के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय विशेषज्ञ देंगे व्यावहारिक प्रशिक्षण

इस उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के ख्यातिलब्ध और प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञ मुख्य रूप से शामिल होकर मैदानी अमले का मार्गदर्शन करेंगे। इनमें शामिल होंगे डॉ. पराग निगम, डॉ. कारिकलन, डॉ. तपेन्द्र सैनी, डॉ. जैन करण भरत जैसे राष्ट्रीय विशेषज्ञ उपस्थित वन अधिकारियों और वन्यप्राणी पशु चिकित्सकों को हाथियों एवं अन्य वन्यजीवों में होने वाली जटिल बीमारियों की समय पर पहचान, उनके सटीक उपचार, वैज्ञानिक पोस्टमार्टम प्रक्रिया तथा आधुनिक फॉरेंसिक जांच की बारीकियों का व्यावहारिक व तकनीकी प्रशिक्षण देंगे।

अप्रैल 2026 के अंत में दूरसंचार उपभोक्ता डाटा से संबंधित मुख्य झलकियां

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

गाड़ी संख्या 15231/15232 बरौनी-गोंदिया - बरौनी एक्सप्रेस के मार्ग में संशोधन एवं कुछ स्टेशनों पर ठहराव अस्थायी रूप से निरस्त

उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के अयोध्या कैंट-अकबरपुर - जाफराबाद सेक्शन में स्थित जौनपुर जंक्शन स्टेशन पर यार्ड री-मॉडलिंग कार्य एवं नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण गाड़ी संख्या 15231/15232 बरौनी-गोंदिया- बरौनी एक्सप्रेस के मार्ग में संशोधन किया गया है। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित करने हेतु ट्रेनों का परिवर्तित मार्ग निर्धारित किया गया है।

विवरण निम्नानुसार है :-

गाड़ी संख्या 15231 बरौनीङ्गोंदिया एक्सप्रेस

यात्रा प्रारंभ तिथि : 26.05.2026 एवं 27.05.2026

यह गाड़ी अपने निर्धारित मार्ग अर्जुनी, औनिहार जंक्शन, जौनपुर जंक्शन, वाराणसी जंक्शन, मिर्जापुर जंक्शन, के स्थान पर परिवर्तित मार्ग अर्जुनी, वाराणसी सिटी, बनारस, प्रयागराज रामबाग, प्रयागराज जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, ओहान केबिन, बांसापहाड़ होकर चलेगी।

इस दौरान इस गाड़ी का ठहराव केराकत एवं जौनपुर में निरस्त रहेगा।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 15232 गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस

यात्रा प्रारंभ तिथि : 25.05.2026 एवं 26.05.2026

यह गाड़ी परिवर्तित मार्ग मानिकपुर जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, वाराणसी, जौनपुर जंक्शन, अर्जुनी के स्थान पर बांसापहाड़ ओहन केबिन, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज रामबाग, बनारस, वाराणसी वाराणसी सिटी एवं अर्जुनी होकर संचालित की जाएगी।

इस गाड़ी का ठहराव जौनपुर जंक्शन, मुफ्तीगंज एवं केराकत में निरस्त रहेगा।

रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व अपनी गाड़ी की अद्यतन जानकारी रेलवे की आधिकारिक पूछताछ सेवा ह्रअश्वस् अथवा हेल्पलाइन 139 से प्राप्त कर लें। यात्रियों को होने वाली असुविधा के लिए खेद है।

बस्तर के पहले आवासीय खेल अकादमी में प्रवेश के लिए चयन ट्रायल 28-29 मई को

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

बस्तर संभागीय मुख्यालय जगदलपुर में प्रारंभ हो रहे अंचल के पहले आवासीय खेल अकादमी में प्रवेश के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा 28 मई और 29 मई को चयन ट्रायल का आयोजन किया जा रहा है। जगदलपुर के धरमपुरा क्रीड़ा परिसर में आयोजित चयन ट्रायल में 13 वर्ष से 17 वर्ष आयु वर्ग के बालक हिस्सा ले सकते हैं। चयनित बच्चों को आवासीय अकादमी में तीरंदाजी, फुटबॉल और एथलेटिक्स का प्रशिक्षण देकर उनकी प्रतिभा को तराशा जाएगा। उन्हें बड़े स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया जाएगा। चयन ट्रायल में भाग लेने के इच्छुक बच्चों को आयु प्रमाण पत्र, शैक्षणिक प्रमाण पत्र और खेल उपलब्धियों के प्रमाण पत्र के साथ उपस्थित होने कहा गया है।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि चयन ट्रायल के पहले दिन 28 मई को सवेरे सात बजे से खिलाड़ियों का पंजीयन, दस्तावेज सत्यापन, मेडिकल और शारीरिक दक्षता का परीक्षण किया जाएगा। वहीं ट्रायल के दूसरे दिन 29 मई को खेल कौशल का परीक्षण किया जाएगा। चयनित खिलाड़ियों को इंदिरा प्रियदर्शिनी स्टेडियम में संचालित होने वाले आवासीय अकादमी में निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान अकादमी में खिलाड़ियों को निःशुल्क आवास, भोजन, शैक्षणिक व्यय, खेल प्रशिक्षण एवं प्लेइंग किट, दुर्घटना बीमा तथा विश्वस्तरीय प्रशिक्षण की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक-शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक-हरीश नचरानी, मो.-9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.- 0771-2223399, मो.-6262904444